किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक
राष्ट्रीय संस्करण
RNI: UPHIN/2021/84200
समाज जागरण
नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 4 अंकः 244 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शनिवार 13 जून 2026 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

ट्रंप का दावा: 'ईरान ने भारतीय जहाजों पर किया हमला, अमेरिकी सेना ने बचाया'

होर्मुज जलडमरूमध्य की घटनाओं के बीच भारत-अमेरिका संबंधों में बढ़ी कूटनीतिक हलचल

वॉशिंगटन/ नई दिल्ली, समाज जागरण ब्यूरो। होर्मुज जलडमरूमध्य में भारतीय क्रू वाले जहाजों से जुड़े घटनाक्रम के बाद भारत और अमेरिका के बीच कूटनीतिक स्तर पर तनाव की चर्चा तेज हो गई है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति Donald Trump ने दावा किया है कि ईरान ने होर्मुज क्षेत्र से गुजर रहे भारतीय जहाजों पर ड्रोन हमला करने की कोशिश की थी, जिसे अमेरिकी सेना ने विफल कर दिया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी बयान में कहा कि अमेरिकी सेना ने भारतीय जहाजों के संभावित खतरे से बचाया और ईरान की ऐसी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि उसे अपने व्यवहार में जल्द सुधार करना चाहिए।

भारतीय जहाज पर हमले के बाद बढ़ी संवेदनशीलता

हाल के दिनों में होर्मुज क्षेत्र में भारतीय क्रू वाले एक जहाज पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के दौरान तीन भारतीय नागरिकों की मौत की खबरों ने मामले को और संवेदनशील बना दिया है। इस घटना को लेकर भारत सरकार ने अपनी चिंता और नाराजगी अमेरिकी पक्ष के समक्ष व्यक्त की थी। इसी पृष्ठभूमि में ट्रंप का नया बयान सामने आया है।

ईरान-अमेरिका के बीच बयानबाजी तेज

ट्रंप ने अपने बयान में ईरान पर आरोप लगाया कि उसने संभावित समझौते से जुड़ी शर्तों को लेकर भ्रामक जानकारी सार्वजनिक की है। उन्होंने कहा कि ईरान द्वारा मीडिया में साझा की गई शर्तों का वास्तविक वार्ता से कोई संबंध नहीं है और दोनों देशों के बीच किसी संभावित समझौते को लेकर अभी कई मुद्दे स्पष्ट होने बाकी हैं।

वहीं, ईरान ने अमेरिकी दावों पर अलग रुख अपनाते हुए कहा है कि किसी अंतिम समझौते को लेकर उसकी ओर से अभी कोई औपचारिक स्वीकृति नहीं दी गई है। इसके बाद दोनों देशों के बीच बयानबाजी और तेज हो गई है।

अंतरराष्ट्रीय नजरें होर्मुज क्षेत्र पर

दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें इस क्षेत्र पर टिकी हुई हैं। भारतीय जहाजों की सुरक्षा और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर संभावित असर को लेकर भी चिंताएं जताई जा रही हैं।

FSSAI का बड़ा आदेश: खाने-पीने की पैकिंग में अब नहीं चलेगी पिन और तार

नई दिल्ली, समाज जागरण खाद्य सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए (एफएसएसएआई) ने खाद्य व्यापार संचालकों (एफबीओ) को निर्देश दिया है कि वे खाने-पीने के उत्पादों की पैकिंग और सीलिंग में मेटल की पिन, स्टेपल पिन, तार अथवा इसी प्रकार की अन्य धातु सामग्री का इस्तेमाल तत्काल प्रभाव से बंद करें।

एफएसएसएआई ने कहा कि हाल के दिनों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें केक, मिठाई, स्नैक पैकेट और अन्य खाद्य उत्पादों में स्टेपल पिन या धातु के टुकड़े पाए गए। इससे उपभोक्ताओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य को गंभीर खतरा पैदा हो सकता है।

केक, मिठाई और फूड पार्सल में मिल रहे थे धातु के टुकड़े

खाद्य नियामक के अनुसार सजावटी केक, केक बॉक्स, मिठाई के डिब्बे, स्नैक पाउच, टेकअवे फूड पार्सल और अन्य खाद्य पैकेजिंग में मेटल पिन और तारों का उपयोग देखा गया है।

₹449 करोड़ का 'इलेक्ट्रॉनिक ब्रह्मास्त्र'

दुश्मन की मिसाइलों को भटकाएगा भारत का नया GNSS जैमर

चीन-पाकिस्तान के ड्रोन और मिसाइलों के खिलाफ भारतीय नौसेना को मिलेगी नई ताकत

नई दिल्ली, समाज जागरण। आधुनिक युद्ध में जहां मिसाइलों और टैंकों के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक युद्ध की भूमिका लगातार बढ़ रही है, वहीं भारत ने इस दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। भारतीय नौसेना ने लगभग 449 करोड़ रुपये की लागत से 20 अत्याधुनिक ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम जैमर हासिल करने की प्रक्रिया को मंजूरी दी है। रक्षा विशेषज्ञ इसे भविष्य के युद्धों में गेमचेंजर तकनीक मान रहे हैं।

यह प्रणाली केवल दुश्मन के सिग्नलों को बाधित नहीं करेगी, बल्कि उनकी मिसाइलों और ड्रोन को गलत दिशा में भेजने की क्षमता भी रखेगी। इस तकनीक के जरिए दुश्मन के हथियार अपने लक्ष्य से भटक सकते हैं, जिससे भारतीय नौसेना की रक्षा क्षमता और अधिक मजबूत होगी।

स्वदेशी तकनीक पर आधारित परियोजना

इस परियोजना का निर्माण बेंगलुरु स्थित Accord Software & Systems को सौंपा गया है। कंपनी पहले भी भारत के स्वदेशी सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम NavIC से जुड़ी महत्वपूर्ण तकनीकों के विकास में योगदान दे चुकी है।

'मेक इन इंडिया' और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में यह सौदा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे भारतीय रक्षा तंत्र को विदेशी तकनीकों पर निर्भरता कम करने में भी मदद मिलेगी।

कैसे काम करेगा नया GNSS जैमर?

विशेषज्ञों के अनुसार पारंपरिक जैमर केवल सिग्नलों को बाधित करते हैं, जिससे विरोधी पक्ष को तुरंत पता चल जाता है कि उसके सिस्टम पर इलेक्ट्रॉनिक हमला हुआ है। लेकिन नई प्रणाली 'स्पूफिंग' तकनीक का उपयोग करती है।

इस तकनीक के तहत दुश्मन के ड्रोन, क्रूज मिसाइल या अन्य नेविगेशन-आधारित हथियारों को गलत लोकेशन और फर्जी निर्देश प्राप्त होते हैं। परिणामस्वरूप वे अपने वास्तविक लक्ष्य तक पहुंचने के बजाय भटक सकते हैं या पूरी तरह निष्प्रभावी हो सकते हैं।

समुद्री सुरक्षा को मिलेगा बड़ा फायदा

भारतीय नौसेना के युद्धपोतों और रणनीतिक परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए यह तकनीक बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती सामरिक प्रतिस्पर्धा और ड्रोन आधारित खतरों के बीच यह प्रणाली नौसेना की इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता को नई ऊंचाई दे सकती है।

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य के युद्धों में केवल सैन्य शक्ति ही नहीं, बल्कि संचार, सैटेलाइट और इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क पर नियंत्रण भी निर्णायक भूमिका निभाएगा। ऐसे में GNSS जैमर जैसी प्रणालियां किसी भी देश की सामरिक बढ़त सुनिश्चित करने में अहम साबित हो सकती हैं।

रोज 500 करोड़ रुपये का नुकसान झेल रहीं तेल कंपनियां, बल्क डीजल बिक्री पर सरकार की बड़ी रोक

90 दिनों के लिए लागू हुए नए नियम, रिटेल पंपों से डीजल खरीद पर सख्ती

नई दिल्ली, समाज जागरण ब्यूरो। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और बढ़ती वैश्विक ऊर्जा कीमतों के बीच सरकारी तेल कंपनियों को हो रहे भारी नुकसान को देखते हुए केंद्र सरकार ने रिटेल पेट्रोल पंपों पर बल्क डीजल बिक्री पर रोक लगा दी है। सरकार का कहना है कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी की बिक्री पर प्रतिदिन लगभग 500 करोड़ रुपये की अंडर-रिकवरी (लागत और बिक्री मूल्य के बीच अंतर) झेल रही हैं।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी 'मोटर स्पिरिट एवं हाई-स्पीड डीजल आदेश, 2026' के तहत यह व्यवस्था प्रारंभिक रूप से 90 दिनों तक लागू रहेगी।

रिटेल पंपों पर डीजल खरीद के लिए नई सीमा

नए आदेश के अनुसार अब रिटेल आउटलेट्स से डीजल केवल वाहनों के टैंक अथवा पीईएसओ से अनुमोदित कंटेनरों में ही दिया जाएगा। प्रत्येक ग्राहक या वाहन के लिए प्रतिदिन अधिकतम 200 लीटर डीजल खरीदने की सीमा निर्धारित की गई है।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि रिटेल पंप से खरीदे गए डीजल की दोबारा बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी।

बल्क उपभोक्ताओं पर लगी रोक

औद्योगिक, संस्थागत, वाणिज्यिक और प्रत्यक्ष उपभोक्ताओं को अब सामान्य पेट्रोल पंपों से डीजल खरीदने की अनुमति नहीं होगी। ऐसे उपभोक्ताओं को केवल निर्धारित कंज्यूमर पंपों से ही ईंधन की आपूर्ति लेनी होगी।

मंत्रालय के अनुसार हाल के महीनों में बड़ी संख्या में बल्क उपभोक्ता कम कीमत का लाभ उठाने के लिए सरकारी पेट्रोल पंपों से डीजल खरीद रहे थे, जिससे खुदरा उपभोक्ताओं की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई थी।

रिटेल और बल्क डीजल के दाम में बड़ा अंतर

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक वर्तमान में रिटेल डीजल की कीमत बल्क डीजल की तुलना में लगभग 40 रुपये प्रति लीटर कम है। यही कारण है कि निजी और औद्योगिक उपभोक्ता बड़े पैमाने पर रिटेल आउटलेट्स का रुख कर रहे थे।

डीजल बिक्री में रिकॉर्ड बढ़ोतरी

मई 2026 के आंकड़ों के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों के पेट्रोल पंपों पर डीजल बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। देश के 327 जिलों में बिक्री में 10 प्रतिशत से अधिक और 80 जिलों में 30 प्रतिशत से अधिक वृद्धि देखी गई।

वहीं, अधिक कीमतों के कारण निजी तेल विपणन कंपनियों की हाई-स्पीड डीजल बिक्री में लगभग 58 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

कालाबाजारी पर भी सरकार की नजर

सरकार के संज्ञान में ऐसे मामले आए थे, जिनमें जेरी कैन और अन्य कंटेनरों के माध्यम से बड़ी मात्रा में डीजल खरीदकर उसकी पुनर्बिक्री की जा रही थी। इसे रोकने के लिए तेल विपणन कंपनियों और डीलरों को नियमों के कड़ाई से पालन की जिम्मेदारी दी गई है।

राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी कालाबाजारी तथा अनधिकृत डीजल डायवर्जन के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं।

फेसबुक, इंस्टाग्राम और मैसेंजर वैश्विक स्तर पर डाउन, करोड़ों यूजर्स हुए प्रभावित

लॉग-इन, फीड, मैसेज और रील्स में आई दिक्कत; दुनिया भर से शिकायतों की बाढ़

नई दिल्ली, समाज जागरण दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कंपनी Meta के प्रमुख प्लेटफॉर्म फेसबुक, इंस्टाग्राम और मैसेंजर शुक्रवार को वैश्विक स्तर पर प्रभावित हो गए। भारत समेत अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कई अन्य देशों के यूजर्स ने इन प्लेटफॉर्म्स पर लॉग-इन, फीड एक्सेस, पोस्ट शेयरिंग और मैसेज भेजने में समस्याओं की शिकायत की।

यूजर्स के मुताबिक फेसबुक पर न्यूज फीड नहीं खुल रही थी, कई लोगों का प्रोफाइल पेज दिखाई नहीं दे रहा था और लॉग-इन करने में भी परेशानी आ रही थी। इसके अलावा पोस्ट और रील्स शेयर करने की सुविधा भी प्रभावित रही।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने ली करवट, पूरे सप्ताह राहत के आसार

बारिश, आंधी और वज्रपात का अलर्ट; तापमान में 7 डिग्री तक गिरावट

नई दिल्ली, समाज जागरण ब्यूरो।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में भीषण गर्मी और लू से जूझ रहे लोगों को बड़ी राहत मिली है। पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश, तेज हवाओं और बादलों की आवाजाही के कारण तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार के लिए बारिश, गरज-चमक, तेज हवाओं और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान में करीब 7 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे झुलसाने वाली गर्मी से राहत मिली है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। दिनभर हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं की संभावना जताई गई है।

40 से 50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चल सकती हैं हवाएं

आईएमडी ने चेतावनी दी है कि सुबह से शाम तक कई इलाकों में आकाशीय बिजली गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। विभाग ने लोगों को खुले मैदानों, पेड़ों और बिजली के खंभों के पास खड़े होने से बचने की सलाह दी है।

अगले सात दिनों तक राहत भरा मौसम

मौसम विभाग के सात दिवसीय पूर्वानुमान के अनुसार 13 जून को भी मौसम सुहावना बना रहेगा। इस दिन अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। गरज के साथ बारिश का दौर जारी रह सकता है।

14 जून को अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और कुछ स्थानों पर गरज-चमक की स्थिति बन सकती है। वहीं 15 जून को मौसम मुख्य रूप से साफ रहने की संभावना है, हालांकि तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है।

पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी की नमी का असर

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी के संयुक्त प्रभाव के कारण उत्तर भारत के मौसम में यह बदलाव देखने को मिल रहा है। यही वजह है कि एनसीआर समेत आसपास के क्षेत्रों में बारिश और तेज हवाओं का दौर बना हुआ है।

मुख्य बिंदु

दिल्ली-एनसीआर में तापमान में 7 डिग्री तक की गिरावट।
बारिश, आंधी और वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी।
40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चल सकती हैं तेज हवाएं।
अगले एक सप्ताह तक गर्मी से राहत के संकेत।
पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी का असर।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ दिनों तक तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और लू से राहत मिलती रहेगी। फिलहाल बादलों और बारिश ने राजधानी क्षेत्र में मौसम को काफी हद तक खुशनुमा बना दिया है।

नेताओं की मजबूरी पर वफादारी का चोला

संजय सक्सेना,लखनऊ, वरिष्ठ पत्रकार

राजनीति में वफादारी और मजबूरी के बीच की लकीर अक्सर इतनी पतली होती है कि आम आदमी तो क्या, खुद नेता भी भूल जाते हैं कि वे किस तरफ खड़े हैं। तृणमूल कांग्रेस के तीन सांसदों शत्रुघ्न सिन्हा, कीर्ति आजाद और बाबुल सुप्रियो की कहानी इसी सच्चाई की एक जीती-जागती मिसाल है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी की करारी हार के बाद जब पार्टी के करीब बीस सांसद बगावत पर उतर आए और मोदी सरकार के साथ खड़े होने का एलान कर दिया, तब यही तीनों नेता दीदी यानी ममता बनर्जी की वफादारी का ढिंढोरा पीटने में लगे हैं। शत्रुघ्न सिन्हा ने बयान दिया कि वे ममता जी के साथ हैं और हमेशा टीएमसी में ही रहेंगे। कीर्ति आजाद ने भी संकट की इस घड़ी में ममता बनर्जी का हाथ थामे रखने का एलान किया। लेकिन जो बात इन

बयानों के पीछे छिपी है, वह यह है कि इन नेताओं के पास फिलहाल कोई और चारा है भी नहीं। सबसे पहले बात शत्रुघ्न सिन्हा की। शत्रुघ्न सिन्हा ने भले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के खिलाफ जाकर भाजपा छोड़ी थी, लेकिन भाजपा में आज भी उनके कई पुराने मित्र मौजूद हैं। यही कारण है कि जब टीएमसी में तूफान आया तो उनकी चुप्पी ने सबको चौंकाया। वे न बागी खेमे में नजर आए, न ममता के साथ खुलकर। लेकिन जब यह साफ हो गया कि भाजपा उनके लिए अपने दरवाजे खोलने के मूड में नहीं है, तो उनकी कथित वफादारी की घोषणा सामने आ गई।

बता दें, शत्रुघ्न सिन्हा लंबे समय तक भाजपा के चमकते सितारे रहे। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में वे केंद्रीय मंत्री रहे। लेकिन धीरे-धीरे पार्टी में उनकी पूछ कम होती गई। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जब भाजपा ने नई करवट ली तो पुरानी पीढ़ी के कई नेताओं को हाशिये पर धकेल दिया गया। शत्रुघ्न सिन्हा पार्टी में घुट-घुटकर रहते रहे और अंदर ही अंदर असंतोष पकता रहा। 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा से नाता तोड़ लिया और कांग्रेस के टिकट पर पटना साहिब से चुनाव लड़े, लेकिन हार गए। इसके बाद उनका राजनीतिक सफर भटकाव का शिकार रहा और अंततः वे तृणमूल कांग्रेस में आ गए। 2024 के लोकसभा चुनाव में शत्रुघ्न सिन्हा आसनसोल से करीब साठ हजार वोटों से जीते। लेकिन यह जीत उनकी अपनी नहीं, ममता बनर्जी की लहर थी। अब जब वही लहर उतर रही है, तो उनके पास लौटने के लिए कोई ठिकाना नहीं है। कीर्ति आजाद की कहानी तो और भी दिलचस्प है। दिसंबर 2015 में दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ में कथित अनियमितताओं तथा भ्रष्टाचार को लेकर तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली को खुले तौर पर निशाना बनाने के लिए उन्हें भाजपा से निलंबित कर दिया गया था। वे 2018 में कांग्रेस में शामिल हो गए थे। कांग्रेस ने उन्हें 2019 में धनबाद से टिकट दिया, लेकिन वहां भी उन्हें मुंह की खानी पड़ी। इसके बाद 2024 में वे तृणमूल कांग्रेस के जरिये बर्धमान-दुगार्पुर से लोकसभा पहुंचे। कीर्ति आजाद इस सीट से करीब 14 हजार वोटों से जीते। इस तरह एक ऐसे नेता जो कभी भाजपा के दिग्गज क्रिकेटर-सांसद हुआ करते थे, उनकी राजनीतिक यात्रा भाजपा से कांग्रेस और कांग्रेस से टीएमसी तक आ पहुंची। अब भाजपा उनसे दूरी बनाए हुए है और कांग्रेस भी उन्हें वापस लेने की स्थिति में नहीं है, इसलिए मजबूरी यही है कि ममता की डूबती नैया को थामे रखो और उसे वफादारी का नाम दो।

बाबुल सुप्रियो की कहानी इन दोनों से थोड़ी अलग लेकिन उसी धागे में पिरोई हुई है। वे आसनसोल से दो बार सांसद रहे और नरेंद्र मोदी सरकार में केंद्रीय राज्यमंत्री भी रहे। लेकिन 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद जब भाजपा को बंगाल में करारी हार मिली और पार्टी के भीतर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हुआ, तो बाबुल सुप्रियो ने भी भाजपा से मुंह मोड़ लिया। तत्कालीन केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद टीएमसी में शामिल होने वाले नेताओं में शामिल थे। तृणमूल ने उन्हें बालीगंज विधानसभा उपचुनाव में उतारा और वे जीत भी गए। लेकिन विधायक बनने के बाद भी उनकी राजनीतिक हैसियत वही नहीं रही जो कभी केंद्रीय मंत्री के रूप में थी। अब जब टीएमसी खुद संकट में है, तो भाजपा की ओर उनकी नजर स्वाभाविक रूप से जाती है, लेकिन भाजपा उन्हें पार्टी में वापस लेने की कोई इच्छा नहीं रखती। उधर, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद से तृणमूल कांग्रेस के भीतर अब तक का सबसे बड़ा और भयंकर द्वयुद्ध छिड़ा हुआ है। टीएमसी के बीस सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिलकर उन्हें एक पत्र सौंपा है जिसमें अलग गुट बनाने की सूचना देते हुए लोकसभा में अलग बैठने की जगह देने की मांग की गई है। दलबदल विरोधी कानून से बचने के लिए लोकसभा में कम से कम उन्नीस सांसदों का समर्थन आवश्यक है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि टीएमसी सांसदों का समर्थन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को मिलता है, तो सरकार के लिए परिसीमन और एक देश-एक चुनाव जैसे महत्वपूर्ण विधेयकों को आगे बढ़ाना आसान हो सकता है। बागी गुट अपने कुनबे को बढ़ाने के लिए लगातार सांसदों का समर्थन जुटा रहा है।

इस पूरे घटनाक्रम में यह तीन नेता एक अजीब कशमकश में फंसे हुए हैं। एक तरफ बागी खेमा है जो भाजपा का दामन थामने की तैयारी कर रहा है, दूसरी तरफ ममता बनर्जी का खेमा है। शत्रुघ्न सिन्हा, कीर्ति आजाद और बाबुल सुप्रियो न उस पार जा सकते हैं, न इस पार रह सकते हैं। बागी खेमे के साथ जाने का मतलब होगा भाजपा के दरवाजे पर दस्तक देना, लेकिन भाजपा उनके लिए वह दरवाजा खोलने को तैयार नहीं है। ऐसे में ममता के साथ बने रहना इनकी मजबूरी है, लेकिन यह तीनों इसे वफादारी का नाम देकर अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। बहरहाल, उक्त तीन के अलावा तृणमूल कांग्रेस में और भी कई ऐसे नेता हैं जिनके लिए भाजपा के दरवाजे बंद हैं। महुआ मोइत्रा, सौगात रॉय, और सायोनी घोष जैसे नाम टीएमसी के उन चेहरों में शामिल हैं जो भाजपा के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकते। महुआ मोइत्रा का राजनीतिक और वैचारिक रुख भाजपा के एकदम विपरीत रहा है और वे लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर रहती हैं। सौगात रॉय वामपंथी झुकाव वाले वरिष्ठ नेता हैं जिनका भाजपा से कोई तालमेल कभी नहीं बैठा। इनके अलावा वे टीएमसी विधायक और नेता जो भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे हुए हैं, उनके लिए भी भाजपा की जगह तंग है। गौरतलब हो, राजनीति का यह खेल बड़ा निर्मम होता है। जब तक हवा अनुकूल रहती है, तब तक दावेदारी होती है। जब हवा पलट जाती है, तब मजबूरियां सामने आती हैं और उन्हें सिद्धांत का जामा पहना दिया जाता है। शत्रुघ्न सिन्हा, कीर्ति आजाद और बाबुल सुप्रियो तीनों ने अपनी-अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के चलते भाजपा को छोड़ा। तीनों ने यह भी नहीं सोचा होगा कि एक दिन वापसी का रास्ता बंद हो जाएगा। आज वे ममता बनर्जी की वफादारी की बात करते हैं, लेकिन असल में यह वफादारी नहीं, एक सियासी मजबूरी है जिसने वफादारी का चोला ओढ़ लिया है। जो नेता घुट-घुटकर पार्टी में बने रहते हैं और मन मसोसकर बयानबाजी करते हैं, वे

क्यों पहाड़ों पर ही रह जाते हैं पर्वतारोहियों के शव?

\- महेन्द्र तिवारी

माउंट एवरेस्ट, जो कि संसार की सबसे ऊंची पर्वत चोटी है, सदियों से इंसानी साहस और महत्वाकांक्षा का प्रतीक रही है। समुद्र तल से 8848 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस बफीर्ले शिखर को छूने का सपना दुनिया भर के अनगिनत साहसी पर्वतारोही देखते हैं। लेकिन इस खूबसूरत चोटी के पीछे एक अत्यंत डरावना और कड़वा सच भी छिपा हुआ है। इस पर्वत पर विजय पाने की कोशिश में अब तक सैकड़ों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, और उनमें से 200 से अधिक पर्वतारोहियों के मृत शरीर आज भी उसी बफीर्ली ऊंचाई पर पड़े हुए हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि आधुनिक विज्ञान और उन्नत तकनीक के इस युग में भी उन शवों को नीचे लाकर उनके परिवारों को सौंपना संभव नहीं हो पाया है। इसके पीछे प्रकृति की अत्यंत क्रूर परिस्थितियां, इंसानी शरीर की जैविक सीमाएं और विज्ञान के कुछ अकाट्य नियम काम कर रहे हैं जो इंसानी ताकत को घुटने टेकने पर मजबूर कर देते हैं।

एवरेस्ट की चढ़ाई के दौरान सबसे भयानक चुनौती उस समय शुरू होती है जब कोई पर्वतारोही 8000 मीटर की ऊंचाई की अदृश्य सीमा को पार करता है। पर्वतारोहण की दुनिया में इस ऊंचाई से ऊपर के पूरे क्षेत्र को मृत्यु क्षेत्र के नाम से जाना जाता है क्योंकि यहाँ की परिस्थितियां जीवन के अनुकूल नहीं हैं। इस ऊंचे क्षेत्र में वायुमंडलीय दबाव इतना कम हो जाता है कि हवा में जीवनदायिनी ऑक्सीजन की मात्रा समुद्र तल के मुकाबले केवल 33 प्रतिशत रह जाती है। इतनी कम ऑक्सीजन में मानव शरीर की कोशिकाएं धीरे-धीरे मरने लगती हैं और मस्तिष्क तथा फेफड़ों में पानी भरने का जानलेवा खतरा बढ़ जाता है। इस स्थान पर खड़े रहकर सांस लेना भी अपने आप में एक महायुद्ध लड़ने जैसा होता है और कृत्रिम ऑक्सीजन के बिना यहाँ कुछ घंटे भी जीवित रहना असंभव है। ऐसी स्थिति में पर्वतारोहियों का पूरा ध्यान और ऊर्जा केवल अपने आप को जीवित रखने पर केंद्रित होती है। जब इस ऊंचाई पर किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है, तो उसके साथी या मार्गदर्शक चाहकर भी उसके शरीर को हिलाने या साथ ले जाने की स्थिति

में नहीं होते हैं, क्योंकि वहाँ दूसरों की मदद करने का प्रयास करना सीधे तौर पर अपनी मौत को आमंत्रण देने जैसा होता है।

इस बफीर्ले साम्राज्य में मौत के बाद मानव शरीर की जो भौतिक स्थिति बनती है, वह शवों को नीचे न ला पाने का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। एवरेस्ट के ऊपरी हिस्सों में तापमान अक्सर शून्य से 30 डिग्री से लेकर शून्य से 40 डिग्री सेल्सियस नीचे तक चला जाता है। इस अत्यधिक ठंड के कारण मृत्यु के तुरंत बाद मानव शरीर के भीतर का सारा तरल पदार्थ जम जाता है और शरीर पूरी तरह से पत्थर की तरह सख्त हो जाता है। इसके अलावा पर्वतारोहियों के विशेष भारी कपड़े, जूते और अन्य उपकरण भी आसपास की बर्फ और नमी को सोखकर शरीर के साथ ही पूरी तरह से जम जाते हैं। इस प्राकृतिक शीतलन प्रक्रिया के कारण एक सामान्य मानव शरीर का वजन जीवित अवस्था के मुकाबले बढ़कर 100 किलोग्राम से लेकर 150 किलोग्राम तक हो जाता है। इतनी तीव्र ढलान वाली, फिसलन भरी और खतरनाक बफीर्ली चट्टानों पर 150 किलोग्राम के एक भारी पत्थर जैसे सख्त शव को खींचना या उठाना पूरी तरह से नामुमकिन कार्य बन जाता है। बर्फ के साथ जुड़ जाने के कारण ये शव पर्वतीय सतह का ही एक हिस्सा बन जाते हैं, जिन्हें वहां से अलग करने के लिए कुल्हाड़ियों से बर्फ को काटना पड़ता है।

एक मृत शरीर को इतनी ऊंचाई और विकट परिस्थितियों से नीचे सुरक्षित लाने के लिए कम से कम 6 से लेकर 10 अत्यंत कुशल, शारीरिक रूप से सुदृढ़ और स्थानीय पहाड़ी गाइडों की आवश्यकता होती है, जिन्हें शेरपा कहा जाता है। जब ये शेरपा मृत्यु क्षेत्र में इतने भारी वजन को उठाने या खींचने का प्रयास करते हैं, तो उनके अपने शरीर की ऊर्जा और कृत्रिम ऑक्सीजन बहुत तेजी से समाप्त होने लगती है। भारी वजन के साथ खड़ी बर्फ पर संतुलन बनाना बेहद कठिन होता है और पैर फिसलने की एक छोटी सी चूक पूरे बचाव दल को हजारों फीट गहरी खाई में गिरा सकती है। पर्वतारोहण के इतिहास में ऐसे कई दुखद उदाहरण दर्ज हैं जहाँ दूसरों के शवों को बचाने या नीचे लाने के प्रयास में रेस्क्यू टीम के सदस्यों ने खुद अपनी अमूल्य जान गंवा दी। इसी वजह से पर्वतारोहण समुदायों में यह कठोर नियम सर्वमान्य माना जाता है कि जीवित लोगों की सुरक्षा हमेशा सर्वोपरि रहेगी और किसी मृत शरीर को वापस लाने के लिए जीवित इंसानों की जान को खतरे में नहीं डाला जा सकता है।

भौगोलिक और शारीरिक चुनौतियों के अलावा, एवरेस्ट से किसी शव को नीचे लाने का अभियान आर्थिक रूप से भी एक बहुत बड़ा वित्तीय बोझ होता है। इस तरह के विशेष और अत्यधिक खतरनाक बचाव कार्यों को आयोजित करने का खर्च 30000 अमेरिकी डॉलर से लेकर 100000 अमेरिकी डॉलर तक हो सकता है, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 25 लाख से लेकर 85 लाख रुपये या उससे भी अधिक बैठता है। इतनी भारी धनराशि खर्च करने के बाद भी इस बात की कोई न्यूनतम गारंटी नहीं होती कि शव को सुरक्षित नीचे लाया जा सकेगा। कई बार मौसम अचानक खराब हो जाता है, जिससे पूरा मिशन बीच में ही छोड़ना पड़ता है। इसके साथ ही, एवरेस्ट पर चढ़ने और उतरने के लिए पूरे वर्ष में केवल कुछ ही दिनों का समय मिलता है जिसे मौसम की अनुकूल खिड़की कहा जाता है। यह समय आमतौर पर मई के महीने में केवल कुछ दिनों के लिए आता है। इस बेहद संक्षिप्त समय सीमा में सैकड़ों पर्वतारोही शिखर पर पहुंचने की कतार में होते हैं, और ऐसे में किसी शव को खोजने और लाने के लिए मार्ग को अवरुद्ध करना या समय नष्ट करना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं होता है।

इस बेहद दुखद स्थिति का एक और दार्शनिक और कड़वा पहलू यह है कि समय के साथ ये शव एवरेस्ट के रास्तों के स्थायी निशान या संकेतक बन गए हैं। पर्वत पर चढ़ने वाले नए पर्वतारोही इन शवों को देखकर अपने मार्ग, ऊंचाई और दूरी का अंदाजा लगाते हैं। उदाहरण के लिए, एक प्रसिद्ध शव जिसे हरे जूते वाले पर्वतारोही के नाम से जाना जाता है, वह एक भारतीय पर्वतारोही का माना जाता है, जो 1996 के एक भयानक बफीर्ले तूफान में मारे गए थे। इसी तरह एक और शव है, जिसे लोग सोती हुई सुंदरी के नाम से याद करते हैं। ये शव वहाँ आने वाले हर इंसान को प्रकृति की सर्वोच्चता और मानव जीवन की क्षणभंगुरता की लगातार याद दिलाते रहते हैं। कई परिवारों ने भी अंततः इस कड़वी सच्चाई को स्वीकार कर लिया है और वे चाहते हैं कि उनके प्रियजनों का शव उसी पर्वत की गोद में हमेशा के लिए विश्राम करे। एवरेस्ट का यह डरावना सच हमें यह सिखाता है कि मानव विज्ञान और तकनीक चाहे कितनी भी प्रगति कर ले, लेकिन इस ब्रह्मांड में कुछ स्थान ऐसे हैं जहाँ केवल प्रकृति के क्रूर नियम चलते हैं और वहां इंसान की जिद की सीमाएं समाप्त हो जाती हैं। मौत के बाद भी नीचे न लाए जा सकने वाले ये शव एवरेस्ट के गौरव के साथ जुड़े उस अनंत सन्नाटे को बयां करते हैं जो इंसानी अहंकार को अपनी सीमाओं में रहने की चेतावनी देता रहता है।

परमाणु शक्ति संपन्न भारत में कब होगी बालिका शिक्षा शत-प्रतिशत।

"यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं तो एक व्यक्ति शिक्षित होता है, लेकिन यदि आप एक स्त्री को शिक्षित करते हैं तो पूरा परिवार शिक्षित होता है।" महात्मा ज्योतिराव फुले।

भारत विश्व की सबसे प्राचीन ज्ञान परंपराओं वाला देश रहा है। तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी जैसे विश्वविद्यालयों ने विश्व को शिक्षा का प्रकाश दिया। वैदिक काल में शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि व्यक्ति के बौद्धिक, नैतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक विकास को सुनिश्चित करना था। गार्गी, मैत्रेयी और लोपामुद्रा जैसी विदुषी महिलाओं ने सिद्ध किया था कि भारतीय संस्कृति में नारी शिक्षा का गौरवशाली इतिहास रहा है। किंतु मध्यकालीन सामाजिक रूढ़ियों और औपनिवेशिक शासन के प्रभाव से बालिका शिक्षा पिछड़ती चली गई। 1835 में लॉर्ड मैकाले ने अंग्रेजी शिक्षा प्रणाली लागू की। इसका उद्देश्य भारतीय समाज में ऐसे कर्मचारियों का वर्ग तैयार करना था जो अंग्रेजी शासन के प्रशासनिक कार्यों को संचालित कर सके। आधुनिक विज्ञान और अंग्रेजी भाषा के प्रसार में इस शिक्षा प्रणाली का योगदान रहा, किंतु इसने भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिक शिक्षा और कौशल आधारित शिक्षण को काफी हद तक हाशिए पर पहुंचा दिया। उस समय महिलाओं की शिक्षा लगभग नगण्य थी। समाज में बाल विवाह, पर्दा प्रथा और लैंगिक असमानता जैसी कुरीतियां लड़कियों की शिक्षा में बड़ी बाधा थीं।

समाज सुधारकों का योगदान

ऐसे कठिन समय में सावित्रीबाई फुले और महात्मा ज्योतिराव फुले ने बालिका शिक्षा की अलख जगाई। 1848 में उन्होंने लड़कियों के लिए पहला आधुनिक विद्यालय प्रारंभ किया।

ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने महिला शिक्षा और सामाजिक सुधारों को नई दिशा दी। बाद में महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा स्वामी विवेकानंद ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम माना।

डॉ. अंबेडकर का प्रसिद्ध संदेश "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो।"

स्वतंत्र भारत में शिक्षा का विकास

स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारत की साक्षरता दर लगभग 18 प्रतिशत थी।

महिलाओं की साक्षरता तो 10 प्रतिशत से भी कम थी। संविधान निमार्ताओं ने शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का मूल आधार माना।

समय-समय पर कोठारी आयोग, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968, 1986, सर्व शिक्षा अभियान, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 तथा नई शिक्षा नीति 2020 जैसे प्रयास किए गए। इन प्रयासों से शिक्षा का दायरा बढ़ा और लड़कियों की विद्यालयों तक पहुंच बेहतर हुई।.आज भारत की साक्षरता दर 77 प्रतिशत के आसपास पहुंच चुकी है, जबकि महिला साक्षरता दर 70 प्रतिशत से अधिक है। यह प्रगति उत्साहजनक है, किंतु अभी भी पुरुषों और महिलाओं की साक्षरता में अंतर बना हुआ है।

विश्व के सर्वाधिक शिक्षित देशों से सीख

विश्व में फिनलैंड, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, जापान और नॉर्वे जैसे देशों की शिक्षा व्यवस्था विश्व में आदर्श मानी जाती है। फिनलैंड की शिक्षा व्यवस्था

फिनलैंड में शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि जीवन कौशल विकसित करना है। वहां बच्चों पर अनावश्यक परीक्षा का दबाव नहीं होता। शिक्षकों को अत्यंत सम्मान और स्वायत्तता प्राप्त है। बालिका और बालक के बीच किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता। सिंगापुर ने शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का सबसे बड़ा साधन बनाया। वहां विज्ञान, गणित, तकनीक और कौशल आधारित शिक्षा पर विशेष बल दिया जाता है। शिक्षा को उद्योगों और रोजगार से जोड़ा गया है।

जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में अनुशासन, नैतिकता, समयबद्धता और तकनीकी दक्षता पर विशेष ध्यान दिया जाता है। परिणामस्वरूप ये देश सीमित प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद आर्थिक महाशक्ति बन गए। भारत में प्रतिभा की कोई कमी कभी भी नहीं रही है, किंतु शिक्षा व्यवस्था अभी भी परीक्षा-केंद्रित बनी हुई है। रटंत प्रणाली, विद्यालयों की असमान गुणवत्ता, शिक्षकों की कमी और ग्रामीण क्षेत्रों में संसाधनों का अभाव आज भी चुनौतियां हैं।नई शिक्षा नीति 2020 ने इन समस्याओं के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसमें मातृभाषा आधारित शिक्षा, कौशल विकास, डिजिटल शिक्षण और बहुविषयक अध्ययन पर बल दिया गया है। किंतु इसके वास्तविक लाभ तभी मिलेंगे जब इसका प्रभावी क्रियान्वयन हो। बालिका शिक्षा का सत प्रतिशत होना इसलिए भी आवश्यक है कि शिक्षित बेटी, समृद्ध परिवार

एक शिक्षित महिला अपने परिवार को बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा और संस्कार प्रदान करती है। वह अगली पीढ़ी की प्रथम शिक्षिका होती है।सामाजिक कुरीतियों का अंत भी।बाल विवाह, दहेज प्रथा, लैंगिक भेदभाव और घरेलू हिंसा जैसी समस्याओं को समाप्त करने में शिक्षा सबसे प्रभावी साधन है।

विश्व बैंक सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का मानना है कि महिलाओं की शिक्षा में निवेश किसी भी देश के आर्थिक विकास को तीव्र गति देता है। यदि भारत की प्रत्येक बेटी शिक्षित होगी तो देश की उत्पादकता और आर्थिक क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी।

शिक्षित महिलाएं स्वास्थ्य, पोषण और परिवार नियोजन के प्रति अधिक जागरूक होती हैं। इससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आती है।आज महिलाएं विज्ञान, अंतरिक्ष, प्रशासन, राजनीति, सेना और उद्यमिता के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। शिक्षा उन्हें नेतृत्व और नवाचार की शक्ति प्रदान करती है।

महापुरुषों की दृष्टि में नारी शिक्षा

स्वामी विवेकानंद ने कहा

"राष्ट्र की प्रगति का सबसे अच्छा मापदंड वहां की महिलाओं की स्थिति है।"डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का मत था कि

"महिलाओं का सशक्तिकरण और शिक्षा किसी राष्ट्र के विकास का सबसे प्रभावी माध्यम है।"पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कहा था

"एक महिला को शिक्षित करना एक पीढ़ी को शिक्षित करना है।"

इक्कीसवीं सदी ज्ञान, विज्ञान और नवाचार की सदी है। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब देश की प्रत्येक बेटी शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त बनेगी। शिक्षा केवल विद्यालय की चारदीवारी तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक चेतना, आर्थिक समृद्धि और राष्ट्रीय विकास का आधार है। मैकाले की शिक्षा प्रणाली से लेकर नई शिक्षा नीति तक भारत ने लंबी यात्रा तय की है, किंतु अभी मंजिल दूर है। यदि सरकार, समाज, परिवार और शैक्षणिक संस्थान मिलकर बालिका शिक्षा को शत-प्रतिशत अनिवार्य बनाने का संकल्प लें, तो भारत न केवल विश्व की सबसे बड़ी युवा शक्ति बनेगा, बल्कि सबसे विकसित और ज्ञानवान राष्ट्रों की अग्रिम पंक्ति में भी खड़ा होगा।

क्योंकि किसी राष्ट्र का भविष्य उसके विद्यालयों में नहीं, बल्कि उसकी शिक्षित बेटियों की आंखों में स्वप्न बनकर पलता है।

संजीव ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार, लेखक, चिंतक, स्तंभकार, रायपुर छत्तीसगढ़, 9009 415 415,

मासूम की मौन पुकार...!

सात महीने की नन्ही धड़कन,
दुनिया को क्या जान पाई थी।
माँ की गोद ही उसका संसार,
जिसमें वो मुस्कान समाई थी।

क्यों किस्मत इतनी कठोर हुई,
ममता पर भी प्रश्न खड़े हुवे हैं।
जिस आँचल में ही सुरक्षा थी,
वहीं आज दर्द के धागे पड़े हैं।

एक मासूम की बुझी हुई साँसें,
समाज से यह सवाल करती हैं।
अब भी क्या रिश्तों की गरिमा,
दिलों में कहीं सुरक्षित रहती है?

आज न्याय का दीप जले ऐसा,
जहाँ सत्य की राह उजागर हो।
जो भी 'दोषी' हो इस पीड़ा का,
उसका हर 'अपराध' प्रकट हो।

मासूम तो लौटकर आएगा नहीं,
इस सत्य में बहुत कड़वाहट है।
लेकिन हमें उस नन्हें का स्मरण,
मानवता का ही पाठ पढ़ाती है।

आओ ऐसा एक समाज बनाएँ,
जहाँ पे हर बचपन सुरक्षित हो।
हरेक माँ की 'गोद' में ममता हो,
प्रत्येक 'शिशु' जीवन पावन हो।
(संदर्भ - मेरठ, मासूम की मौत, माँ ने कबूला जुर्म)

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)
मो. 98260 25986

(स्व-रचित, मौलिक व अप्रकाशित)

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

मारीपत-चिपयाना रेलवे फाटक 13 से 20 जून तक रहेगा बंद

समाज जागरण

ग्रेटर नोएडा, 12 जून। मारीपत-चिपयाना रेलवे स्टेशन के मध्य स्थित रेलवे फाटक संख्या 150/SPL पर मरम्मत कार्य के चलते 13 जून से 20 जून 2026 तक सड़क यातायात बंद रहेगा। इस संबंध में उत्तर मध्य रेलवे, दादरी के सीनियर सेक्शन इंजीनियर ने जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि रेलवे फाटक पर आवश्यक मरम्मत कार्य किया जाना है, जिसके कारण फाटक को 13 जून 2026 की सुबह 8 बजे से 20 जून 2026 की शाम 6 बजे तक सड़क यातायात के लिए पूर्ण रूप से बंद रखा जाएगा। इस अवधि में किसी भी प्रकार के वाहनों का आवागमन फाटक से नहीं हो सकेगा।

रेलवे प्रशासन ने आम नागरिकों और वाहन चालकों से सहयोग की अपील करते हुए वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने की सलाह दी है। अधिकारियों के अनुसार फाटक बंद रहने के दौरान यातायात के लिए चिपयाना के समीप किलोमीटर संख्या 1425/26-28 पर स्थित रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का उपयोग किया जा सकता है।

रेलवे विभाग ने लोगों से अनुरोध किया है कि वे यात्रा से पूर्व अपने मार्ग की योजना बनाएं और निर्धारित वैकल्पिक मार्ग का उपयोग कर अनावश्यक परेशानी से बचें। (सौजन्यः सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

पिछड़ा वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों हेतु 'ओ' लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना के आवेदन 16 जून से

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा, 12 जून। पिछड़ा वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को तकनीकी रूप से दक्ष एवं रोजगारोन्मुख बनाने के उद्देश्य से संचालित 'ओ' लेवल एवं सीसीसी (सीसीसी) कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 16 जून से प्रारंभ होगी।

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गौतमबुद्धनगर लवेश कुमार सिसौदिया ने बताया कि शासन द्वारा संचालित इस योजना के अंतर्गत अन्य पिछड़ा वर्ग के पात्र युवक-युवतियों को भारत सरकार की अधिकृत संस्था राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नीलिट) से मान्यता प्राप्त संस्थाओं के माध्यम से निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन करने की अवधि 16 जून 2026 से 10 जुलाई 2026 तक निर्धारित की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक तथा निर्धारित पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया, पात्रता संबंधी शर्तें, आवश्यक अभिलेख एवं समय-सारिणी से संबंधित समस्त दिशा-निर्देश विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए गए हैं। उन्होंने पात्र युवक-युवतियों से निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन करने का आग्रह किया है, जिससे वे इस प्रशिक्षण योजना का लाभ प्राप्त कर सकें।

उन्होंने कहा कि यह योजना युवाओं को कंप्यूटर शिक्षा प्रदान कर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होगी।

दिल्ली रोड शो के साथ यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के प्रचार अभियान का शुभारंभ

25 से 29 सितम्बर तक ग्रेटर नोएडा में होगा आयोजन, व्यापार और निवेश को मिलेगा नया आयाम

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा, 12 जून। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस)-2026 के चौथे संस्करण के लिए देशव्यापी प्रचार अभियान का शुभारंभ शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित भव्य रोड शो के साथ किया गया। यह रोड शो विभिन्न राज्यों में आयोजित होने वाली प्रचार गतिविधियों की श्रृंखला का पहला चरण है, जिसका उद्देश्य उद्योग जगत, निर्यातकों, खरीदारों, निवेशकों तथा व्यापारिक संगठनों को इस महत्वपूर्ण आयोजन से जोड़ना है।

उत्तर प्रदेश सरकार एवं इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होने वाला यूपीआईटीएस-2026 का चौथा संस्करण 25 से 29 सितम्बर 2026 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के एमएसएमई मंत्री भूपेन्द्र चौधरी ने कहा कि यूपीआईटीएस राज्य की औद्योगिक क्षमता, उद्यमशीलता, निर्यात सामर्थ्य तथा सांस्कृतिक वैभव को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का सशक्त माध्यम बन चुका है। यह आयोजन एमएसएमई क्षेत्र को सुदृढ़ करने, ओडीओपी उत्पादों को वैश्विक बाजार उपलब्ध कराने तथा नए व्यावसायिक अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

एमएसएमई राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने अधिकाधिक सहभागिता का आह्वान करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो राज्य को विश्व व्यापार से जोड़ने वाला एक सशक्त सेतु है, जो पारंपरिक कौशल, शिल्प और उद्यमशीलता को वैश्विक पहचान दिलाने का कार्य कर रहा है।

एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव शशि भूषण लाल सुशील (आईएएस) ने कहा कि यूपीआईटीएस उत्तर प्रदेश को व्यापार, विनिर्माण, निर्यात और निवेश का पसंदीदा केंद्र बनाने की दिशा में सरकार की दूरदर्शी सोच का प्रतीक है। रोड शो के माध्यम से देशभर के उद्योग जगत को इस आयोजन से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

इस अवसर पर इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुदीप सरकार, विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (राज्य) अजय कुमार तथा भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (फियो) के अतिरिक्त महानिदेशक सुविध शाह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पिछले संस्करण ने बनाए थे नए कीर्तिमान

वर्ष 2025 में आयोजित ट्रेड शो में 5,07,099 से अधिक आगंतुकों ने भाग लिया था, जिनमें 1,40,735 से अधिक बी-टू-बी आगंतुक शामिल थे। आयोजन में 2,228 प्रदर्शकों ने 35 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में अपने उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन किया था।

विदेशी सहभागिता के क्षेत्र में भी यह आयोजन लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। पिछले संस्करण में भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (फियो) के सहयोग से 85 देशों के 550 से अधिक विदेशी खरीदारों ने भाग लिया था।

ओडीओपी से लेकर पर्यटन तक होगा प्रदर्शन

यूपीआईटीएस-2026 में उत्तर प्रदेश की विनिर्माण क्षमता, एमएसएमई उत्पाद, 'एक जनपद-एक उत्पाद' (ओडीओपी), निर्यात, हस्तशिल्प, संस्कृति, पर्यटन, व्यंजन, नवाचार और उभरते औद्योगिक क्षेत्रों को एक ही मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही 'एक जनपद-एक व्यंजन' (ओडीओसी) जैसी नई पहलों को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार यूपीआईटीएस-2026 उत्तर प्रदेश को वैश्विक सोर्सिंग हब के रूप में स्थापित करने तथा व्यापार, निवेश, निर्यात और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को नई गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मत्स्य विभाग की विभिन्न योजनाओं के लिए 28 जून तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा, 12 जून। मत्स्य विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत राज्य सेक्टर की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जनपद के मत्स्य पालक एवं इच्छुक लाभार्थी विभागीय पोर्टल पर 28 जून तक आवेदन कर सकते हैं।

मत्स्य निरीक्षक गौतमबुद्धनगर हरिशंकर त्रिपाठी ने बताया कि विभागीय पोर्टल 08 जून से 28 जून 2026 तक खुला रहेगा। इस अवधि में मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, निषादराज नौका (बोट) सब्सिडी योजना तथा सघन मत्स्य पालन हेतु एरेशन सिस्टम स्थापना योजना के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि इच्छुक लाभार्थियों को प्रत्येक योजना के लिए पृथक-पृथक आवेदन करना अनिवार्य होगा। योजनाओं से संबंधित परियोजना विवरण, इकाई लागत, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक अभिलेख एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। मत्स्य निरीक्षक ने बताया कि यदि भविष्य में किसी योजना के प्रावधानों में संशोधन किया जाता है, तो संशोधित प्रावधान ही मान्य होंगे। साथ ही, जिन आवेदकों के आवेदन पूर्व वर्षों में निरस्त हो गए थे अथवा जो प्रतीक्षा सूची में थे, वे भी पुनः आवेदन कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि योजनाओं के संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए इच्छुक व्यक्ति किसी भी कार्यदिवस में सहायक निदेशक मत्स्य कार्यालय, विकास भवन, कक्ष संख्या 305 एवं 306, गौतमबुद्धनगर में संपर्क कर सकते हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य मत्स्य पालन को प्रोत्साहन देना, मत्स्य पालकों की आय में वृद्धि करना तथा आधुनिक तकनीकों के माध्यम से मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की नई पात्रता शर्तें जारी, सहायता राशि बढ़कर हुई 64 हजार रुपये

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, 12 जून। उत्तर प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता राशि में वृद्धि करते हुए नई पात्रता शर्तें निर्धारित की हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि शासन के निदेशानुसार योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए निर्धारित मानकों को पूरा करना आवश्यक होगा।

उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत कन्या अथवा उसके अभिभावक का उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है। लाभार्थी परिवार निराश्रित, निर्धन एवं जरूरतमंद श्रेणी का होना चाहिए। विवाह के समय कन्या की आयु न्यूनतम 18 वर्ष तथा वर की आयु 21 वर्ष या उससे अधिक होना आवश्यक है।

आयु प्रमाण के लिए विद्यालयी अभिलेख, जन्म प्रमाण-पत्र, मतदाता पहचान पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड अथवा आधार कार्ड मान्य होंगे। आवेदक परिवार की वार्षिक आय तीन लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। साथ ही कन्या अथवा आवेदिका के नाम से बैंक खाता होना भी आवश्यक है। योजना का लाभ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के पात्र आवेदकों को जाति प्रमाण-पत्र के आधार पर प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अविवाहित कन्याओं के साथ-साथ विधवा, परित्यक्ता एवं विधिक रूप से तलाकशुदा महिलाओं के पुनर्विवाह को भी योजना में शामिल किया गया है।

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि निराश्रित कन्याओं, विधवा महिलाओं की पुत्रियों, दिव्यांग अभिभावकों की पुत्रियों तथा दिव्यांग कन्याओं को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी।

सहायता राशि में वृद्धि

शासन द्वारा योजना में संशोधन करते हुए अब कन्या के बैंक खाते में पूर्व निर्धारित 60 हजार रुपये के स्थान पर 64 हजार रुपये की धनराशि हस्तांतरित की जाएगी। वहीं वैवाहिक उपहार सामग्री पर पहले 25 हजार रुपये व्यय किए जाते थे, जिसे संशोधित कर 21 हजार रुपये कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त प्रति जोड़ा 15 हजार रुपये भोजन, विद्युत, जल एवं टेंट व्यवस्था पर व्यय किए जाएंगे।

ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

शहरी क्षेत्र के निवासी नगर पंचायत अथवा नगर पालिका परिषद के माध्यम से तथा ग्रामीण क्षेत्र के निवासी जन सेवा केंद्रों के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से किए जा सकते हैं। इच्छुक व्यक्ति जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय, विकास भवन, सूरजपुर, गौतमबुद्धनगर में भी संपर्क कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने पात्र परिवारों से योजना का लाभ उठाने के लिए समय पर आवेदन करने की अपील की है।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

दुग्ध उत्पादन एवं आय वृद्धि का सुनहरा अवसर, मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना में आवेदन शुरू

स्वदेशी गायों की इकाई स्थापना पर मिलेगा 80 हजार रुपये तक का अनुदान

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर, 12 जून। प्रदेश सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना के अंतर्गत गौपालकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को उन्नत नस्ल की स्वदेशी गायों की इकाई स्थापित करने पर 80 हजार रुपये तक का अनुदान प्रदान किया जाएगा।

वरिष्ठ दुग्ध निरीक्षक एवं नोडल अधिकारी गौतमबुद्धनगर अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि योजना के अंतर्गत दो उन्नत नस्ल की स्वदेशी गायों की इकाई स्थापित करने पर स्थापना लागत का 40 प्रतिशत अथवा अधिकतम 80 हजार रुपये तक की अनुदान राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य प्रदेश में स्वदेशी गौवंश का संरक्षण एवं संवर्धन करना, दुग्ध उत्पादन बढ़ाना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर सृजित करना है। यह योजना प्रदेश के सभी 75 जनपदों में संचालित की जा रही है।

योजना के अंतर्गत बाहरी राज्यों से गिर, साहीवाल, थारपारकर तथा हरियाणा नस्ल की उन्नत स्वदेशी गायों के क्रय पर अनुदान दिया जाएगा। क्रय की जाने वाली गाय प्रथम अथवा द्वितीय ब्यांत की होना अनिवार्य है।

उन्होंने बताया कि महिला दुग्ध उत्पादकों एवं गौपालकों को विशेष प्राथमिकता प्रदान की गई है। योजना के कुल लक्ष्य का 50 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित रखा गया है, जिससे महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल सके।

इच्छुक लाभार्थियों से नन्द बाबा दुग्ध मिशन पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन प्रक्रिया 11 जून 2026 से प्रारंभ हो चुकी है तथा 10 जुलाई 2026 तक आवेदन किए जा सकेंगे। योजना से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश, पात्रता एवं अन्य आवश्यक जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध है।

अधिक जानकारी के लिए इच्छुक गौपालक मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, उप दुग्धशाला विकास अधिकारी अथवा मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने गौतमबुद्धनगर को दी बड़ी सौगात

45 इलेक्ट्रिक और 3 हाइड्रोजन बसों को दिखाई हरी झंडी, नोएडा इलेक्ट्रिक बस डिपो का भी शुभारंभ

15 जून तक 110 इलेक्ट्रिक बसें सड़कों पर होंगी, भविष्य में संख्या बढ़ाकर 500 करने की योजना

ग्रेटर नोएडा, 12 जून। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गौतमबुद्धनगर वासियों को बड़ी सौगात देते हुए नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) तक संचालित होने वाली 45 इलेक्ट्रिक एवं 3 हाइड्रोजन बसों को वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नोएडा इलेक्ट्रिक बस डिपो का भी शुभारंभ किया।

लखनऊ से वर्चुअल रूप से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ग्रीन मोबिलिटी और सतत विकास के विजन को साकार करने की दिशा में उत्तर प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। आने वाले समय में प्रदेश के शहरों और गांवों को पर्यावरण अनुकूल परिवहन सेवाओं से जोड़ने का लक्ष्य है।

उन्होंने कहा कि 15 जून तक नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में कुल 110 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू हो जाएगा। यात्रियों की मांग के अनुसार भविष्य में इनकी संख्या बढ़ाकर 500 तक की जाएगी। इससे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, मेट्रो नेटवर्क और प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों को मजबूत लास्ट माइल कनेक्टिविटी मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव, जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वायु प्रदूषण जैसी चुनौतियों के बीच स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन समय की आवश्यकता है। इलेक्ट्रिक और हाइड्रोजन बसों का संचालन पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ नेट-जीरो लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने बताया कि यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में तीन हाइड्रोजन बसों का संचालन भी शुरू किया गया है, जिन्हें एनटीपीसी द्वारा उपलब्ध कराया गया है। इन बसों के लिए सीवर के पानी से ग्रीन हाइड्रोजन तैयार की जाएगी, जिससे प्रदूषण में कमी आएगी और स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद उत्तर प्रदेश ने सड़क और हवाई संपर्क के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। प्रदेश आज एक्सप्रेसवे, मेट्रो, एयरपोर्ट और आधुनिक परिवहन सुविधाओं के लिए देशभर में नई पहचान बना चुका है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रदेश की आर्थिक प्रगति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर सांसद डॉ. महेश शर्मा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू होने से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और मेट्रो नेटवर्क को मजबूत कनेक्टिविटी मिलेगी तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और अधिक आधुनिक एवं पर्यावरण अनुकूल बनेगी।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर, विधायक धीरेंद्र सिंह, विधायक तेजपाल नागर, विधान परिषद सदस्य श्रीचंद शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्ण करुणेश, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रवि कुमार एन.जी., जिलाधिकारी मेधा रूपम सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रमुख बिंदु

- *45 इलेक्ट्रिक एवं 3 हाइड्रोजन बसों का शुभारंभ*
- *नोएडा इलेक्ट्रिक बस डिपो का उद्घाटन*
- *15 जून तक 110 इलेक्ट्रिक बसें होंगी संचालित*
- *भविष्य में 500 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की योजना*
- *जेवर एयरपोर्ट और मेट्रो को मिलेगी बेहतर लास्ट माइल कनेक्टिविटी*
- *ग्रीन मोबिलिटी और नेट-जीरो लक्ष्य की दिशा में बड़ा कदम*

सीएम युवा योजना की प्रगति की समीक्षा, लक्ष्यपूर्ति में लापरवाही पर सीडीओ ने जताई नाराजगी

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर, 12 जून। मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा योजना) की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधक, सहायक महाप्रबंधक, जिला स्तरीय बैंकिंग अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान सहायक आयुक्त उद्योग वत्स ने योजना की वर्तमान प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से ऋण स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया निरंतर संचालित की जा रही है। उन्होंने बताया कि कुछ बैंकों की प्रगति निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप नहीं है।

इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित बैंक अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता वाली इस महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी बैंक लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करें तथा पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध ढंग से ऋण उपलब्ध कराएं।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान का उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है। ऐसे में लक्ष्य प्राप्ति में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को बैंक एवं विभागीय स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित कर योजना के प्रभावी संचालन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पात्र युवाओं को योजना का लाभ दिलाकर जनपद में उद्यमिता विकास तथा रोजगार सृजन को बढ़ावा दिया जाए। साथ ही योजना की नियमित समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित की जाए।

बैठक में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, विभिन्न बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधक, सहायक महाप्रबंधक, उद्योग विभाग के अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

खाद्य सुरक्षा विभाग का अभियान तेज, मसालों के 10 नमूने जांच के लिए लिए गए

जनपदवासियों को शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतिष्ठानों पर की गई कार्रवाई

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर, 12 जून। जनपदवासियों को शुद्ध एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मसाला निर्माण एवं विक्रय प्रतिष्ठानों के विरुद्ध विशेष जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से मसालों के 10 नमूने संग्रहित कर प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजे गए।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने बताया कि आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश तथा जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा जनपद में लगातार निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण की कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी विजय बहादुर पटेल एवं रविन्द्र नाथ वर्मा की टीम ने दनकौर स्थित अंजना मिल से खुली एवं पैक्ड हल्दी पाउडर के एक-एक नमूने संग्रहित किए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ऋतु सक्सेना ने सेक्टर-63 स्थित राकेश मसाले प्रतिष्ठान से खुली एवं पैक्ड हींग के नमूने लिए।

इसी प्रकार खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार ने साइट-सी, सूरजपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित ब्रह्म अर्पण ऑर्गेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड से खुली एवं पैक्ड हल्दी के नमूने संग्रहित किए। वहीं खाद्य सुरक्षा अधिकारी एस.के. पाण्डेय एवं ओ.पी. सिंह की टीम ने धूम मानिकपुर, दादरी स्थित धमीजा ग्राइंडर से खुली एवं पैक्ड हींग तथा आर.एस.के. फूड्स एंड स्पाइसेस प्राइवेट लिमिटेड से खुला एवं पैक्ड धनिया पाउडर के नमूने लिए।

इस प्रकार कुल 10 नमूनों को जांच के लिए अधिकृत प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय ने बताया कि आगे भी इसी प्रकार विशेष अभियान चलाकर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की जाएगी, ताकि उपभोक्ताओं को मानकों के अनुरूप सुरक्षित एवं शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा सके। (सौजन्य : सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

64वीं कन्या का विवाह संपन्न कर समाज में जगाई उम्मीद की किरण

समाज जागरण

संभल।सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय 'महिला शक्ति संगठन' ने एक और पुनीत कार्य को अंजाम देते हुए अपनी 64वीं कन्या का विवाह में सहयोग का कार्य संपन्न कराया। संगठन द्वारा अब तक एक-एक करके कुल 64 गरीब कन्याओं के विवाह में सहयोग प्रदान किया जा चुका है। इस विवाह के अवसर पर संगठन ने नवविवाहित बेटी को उनकी नई गृहस्थी शुरू करने के लिए जरूरी घरेलू सामान और आर्थिक सहायता भी प्रदान की। इस आर्थिक सहयोग का उद्देश्य यह है कि बेटी अपनी पसंद और आवश्यकता के अनुसार अपना मनचाहा सामान स्वयं खरीद सके और अपने नए जीवन की शुरूआत सम्मान के साथ कर सके। इस उपलब्धि पर 'महिला शक्ति संगठन' की अध्यक्ष, दीपा वार्ष्णेय ने

कहा: "हमारी कोशिश केवल शादी करवाना नहीं, बल्कि बेटियों को एक नई और आत्मनिर्भर शुरूआत देना है। 64वीं बिटिया को विदा करते समय उन्हें जरूरी सामान और आर्थिक सहयोग देते हुए मुझे जो संतोष मिल रहा है, वह शब्दों में बयां करना कठिन है। हम समाज की इन बेटियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं ताकि उनका भविष्य सुरक्षित और खुशहाल हो सके।" संगठन की इस अनूठी पहल और सेवा भाव की चारों ओर प्रशंसा हो रही है। कार्यक्रम में मौजूद समाज के प्रबुद्ध जनों ने दीपा वार्ष्णेय के नेतृत्व में संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों को समाज के लिए एक प्रेरणा बताया।

कलेक्ट्रेट सभागार मे जनपद स्तरीय टास्क फोर्स तथा ऑपरेशन कायाकल्प की बैठक आयोजित हुई

दैनिक समाज जागरण
मुस्कान खान जनपद बिजनौर

बिजनौर जिला धिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता मे कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय टास्क फोर्स तथा ऑपरेशन कायाकल्प की बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि आगामी बरसात के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए जनपद के सभी परिषदीय विद्यालयों में जर्जर एवं असुरक्षित भवनों तथा कक्षाओं को चिन्हित कर उन्हें तत्काल ध्वस्त कराया जाए तथा जिन विद्यालयों में जर्जर कक्षाएं हैं, वहां संचालित कक्षाओं को विद्यालय परिसर में उपलब्ध अन्य सुरक्षित कक्षों में स्थानांतरित करना सुनिश्चित किया जाए। हाई टेंशन विद्युत लाइनों की समीक्षा के दौरान प्रकाश में आया कि चिन्हित 208 हाई टेंशन लाइनों के सापेक्ष 129 लाइनों को हटाने का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष हाई टेंशन लाइनों को भी बरसात प्रारंभ होने से पूर्व प्राथमिकता के आधार पर हटाना सुनिश्चित करें, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे और विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कार्य की नियमित समीक्षा करते हुए समयबद्ध रूप से लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद के ऐसे सभी परिषदीय विद्यालयों की सूची तैयार की जाए, जिन विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने खेल प्रतियोगिताओं में ब्लॉक, जनपद, मंडल, राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग कर उपलब्धि प्राप्त की हो। उन्होंने कहा कि ऐसे विद्यालयों, विद्यार्थियों एवं प्रशिक्षकों

का विवरण संकलित कर प्रस्तुत किया जाए, ताकि उनकी उपलब्धियों को प्रोत्साहित किया जा सके तथा अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों को भी खेलों के प्रति प्रेरित किया जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि बेसिक शिक्षा विभाग सहित जिन विभागों के इंडिकेटर अद्यतन नहीं है, तत्काल उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराना सुनिश्चित करें तथा इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं शिथिलता न बरतें।
उन्होंने सभी खंड शिक्षा अधिकारीयों को निर्देशित किया कि ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत जिन स्कूलों में निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य पूर्ण नहीं हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर विद्यालयों का निरीक्षण कर अपूर्ण कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। साथ ही, अभिभावकों एवं स्थानीय समुदाय की सहभागिता बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। बैठक में जिला धिकारी द्वारा परिषदीय विद्यालयों में ऑपरेशन कायाकल्प के निर्धारित मानकों स्वच्छ पेयजल, शौचालय, फर्नीचर, शौचालय, विद्युत व्यवस्था, रैंप, खेल सामग्री,पुस्तकालय एवं अन्य सुविधाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई
और अधिकारियों को शेष कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कसाना सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी एवं खंड शिक्षा शिक्षा अधिकारी मौजूद थे।

गुलदार ने बछिया को निवाला बनाया, ग्रामीणों में दहशत का माहौल

दैनिक समाज जागरण
मुस्कान खान जनपद बिजनौर

नजीबाबाद। नगर के बुंदकी मार्ग पर स्थित गांव मिर्जा नेगपुर में किसान मुन्नु सिंह के घेर में गुलदार ने बछिया पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया। ग्रामीणों ने वन विभाग की टीम को सूचना दी गई और गुलदार को पकड़ने की मांग की।
जानकारी के अनुसार नगर क्षेत्र के बुंदकी मार्ग पर स्थित गांव मिर्जा नेगपुर में किसान मुन्नु सिंह के घेर में बछिया बंधी हुई थी, शुक्रवार की सुबह लगभग चार बजे गुलदार ने बछिया पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया।बता दें कि दो दिन पूर्व भी गांव मिर्जा नेगपुर में एक भैंस के बच्चे को भी निवाला बनाया।घनी

आबादी में गुलदार के बढ़ते हमलों में ग्रामीणों में दहशत का माहौल व्याप्त है। गुलदार के हमले की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई। ग्रामीण मन्नु सिंह ,धूम सिंह चौधरी, ग्राम प्रधान प्रशांत कुमार, सौरभ, जयपाल चौधरी, महेंद्र सिंह, विजय, नीरज सहित अनेक ग्रामीणों ने वन विभाग से पिंजरा लगा कर गुलदार को पकड़ने की मांग की है। गुलदार के बढ़ते हमलों के डर से ग्रामीणों का खेतों पर जाना खतरों से खाली नहीं है। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। डिप्टी रेंजर हरगोविंद सिंह ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा गुलदार होने की सूचना प्राप्त हो रही थी जिसको देखते हुए गांव बुंदकी मार्ग पर स्थित मिर्जा नेगपुर एवं कोतवाली मार्ग अमाननगर गुनियापुर में अलग-अलग जगहों पर पिंजरे लगाए गए। जल्द ही गुलदार को पकड़ लिया जाएगा।

ममटी से गिरकर दो वर्षीय मासूम की मौत, परिवार में मचा कोहराम

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो
शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

अफजलगढ़। नगर के मोहल्ला नायक सराय में ममटी से गिरने के कारण दो वर्षीय मासूम बच्ची की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मोहल्ला नायक सराय निवासी कासिम कुरैशी की पोती एवं समाजसेवी नासिर कुरैशी की धेवती जुनैरा परवीन (2) पुत्री जुनैद कुरैशी गुरुवार रात करीब नौ बजे घर की ममटी पर खेल रही थी। परिजनों के अनुसार ममटी पर सुरक्षा के लिए रेलिंग या जाली नहीं लगी थी। खेलते समय अचानक संतुलन बिगड़ने से बच्ची नीचे सड़क पर गिर गई। आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल बच्ची को उपचार के लिए स्थानीय निजी अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे काशीपुर रेफर कर दिया। परिजन उसे काशीपुर के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत की खबर से परिवार में मातम छा गया। बताया गया कि जुनैरा दो दिन पूर्व ही दो वर्ष की हुई थी। उसकी असमय मौत से

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पिता जुनैद कुरैशी करीब 15 दिन पूर्व ही अवकाश बिताकर नौकरी पर सऊदी अरब लौटे थे। बेटी की मौत की सूचना मिलने पर वह शुक्रवार दोपहर वापस घर पहुंचे और जनाजे में शामिल हुए। असर की नमाज के बाद कुरैशयान मस्जिद में नमाज-ए-जनाजा अदा की गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की। इसके बाद आबाई कब्रिस्तान में गमगीन माहौल में बच्ची को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। जनाजे में क्षेत्र के गणमान्य लोगों सहित सैकड़ों लोगों ने भाग लेकर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी और मरहूमा की मगफिरत के लिए दुआं की। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन नफीस कुरैशी के अलावा मुफ्ती जहीर नदवी,मुफ्ती मोहम्मद रिजवान,मेम्बर कलवा कुरैशी, पूर्व सभासद रईस कुरैशी,भोले चौधरी,गुफारन कुरैशी, पत्रकार हाजी रिजवान कुरैशी, हाफिज नासिर कुरैशी,रियासत हुसैन अंसारी, इमरान शाह भंडारी, हाशिम कुरैशी, इदरीस कुरैशी,शुऐब कुरैशी, हाजी अख्तर सिद्दीकी,मौलाना इस्माइल नदवी,हसीन कुरैशी,अशरफ सिद्दीकी नसीम अहमद, मरगूब कुरैशी, उवैस सिद्दीकी, रिजवान अंसारी,शानू कुरेशी,आसिफ कुरैशी, पूर्व सभासद हाफिज सलीम आदि मौजूद रहे।

तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से गांव हस्सू में किसानों की फसलों को भारी नुकसान मुआवजे की मांग

रिफाईनरी के काले धूंआ से वातावरण दूषित

समाज जागरण

कालांवाली (सुरेश जोरासिया) जिला सिरसा के क्षेत्र मे तेज आंधी-तूफान आने के पश्चात बारिश हुई जिससे आमजन को भिष्ण गर्मी से राहत मिली ओर वातावरण भी साफ एवं सुहावना हो गया वहीं किसानो के चेहरे खिल गए' वही हरियाणा की सीमा के साथ पंजाब सीमा में हरगोबिंद सिंह रिफाईनरी का काला धूंआ चिमनी से निकलने लगा ओर ऊंची आग की लपटे दिखाई देने लग गई' वहीं कुछ समय के लिए बारिश होने से वातावरण शुद्ध हुआ वही रिफाईनरी के काले धूंआ से वातावरण दूषित हो गया। किसानो ने बताया कि इसी दुर्गंध से खेतों काम करना बहुत ही मुश्किल हो जाता हैं। जिससे घरों काली व कपड़ों पर गिरती है जिससे बुजुर्गो व बच्चों को ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता है। बूजूर्गो को सांस लेने मे दिक्कत होती हैं इस धूंआ से दमा त्वचा रोग आदि बिमारीयों के फैलने का खतरा हर समय मडराता रहता है। किसानो ने प्रशासन से मांग कि है इसे रोका जाए। बारिश से निकटवर्ती गांव हस्सू में बीती रात आए तेज आंधी-तूफान, भारी बारिश और जबरदस्त ओलावृष्टि ने किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। प्राकृतिक आपदा के कारण खेतों में खड़ी नरमा, कपास, ग्वार, मक्का और मूंग की फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। किसानों का कहना है कि ओलाविशिष्ट की मार से फसलों को बहुत नुकसान पहुंचा है तथा कई खेतों में फसलें

जमीन पर बिछ गई हैं।
प्राप्त जानकारी के अनुसार किसान जसवीर सिंह की लगभग दो एकड़ मक्का की फसल, गुरप्रीत सिंह की तीन एकड़ मूंग की फसल, गुरप्रीत सिंह के नरमा तथा सतवीर सिंह के ग्वार को भारी नुकसान हुआ है। किसानों ने बताया कि इस नुकसान से उनकी आर्थिक स्थिति पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि फसलों पर पहले ही काफी खर्च किया जा चुका है। तेज आंधी के कारण गांव और आसपास के क्षेत्रों में कई पेड़-पौधे भी टूटकर सड़कों पर गिर गए, जिससे लोगों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने अपने ट्रैक्टरों और अन्य साधनों की मदद से सड़क पर गिरे पेड़ों को हटाकर रास्ता खुलवाया। कई घंटों की मशक्कत के बाद यातायात सामान्य हो सका।
इसके अलावा तेज हवा और ओलावृष्टि से कई किसानों के सोलर पंपों को भी नुकसान पहुंचा है। कुछ स्थानों पर सोलर पैनल टूट गए, जिससे किसानों को अतिरिक्त आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है। इसके अलावा कल शाम 6बजे के बाद बिजली गुल हो गई समाचार लिखे जाने तक लाईट नही थी। लाईट न आने के कारण बिजली उपकरण भी ठप रहे एवं रोजमर्रा के कार्य भी प्रभावित हुए।
ग्रामीणों और किसानों ने सरकार तथा प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल स्पेशल गिरदावरी करवाई जाए और वास्तविक नुकसान का आकलन कर किसानों को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। किसानों का कहना है कि प्राकृतिक आपदा से हुए इस भारी नुकसान की भरपाई केवल सरकारी सहायता से ही संभव है। प्रशासन से जल्द राहत प्रदान करने की मांग लगातार उठ रही है। इस मौके पर किसान गुरदीप सिंह, गुरप्रीत सिंह, सतवीर सिंह आदि किसान मौजूद रहे।

बाइक सवार दो युवकों पर बोलेरो सवारों का हमला, लाठी-सरियों से पीटकर घायल किया

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो
शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

नजीबाबाद । नगर क्षेत्र में नजीबाबाद से घर लौट रहे दो युवकों पर बोलेरो सवार लोगों ने लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल बिजनौर में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार ग्राम अकबरपुर आंवला निवासी रईसुद्दीन पुत्र रमजानी ने नजीबाबाद में तहरीर दी कि बुधवार को शाम के समय उनका पौत्र समीर पुत्र साजिद और पड़ोसी इन्तजार पुत्र शहजाद बाइक से नजीबाबाद से घर वापस आ रहे थे। रायपुर रोड स्थित भारत गैस एजेंसी के पास पहुंचते ही पीछे से दो बोलेरो गाड़ियों ने उनकी मोटरसाइकिल रोक ली।गाड़ी में बैठे पीड़ित के परिचित चार लोग अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर समीर और इन्तजार पर लाठी-डंडों, धारदार हथियारों और सरियों से हमला बोल दिया।इस हमले में समीर के सिर व शरीर पर काफी चोटें आईं, वहीं इन्तजार की हंसली टूट गई। समीर के शोर मचाने पर मुस्तकीमा , अयान और आसपास के काफी लोग इकट्ठा हो गए। भीड़ देखकर आरोपी समीर व इन्तजार को मौका मिलने पर जान से मार देने की धमकी देते हुए फरार हो गए।घायलों का सरकारी अस्पताल समीपुर में प्राथमिक उपचार कराया गया।

हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। पीड़ित रईसुद्दीन ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी नजीबाबाद अमित कुमार का कहना है कि मामले को लेकर तहरीर प्राप्त हो गई है आरोपियों के खिलाफ मुकदमे की तैयारी की जा रही है।

उत्तम शुगर मिल बरकातपुर बिजनौर के कीटनाशी गोदाम का निरीक्षण

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

बिजनौर। जिला कृषि रक्षा अधिकारी जसवीर सिंह तेवतिया एवं वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप ए कृषि रक्षा के द्वारा संयुक्त रूप से उत्तम शुगर मिल बरकातपुर, बिजनौर में कीटनाशी गोदाम का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौराम सभी दस्तावेज चेक किए गए एवं गोदाम में उपलब्ध कीटनाशकों

का भी निरीक्षण किया गया , निरीक्षण के दौरान भंडार में उपलब्ध एक कीटनाशकों के नमूने गुणवत्ता नियंत्रित के उद्देश्य से अधिग्रहित किए गए , अधिग्रहित कीटनाशी नमूनों को परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेज दिया गया / निरीक्षण के दौरान भंडार प्रभारी को निर्देशित किया गया कि किसानों को गुणवत्ता युक्त रसायन की बिक्री करे एवं सभी किसानों को बिक्री किए गए रसायन के बिल भी देना सुनिश्चित करे।

अदलगंज मे आयोजित किसान सभा में कृषि संबंधित विभिन्न संचालित योजनाओं के बारे में दी गयी विस्तारपूर्वक जानकारी

किसान हितैषी योजनाओ का उठायें लाभ: डाक्टर संजीत राव

समाज जागरण/
अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। भारत सरकार द्वारा संचालित "खेती बचाओ अभियान" के तहत चोपन विकासखंड के अदलगंज ग्राम में एक विशाल किसान सभा का आयोजन किया गया। सभा का संचालन करते हुए एडीओ कृषि चोपन द्वारा कृषि विभाग से संबंधित विभिन्न संचालित योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। तत्पश्चात डॉ. संजीत राव द्वारा जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु अपनाए जाने वाले विभिन्न उपायों पर प्रकाश डाला गया। डॉ. अवधेश सिंह ने पशुओं में होने वाली विभिन्न बीमारियों एवं उनके बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां किसानों को प्रदान कीं। पीपीओ नारायण द्वारा खेती में रसायनों के महत्व एवं उनके संतुलित उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया।इस अवसर पर आरोह फाउंडेशन से एफसी नीतीश नितेश सिंह एवं नीरज पांडे द्वारा

किसानों को बैंकिंग धोखाधड़ी से बचाव के उपायों तथा नाबार्ड द्वारा संचालित विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने किसानों को डिजिटल लेन-देन के दौरान सावधानियां बरतने एवं सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए जागरूक किया। इफको फर्टिलाइजर सोनभद्र से अवनीश कुमार पांडेय एसएफए इफको के द्वारा विभिन्न उत्पादों, जो जैविक खेती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जैसे नेचुरल पोटाश, सागरिका तथा एनपीके क्लासिकल आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही आगामी खरीफ सीजन में नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया के उपयोग से उत्पादन लागत कम करने, बेहतर एवं संतुलित पैदावार प्राप्त करने तथा दानेदार उर्वरकों की खपत को कम करने के संबंध में किसानों को विशेष रूप से जागरूक किया गया। अंत में ग्राम प्रधान द्वारा सभी आगंतुको एवं किसानों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केवीके वैज्ञानिक डॉ. संजीत राव, डॉ. अवधेश सिंह, ग्राम प्रधान, एडीओ एजी पंकज यादव, एटीएम भुवनेश्वर तथा पीपीओ नारायण जी उपस्थित रहे।

गंगा नदी पर नहाने गए युवक की डूबकर मौत

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

मंडावर। शुक्रवार की दोपहर बाद आशुतोष पुत्र राजपाल उम्र 30 वर्ष गांव मौहढिया निवासी अपने दोस्तों के साथ रावली गंगा नदी पर नहाने गया था। नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया जहाँ पर वह डूब गया उसे डूबता देख उसके दोस्तों ने शोर मचाया और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोर की मदद से शव को गंगा नदी से बाहर निकलवाया और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भिजवाया। और पुलिस ने अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतक युवक बिजनौर के सरकारी अस्पताल में संविदा पर कार्य करता था।

सरकार श्री अमरनाथ यात्रा करने वाले भक्तों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है : अमित शाह

रघुनंदन पराशर/समाज
जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब

नई दिल्ली,12 जून :केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि सरकार श्री अमरनाथ यात्रा करने वाले भक्तों के लिए पूरी सुरक्षा और सुगम तीर्थ यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। श्री शाह ने आज नई दिल्ली में उच्च स्तरीय बैठक में यह बात कही। गृहमंत्री की अध्यक्षता में इस बैठक में श्री अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस दौरान श्री शाह ने तीर्थ यात्रा के मार्ग पर बहुस्तरीय सुरक्षा ग्रिड बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सभी सुरक्षा एजेंसियों को समनवित प्रयास करने चाहिए।गृहमंत्री ने ड्रोन, सीसी टीवी निगरानी और उन्नत निगरानी प्रणालियों जैसी आधुनिक प्रौद्योगिकी के व्यापक इस्तेमाल से सुरक्षा को चाक-चौबंद करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि

केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी पूरे यात्रा मार्ग पर शिविरों में निरंतर निगरानी की व्यवस्था करेंगे। गृहमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं के पंजीकरण, ठहरने, स्वास्थ्य सेवाओं, आपदा प्रबंधन और सभी अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए पर्याप्त इंतजाम किए जाएंगे। उन्होंने श्री अमरनाथ यात्रा से जुडे स्थानीय लोगों और पशुओं के भी पंजीकरण कराने के निर्देश दिए। इन्हें क्यूआर कोड आधारित पहचान पत्र जारी किए जाएंगे। पशुओं की स्वास्थ्य जांच के लिए विशेष शिविर आयोजति किए जाएंगे।
इस बैठक में सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, जम्मे-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सीआर पीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी के महानिदेशक शामिल हुए। श्री अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई से शुरू होगी और 28 अगस्त तक चलेगी।

पेंट एंड ग्लास हाउस में लगी आग, घंटों बाद दमकलकर्मियों ने पाया काबू

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

ओबरा/ सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र के वीआईपी रोड स्थित रिहायशी इलाके में संचालित अग्रसेन पेंट एंड ग्लास हाउस में शुक्रवार को अचानक आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आग लगने के बाद दुकान से उठती तेज लपटों और धुएं के गुबार को देखकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी फैल गई। स्थानीय लोग अपने घरों और दुकानों से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग सोलर पैनल की बैटरी और इन्वर्टर में हुए शॉर्ट सर्किट के कारण भड़की। आग तेजी से फैलने लगी। इसके बाद तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां और कर्मचारी मौके पर पहुंच गए। घनी आबादी वाले क्षेत्र में आग लगने के कारण स्थिति काफी गंभीर हो गई थी। दमकल कर्मियों ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए आग बुझाने का अभियान शुरू किया। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते दमकल विभाग मौके पर नहीं पहुंचता तो आग आसपास के घरों और अन्य प्रतिष्ठानों तक फैल सकती थी, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। दमकल कर्मियों की तत्परता और सूझबूझ के चलते आग को सीमित क्षेत्र में ही नियंत्रित कर लिया गया और उसे आगे फैलने से रोक दिया गया।
आग बुझने के बाद दुकानदार और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि आग की चपेट में आने से काफी नुकसान हो गया, प्रारंभिक अनुमान के अनुसार घटना में लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। नुकसान का सही आकलन जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। गनीमत रही कि इस घटना में किसी व्यक्ति के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस और दमकल विभाग की टीम मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का कारण माना जा रहा है। घटना के बाद क्षेत्र में काफी देर तक लोगों की भीड़ जुटी रही।

बाइक चोर को मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया गया

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

नजीबाबाद। नगर में बाइक चोरी के मामले में पुलिस ने पांच दिन पूर्व बाइक चोरी के आरोपी को चोरी की मोटरसाइकिल सहित किया गिरफ्तार किया गया। पीड़ित नजीब पुत्र शरीफ अहमद निवासी मोहल्ला सन्तों मालन थाना नजीबाबाद ने तहरीर दी थी कि उसकी मोटरसाइकिल किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ली गई है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने बीएनएस पंजीकृत किया गया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी

फुटेज और वीडियो के आधार पर घटना में सलिम उर्फ आयन उर्फ पुन्नी पुत्र इमरान निवासी मोहल्ला हवेली तला थाना नजीबाबाद का नाम प्रकाश में आया। पुलिस की कार्यवाही में आयन उर्फ पुन्नी पुत्र इमरान निवासी मोहल्ला हवेली तला को चोरी की गई सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में युवक ने बताया कि 7 जून की रात करीब 11:30 बजे वह मौहल्ला सन्तों मालन में घूम रहा था।
वहां गली में खड़ी बाइक देखकर और आसपास कोई न होने पर उसने मोटरसाइकिल चुरा ली थी। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से बीएनएस का मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया और आगे की कार्यवाही जारी है।

शिवाय चेरिटेबल ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर, जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा बोले - एक बूंद से बच सकती है जिंदगी

सैकड़ों युवाओं ने किया रक्तदान; पुष्प गुच्छ और उपहार देकर रक्तदाताओं का बढ़ाया हौसला

समाज जागरण

बड़ौत। दिल्ली-सहारनपुर रोड स्थित शिवाय चेरिटेबल ब्लड सेंटर पर शुक्रवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने रिबन काटकर और दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में सैकड़ों लोगों ने रक्तदान किया। शिवाय चेरिटेबल की ओर से सभी रक्तदाताओं को पुष्प गुच्छ और उपहार देकर सम्मानित किया गया। जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने कहा कि रक्तदान पुण्य का काम है। आपके द्वारा दी गई एक-एक बूंद किसी को जीवन दान दे सकती है। उन्होंने युवाओं से नियमित रक्तदान की अपील की। बोले- रक्त का कोई विकल्प नहीं है। स्वस्थ व्यक्ति हर

तीन माह में रक्तदान कर किसी की जान बचा सकता है। यह सबसे बड़ा मानव धर्म है। नीरज शर्मा ने शिवाय चेरिटेबल ब्लड सेंटर के प्रयासों की सराहना की। कहा कि ऐसे आयोजन समाज में जागरूकता लाते हैं और लोगों को नेक काम के लिए प्रेरित करते हैं। इस मौके पर पूर्व नपाध्यक्ष डॉ. अमित राणा, मेडिकल एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र पंवार, महामंत्री अजय सोलंकी, अनुराग मोहन, शिवाय चेरिटेबल के डायरेक्टर विक्रांत मलिक, युवा भाजपा नेता व समाजसेवी सत्यव्रत आर्य, मोहित मुखिया, सुधीर कुमार समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

विश्व रक्तदाता दिवस पर अमीनगर सराय में विशाल रक्तदान शिविर - "रक्त दान, जीवन दान"

लायंस क्लब और रेड क्रॉस का संयुक्त आयोजन, दुकान-दुकान जाकर किया जनसंपर्क

समाज जागरण

अमीनगर सराय। विश्व रक्तदाता दिवस 14 जून, दिन रविवार को मानवता की रक्षा के लिए बड़ा आयोजन होगा। जिला रेड क्रॉस समिति बागपत एवं लायंस क्लब अग्रवाल मंडी अमीनगर सराय के संयुक्त तत्वाधान में बाबा लालमन दास दिगंबर जैन अतिथि भवन अमीनगर सराय में प्रातः 9:00 बजे से 2:00 बजे तक विशाल रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। शिविर की सफलता के लिए मुख्य संयोजक लायन संजय गर्ग, युवा व्यापारी नेता लायन राकेश बंसल, अध्यक्ष व्यापारी संघ अमीनगर सराय, सुप्रसिद्ध समाजसेवी लायन ईश्वर अग्रवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्याम सुंदर गर्ग, लायन शिव कुमार मित्तल, अधिवक्ता नितिन मित्तल की टीम ने बाजार में जनसंपर्क अभियान चलाया। सभी ने दुकान -दुकान जाकर व्यापारियों और आमजन से रक्तदान करने का अनुरोध किया। आयोजकों ने बताया कि 18 वर्ष से

65 वर्ष की आयु के बीच प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति हर 3 माह में रक्तदान कर सकता है। रक्तदाता का हीमोग्लोबिन 12.5 प्रतिशत और वजन 45 किलोग्राम से अधिक होना चाहिए। रक्तदान से पहले सभी रक्तदाताओं के रक्त की जांच भी निशुल्क की जाएगी। आयोजकों ने कहा कि रक्तदान करने वाले व्यक्ति के परिवारजनों व रिश्तेदारों को आवश्यकता पड़ने पर न्यूट्रिमा ब्लड बैंक गढ़ रोड मेरठ से 24 घंटे रक्त उपलब्ध कराया जाएगा। उपलब्धता के अनुसार जरूरतमंदों की मदद की जाएगी। लायन संजय गर्ग ने कहा, "एक यूनिट रक्त 3 जिंदगियां बचा सकता है। व्यापार के साथ समाजसेवा भी जरूरी है।" लायन राकेश बंसल ने अपील की कि अधिक से अधिक युवा इस पुण्य कार्य में भाग लें। रेड क्रॉस और लायंस क्लब की टीम ने लोगों को बताया कि रक्तदान से शरीर को कोई नुकसान नहीं होता, बल्कि नया रक्त बनता है और सेहत बेहतर होती है। 14 जून को सुबह 9 बजे से भवन में चिकित्सा टीम मौजूद रहेगी।

अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस पर दी बाल श्रम के दुष्परिणामो की जानकारी

समाज जागरण बागपत।

अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर श्रम विभाग जनपद बागपत द्वारा बाल श्रम उन्मूलन एवं बच्चों के अधिकारों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु बागपत इंडस्ट्रीज एसोसिएशन सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हितलाभ वितरण तथा श्रमिकों एवं आमजन को बाल श्रम के दुष्परिणामों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। सहायक श्रम आयुक्त, एम एल पाल ने बताया कि बाल श्रम न केवल बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षिक विकास में बाधक है, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य को भी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 (संशोधित 2016) के अंतर्गत 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से किसी भी व्यवसाय या प्रक्रिया में कार्य कराना दण्डनीय अपराध है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नागरिकों, व्यापारियों एवं नियोक्ताओं को बाल श्रम न कराने तथा बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की शपथ दिलाई गई। साथ ही आमजन से अपील की गई कि यदि कहीं भी बाल श्रम होता दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल श्रम विभाग अथवा संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को दें। श्रम विभाग द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि बाल श्रम से मुक्त कराए गए बच्चों के

पुनर्वास एवं शिक्षा की व्यवस्था हेतु शासन द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। विभाग का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, स्वस्थ एवं शिक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। सहायक श्रमा युक्त द्वारा सभी उपनियों से बाल श्रम नियोजित नही कराने की अपील की गयी। इस अवसर पर बागपत इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन सभागार में गोष्ठी एवं हितलाभ वितरण कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में उनके कर कमलों द्वारा बाल श्रमिक विद्या योजना के अंतर्गत स्कूल बैग प्रदान किये गए तथा उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के कन्या विवाह सहायता योजना के अन्तर्गत 4 आवेदकों को लाभ वितरित की गयी। इस अवसर पर सभी नागरिकों से बाल श्रम के विरुद्ध अभियान में सहयोग करने तथा बच्चों के अधिकारों की रक्षा हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर संजय कुमार गौड व सतीश चौहान एल ए डी सी एस जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बागपत, अर्चना तिवारी, उपायुक्त जिला उद्योग विभाग बागपत, विनोद कुमार, प्रभारी थाना एच टी यू बागपत,अश्वनी शर्मा, सचिव बागपत इण्डस्टीज वेलफेयर एसोसि एशन व नीरज नैन, भट्ठा एसोसिए शन, सचिव आदि मौजूद रहें।

जलभराव से परेशान लोगों ने पालिका से लगाई गुहार

समाज जागरण कांधला।

नगर के मोहल्ला खेल वार्ड नंबर-17 में लंबे समय से बनी जलभराव की समस्या से परेशान स्थानीय लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से समाधान की मांग की है। शुक्रवार को मोहल्ले के निवासियों ने पालिका अध्यक्ष व संबंधित अधिकारियों को शिकायती पत्र सौंपकर जल्द से जल्द जल निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की।मोहल्ला खेल निवासी जमील अब्बासी ने बताया कि उनके मोहल्ले में काफी समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है, जिसके चलते लोगों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद सभासद व पालिका कर्मचारियों द्वारा समस्या की

ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।जलभराव के कारण मोहल्ले के लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे आने-जाने में दिक्कत हो रही है। साथ ही गंदे पानी में मच्छरों के पनपने और जहरीले जीव-जंतुओं के निकलने का भी खतरा बना हुआ है, जिससे लोगों में भय का माहौल है।मोहल्लेवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से जल्द समस्या का स्थायी समाधान कर जल निकासी की उचित व्यवस्था कराने की मांग की है। इस दौरान कई लोग मौजूद रहे।

नगर पालिका बोर्ड बैठक में 44 करोड़ 68 लाख के विकास प्रस्तावों पर लगी मुहर

--टैक्स व्यवस्था व किराया वृद्धि का सभासदों ने किया विरोध, कई वार्डों में विकास न होने पर जताई नाराजगी

समाज जागरण कांधला।

नगर पालिका परिषद में आयोजित बोर्ड बैठक में सर्वसम्मति से 44 करोड़ 68 लाख रुपये के विभिन्न विकास कार्यों के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। बैठक के दौरान कई सभासदों ने नगर में लागू की गई टैक्स व्यवस्था और पालिका की दुकानों के बढ़े हुए किराए का विरोध करते हुए इसे वापस लेने की मांग उठाई। वहीं कई सभासदों ने अपने-अपने वार्डों में पिछले चार वर्षों से विकास कार्य नहीं होने का आरोप लगाते हुए नाराजगी व्यक्त की। शुक्रवार को नगर पालिका अध्यक्ष नजमुल इस्लाम व अधिशासी अधिकारी पूर्णिमा सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बोर्ड बैठक में नगर के विकास कार्यों एवं जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान सभासद जुनैद मुखिया ने कहा कि नगरवासियों पर टैक्स व्यवस्था का अतिरिक्त बोझ डाला गया है, जिसे तत्काल समाप्त किया जाना चाहिए। साथ ही पालिका की दुकानों के व्यापारियों पर बढ़ाए गए किराए में कमी की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके वार्ड में कई वर्षों से कोई विकास कार्य नहीं कराया गया है।सभासद फारूक अंसारी ने कहा कि वह प्रत्येक बोर्ड बैठक में विकास कार्यों को लेकर शिकायती पत्र देते आ रहे हैं, लेकिन उनके पत्रों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसके अलावा अन्य वार्डों के सभासदों ने भी अपने क्षेत्रों की

समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर शिकायतें दर्ज कराईं।बैठक के दौरान कुछ सभासदों ने आरोप लगाया कि अधिशासी अधिकारी बीच बैठक से अपनी कुर्सी छोड़कर चली गईं, जिसको लेकर सभासदों में नारा जगी दिखाई।वहीं नगर पालिका परिसर में जलभराव की समस्या के चलते बोर्ड बैठक निर्धारित समय से कई घंटों देरी से शुरू हुई। सभासदों और कर्मचारियों को जलभराव से होकर बैठक स्थल तक पहुंचना पड़ा।सभासद जावेद खान ने सभी सभासदों से आपसी मतभेद भुलाकर नगर के विकास के लिए एकजुट होकर कार्य करने की अपील की।नामित सभासदों ने अपने आवास के बाहर बोर्ड लगवाने की मांग की।नगर पालिका अध्यक्ष नजमुल इस्लाम ने कहा कि टैक्स व्यवस्था संबंधी आदेश शासन स्तर से जारी किए गए हैं और उनके द्वारा इस संबंध में कोई नया प्रस्ताव पारित नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि नगरवासियों की समस्याओं को देखते हुए कई संशोधन किए गए हैं तथा टैक्स में राहत देने का प्रयास किया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि नगर की सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा।बैठक में सभासद मुस्तफा, शाहरुख, कय्यूम, विक्रांत, यशु सैनी, मोहिद, राज, गुलबहार, अनिल बोहरा, इकराम अंसारी सहित अन्य सभासद एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

भारतीय अंडर-19 टीम के कप्तान बने यशवर्धन सिंह चौहान, क्षेत्र में खुशी की लहर

समाज जागरण -

जसराना। कौरारा बुजुर्ग के पूर्व प्रधान अनामी सिंह चौहान के पुत्र यशवर्धन सिंह चौहान को बोर्ड ऑफ कण्ट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया द्वारा श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम का कप्तान नियुक्त किए जाने पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। जैसे ही यह समाचार लोगों तक पहुंचा, ग्रामीणों, खेल प्रेमियों और शुभचिंतकों ने चौहान परिवार को बधाइयां देना शुरू कर दिया। यशवर्धन की इस उपलब्धि को जसराना क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यह सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत

बनेगी। लोगों ने मिठाई बांटकर और एक-दूसरे को बधाई देकर अपनी खुशी व्यक्त की।

पूर्व प्रधान अनामी सिंह चौहान ने अपने पुत्र की उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि यशवर्धन ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और लगन के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कहा कि यह उनके परिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र का सम्मान है।

क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं, शिक्षकों और खेल प्रेमियों ने यशवर्धन सिंह चौहान को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में भारतीय अंडर-19 टीम श्रीलंका दौरे पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगी और देश का नाम रोशन करेगी। यशवर्धन की कप्तानी की खबर से कौरारा बुजुर्ग, जसराना और आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है तथा लोग इसे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि मान रहे हैं।

बाल श्रम उन्मूलन के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : डॉ. जफर आलम।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम विरोध दिवस 2026 के अवसर पर नव भारतीय नारी विकास समिति, फिरोजाबाद द्वारा बंबा रोड स्थित इकरा कॉन्वेंट स्कूल में स्टेकहोल्डर समन्वय एवं जन-जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बाल श्रम उन्मूलन, बाल तस्करी की रोकथाम तथा बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मानजनक बचपन से जोड़ने के लिए विभिन्न विभागों एवं समुदाय के प्रतिनिधियों के बीच समन्वय स्थापित करना था। मुख्य अतिथि सहायक श्रमायुक्त श्री यशवंत कुमार ने कहा कि बाल श्रम बच्चों के अधिकारों का हनन है और प्रत्येक बच्चे का स्थान विद्यालय में होना चाहिए। उन्होंने ई-श्रम कार्ड, श्रमिक पंजीकरण एवं आशीर्वाद योजना सहित विभिन्न श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग थाना के प्रभारी श्री विपिन कुमार ने बाल श्रम, बाल विवाह और मानव तस्करी के विरुद्ध सजग रहने तथा समय पर सूचना देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. जफर आलम ने कहा कि बाल श्रम मुक्त भारत का निर्माण तभी संभव है जब प्रशासन, सामाजिक संगठन, शिक्षक, अभिभावक और आम नागरिक मिलकर कार्य करें। उन्होंने

कहा कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बाल श्रम रोकने के लिए विद्यालय छोड़ चुके बच्चों की पहचान कर उन्हें पुनः शिक्षा से जोड़ना, गरीब परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना, बाल श्रम कराने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करना, व्यापारिक प्रतिष्ठानों की नियमित निगरानी तथा व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाना आवश्यक है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने बाल अधिकारों की रक्षा एवं बाल श्रम उन्मूलन के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर श्री अखिलेश शर्मा

चालक का फाउंडेशन, मुख्तार आलम, हाफिज दिलशाद, कमलेश तिवारी दिलीप कुमार शर्मा मोहम्मद सईद कोऑर्डि नेटर चाइल्डलाइन, मोहम्मद परवेज, रवि कुशवाहा, रहनुमा खान, कृष्णा कुमारी, बबीता सिंह, फैसल मियां, जाकिर फिरोजा बादी, शाहन वाज खान आदि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री के कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपाईयों ने मंदिरों में की पूजा अर्चना।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। जसराना नगर के पावन धाम मां कामाख्या धाम में हमारे देश की यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफलतम एवं ऐतिहासिक 12 वर्ष पूर्ण होने पूजा अर्चना कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी विधानसभा जसराना के प्रमुख पदाधिकारी कार्यकताओं के साथ भाजपा जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह भाजपा प्रदेश मंत्री किसान मोर्चा डॉ. सतपाल सिंह राजपूत,जिला उपाध्यक्ष पूरन सिंह लोधी,जिला महामंत्री ओमेंद्र बघेल, भूमि विकास बैंक अध्यक्ष नीलकमल यादव,निवर्तमान चेयरमैन जसराना अवनीश गुप्ता,जिला पंचायत सदस्य राजीव राजपूत,जिला मंत्री शीलू सविता,भाजपा नेता अमलेंद्र लोधी,,जिला कार्यकारिणी सदस्य डोरीलाल राजपूत,शुभम सैनी,जसवीर यादव, राधाकृष्ण यादव,भाजपा मंडल अध्यक्ष अमलेश

राजपूत,रामप्रकाश वैद्य,मानपाल लोधी,मंडल महामंत्री राजीव जौहरी, देवेंद्र शाक्य,गौरव हिंदू,ओमवीर राजपूत, रामेंद्र शर्मा,करनी सेना से गीते न्द्र सिंह जी,अतुल, जसवीर,पुनीत बघेल,पारस जैन, सूर्या सहित सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

निकाय कर्मचारी महासंघ ने चार सूत्री ज्ञापन महापौर को सोपा।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। नगर निगम फिरोजा बाद की प्रतिष्ठित नागरिक वाल्मीकि समाज एवं सफाई कर्मचारियों की प्रबल पक्ष धर महापौर श्री मती कामिनी राठौर को स्थानीय निकाय सफाई कर्मचारी संघ एवं उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी

संघ पंजीकृत ट्रेड संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों ने चार सूत्रीय मांग पत्र प्रदान किया मांग पत्र देते हुए स्थानीय निकाय सफाई कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष जालिम

सिंह वाल्मीकि एवं उत्तर प्रदेशीय ठेका सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष आचार्य कृष्ण मुरारी ने कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं से अवगत

कराते हुए कहा कि नगर निगम में कार्यरत समस्त स्थाई संविदा और ठेका सफाई कर्मचारियों को उनके मौलिक हक अधिकारों को ध्यान में रखते हुए ग्रीष्मकालीन ठंडी वर्दी शीघ्रता शीघ्र प्रदान की जाए समस्त ठेका सफाई कर्मचारियों को माननीय उच्चतम न्यायालय के नियम अनुसार भीषण महंगाई के मद्देनजर 24000 रुपए प्रति माह बोर्ड मीटिंग में प्रस्ताव पारित कर प्रदान किए जाएं सफाई कर्मचारियों की बस्तियों में पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए वृक्षारोपण कराया जाए जिससे वातावरण में शुद्धता आए और सफाई कर्मचारी स्वस्थ रहकर कार्य करें महाकाव्य रामायण के रचियता महर्षि वाल्मीकि भगवान के नाम से द्वार या चौराहा या किसी मार्ग का नाम वाल्मीकि समाज के हितार्थ में प्रकाश टाकीज चोराहा के निकट तेलमिल दम्मामल नगर वाल्मीकि बस्ती में नव निर्माण कराया जाए 15 दिन के भीतर समस्त मांगों को पूर्ण किया जाए अन्यथा संघ विवश होकर आंदोलन जैसे कदम उठाने को बाध्य होगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी मांग पत्र प्रदान करते समय महापौर ने पूर्ण आश्वासन दिया कि शीघ्र ही वाल्मीकि समाज एवं सफाई कर्मचारियों के सम्मान में महर्षि वाल्मीकि भगवान द्वार का निर्माण दम्मामल नगर में किया जाएगा और ठंडी वर्दी वितरण के साथ साथ शीघ्र ही वाल्मीकि बस्तियों में वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। इस अवसर पर स्थानीय निकाय सफाई कर्मचारी संघ के संघर्षशील प्रांतीय संयुक्त मंत्री अशोक मोती वाल्मीकि उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ के युवा तुर्क जाबांज नेता योगेश सरन, महानगर अध्यक्ष बबलू गौतम महानगर अध्यक्ष वाल्मीकन विनय चौहान, नगर महामंत्री पवन दीप चौहान, सचिन भारती विशाल कुमार रोबिन सिंह राम कुमार आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

शताब्दी एक्सप्रेस पर पत्थर फेंकने वाले दो बाल अपचारी दबोचे, तीसरे की तलाश जारी

50 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद पुलिस को मिली सफलता, ट्रेन की खिड़की का शीशा टूटा था

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस पर पत्थर फेंककर यात्रियों की जान जोखिम में डालने वाले दो बाल अपचारियों को रसूलपुर पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। घटना के खुलासे के लिए गठित 10 पुलिस टीमों ने 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसके बाद आरोपियों की पहचान हो सकी। पुलिस तीसरे बाल अपचारी की तलाश में जुटी है।

जानकारी के अनुसार 11 जून को गाड़ी संख्या 12003 स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस जब पेमेश्वर गेट के निकट खंभा संख्या 1230/05 के पास से गुजर रही थी, तभी ट्रैक किनारे से फेंके गए पत्थर से ट्रेन की खिड़की का शीशा टूट गया। घटना से ट्रेन में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और उनकी सुरक्षा पर खतरा पैदा हो गया। मामले में रेलवे पुलिस की तहरीर पर थाना रसूलपुर में रेलवे एक्ट की धारा 152 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

घटना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे के निर्देशन में स्थानीय पुलिस, दक्षिण थाना, लाइनपार थाना, जीआरपी,

एसओजी और सर्विलांस टीम समेत कुल 10 टीमों का गठन किया गया। टीमों ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की गहन जांच की। जांच के दौरान 50 से अधिक फुटेज का अवलोकन किया गया, जिसमें तीन बाल अपचारी रेलवे ट्रैक के किनारे कूड़ा बीनते दिखाई दिए। इसी दौरान उन्होंने ट्रैक के पास से पत्थर उठाकर तेज रफ्तार शताब्दी एक्सप्रेस पर फेंक दिया था।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय सूचना के आधार पर तीनों बाल अपचारियों की पहचान कर ली। शुक्रवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे आसफाबाद फाटक के पास से दो बाल अपचारियों को हिरासत में ले लिया गया। तीसरे बाल अपचारी की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार पकड़े गए बाल अपचारियों के खिलाफ पूर्व में भी विभिन्न मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। दोनों को किशोर न्याय अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई करते हुए बाल सुधार प्रक्रिया के लिए भेजा गया है।

ननिहाल की खुशियां मातम में बदलीं: नाले में डूबने से 7 वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

बीजपुर/ सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र के महुली ग्राम पंचायत अंतर्गत जलजलिया टोला में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में ननिहाल आए 7 वर्षीय मासूम बालक की नाले में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, वहीं पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरज (7 वर्ष) पुत्र शारदा विश्वकर्मा अपने ननिहाल जलजलिया टोला आया हुआ था। शुक्रवार को वह गांव के अन्य बच्चों के साथ पास स्थित नाले में नहाने गया था। नहाने के बाद अन्य बच्चे तो अपने-अपने घर लौट आए, लेकिन सूरज वहीं नाले में नहाता रहा। काफी देर तक घर न लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। जब उसके साथ गए बच्चों से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि

सूरज अभी भी नाले के पास ही था। यह सुनकर परिजनों की चिंता बढ़ गई और वे तत्काल उसकी तलाश में नाले की ओर दौड़े। मासूम के नाना ने नाले के किनारे काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। अनहोनी की आशंका के बीच उन्होंने नाले के गहरे पानी में उतरकर तलाश शुरू की। काफी प्रयास के बाद सूरज का शव पानी के भीतर से बरामद हुआ। मासूम को बाहर निकालते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। शव घर पहुंचते ही मां सहित ननिहाल पक्ष के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पूरे गांव में शोक का माहौल व्याप्त हो गया। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई। एक हंसते-खेलते मासूम की असमय मौत ने सभी को झकझोर कर रख दिया है।

बिजली बिलों पर अधिभार लगाए जाने के विरोध में अधीक्षण अभियंता को सौंपा ज्ञापन

बिजली बिलों पर अधिभार लगाए जाने के विरोध में अधीक्षण अभियंता को सौंपा ज्ञापन

समाज जागरण

शामली। (फुरकान जंग) उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश ने बिजली बिलों पर प्रस्तावित 10 प्रतिशत ईंधन अधिभार लगाए जाने का विरोध करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष को संबोधित ज्ञापन अधीक्षण अभियंता को सौंपा गया।

प्रदेश अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल के निर्देश पर नगर अध्यक्ष किशन गर्ग के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद द्वारा जून माह से बिजली बिलों पर 10 प्रतिशत ईंधन अधिभार लगाने की घोषणा की गई है। व्यापारियों का आरोप है कि अधिभार लागू करने से पहले नियामक आयोग से आवश्यक अनुमति नहीं ली गई। औद्योगिक एवं घरेलू उपभोक्ताओं से पहले ही फिक्स चार्ज वसूला जा रहा है, जबकि वाणिज्यिक श्रेणी (एलएमवी-2) के उपभोक्ताओं से फिक्स चार्ज के साथ-साथ मिनिमम चार्ज भी लिया जाता है। इसके अतिरिक्त घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक बिजली बिलों में 7.5 प्रतिशत विद्युत शुल्क भी जोड़ा जा रहा है। कहा कि नियामक आयोग प्रतिवर्ष बिजली उत्पादन लागत और अन्य खर्चों की समीक्षा कर जन सुनवाई के बाद विद्युत दरों का निर्धारण करता है। ऐसे में बीच सत्र में बिजली दरों में बढ़ोतरी करना उचित नहीं है। उनका कहना है कि इस निर्णय से महंगाई बढ़ेगी, आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा तथा उद्योग एवं व्यापार की लागत में वृद्धि होने से कारोबारी गतिविधियां प्रभावित होंगी। व्यापार मंडल ने आयोग से ईंधन अधिभार के नाम पर बिजली बिलों में की जा रही 10 प्रतिशत वृद्धि को तत्काल वापस लेने की मांग की। इस दौरान विनोद कुमार, किशन गर्ग, जावेद अंसारी, यूनिस, सतीश संगल आदि मौजूद रहे।

पालिका की करोड़ों रुपए की भूमि पर अवैध कब्जा, डीएम को शिकायत

समाज जागरण शामली।

कैराना नगर पालिका क्षेत्र में स्थित करोड़ों रुपये मूल्य की भूमि पर अवैध कब्जा और कथित रूप से अवैध रजिस्ट्रियां किए जाने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर भाकियू पदाधिकारियों ने डीएम को प्रार्थना पत्र सौंपकर निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत में कहा गया है कि नगर पालिका क्षेत्र में कुछ भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेखों में पाकिस्तानी नागरिकों के नाम दर्ज बताई जा रही है। आरोप है कि पिछले करीब पांच माह से इस भूमि की अवैध रजिस्ट्रियां कराई जा रही हैं तथा भू-माफिया मौके पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। भाकियू पदाधिकारियों ने कहा कि लगभग चार वर्ष पूर्व तत्कालीन लेखपाल द्वारा उक्त भूमि को शत्रु संपत्ति घोषित किए जाने संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी। इसके आधार पर तत्कालीन एसडीएम ने डीएम को पत्र भेजकर भूमि को शत्रु संपत्ति घोषित करने की संस्तुति की थी। उस समय प्रशासन ने भूमि से अवैध कब्जा भी हटवाया था। बताया गया कि इस संबंध में कस्टोडियन विभाग लखनऊ में भी कार्रवाई प्रचलित है।आरोप है कि इसके बावजूद कुछ माह पूर्व भूमि को रेडीमेड बाउंड्री वॉल लगाकर घेर लिया गया। उन्होने कुछ राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों पर भू-माफियाओं से मिलीभगत का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। इस अवसर पर कविता चौधरी, आशीष चौधरी, नवाब आदि मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में उर्वरक उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था समीक्षा बैठक का आयोजन

समाज जागरण

शामली। (फुरकान जंग) डीएम आलोक यादव की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उर्वरक उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि, सहकारिता, गन्ना एवं इफको से जुड़े अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में डीएम ने किसानों को उनकी जोत के अनुसार संतुलित मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला गन्ना अधिकारी एवं एआर कोऑपरेटिव को समितियों पर उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रभावी निगरानी कराने के निर्देश दिए। डीएम ने इफको केंद्रों पर किसानों की सुविधा के लिए शेड एवं पेयजल की व्यवस्था कराने के निर्देश भी दिए। साथ ही सभी समितियों एवं संस्थाओं पर उपलब्ध उर्वरकों की जानकारी एसएमएस और समाचार पत्रों के माध्यम से समय पर किसानों तक पहुंचाने को कहा, ताकि किसानों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जनपद में वर्तमान में 7122.280 मीट्रिक टन यूरिया, 1468.00 मीट्रिक टन डीएपी तथा 229.100 मीट्रिक टन एनपीके उपलब्ध है। वहीं जसाला स्थित बफर गोदाम में कुल 3245.40 मीट्रिक टन यूरिया और 827.75 मीट्रिक टन डीएपी का भंडार मौजूद है। जनपद को इफको यूरिया की 2680.020 मीट्रिक टन क्षमता वाली एक नई रैक प्राप्त होने वाली है, जिससे उर्वरकों की उपलब्धता और बेहतर होगी। डीएम ने सहकारिता विभाग को आवश्यकता के अनुसार बफर स्टॉक का समय बद्ध आवंटन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निजी क्षेत्र से सहकारिता क्षेत्र को आवंटित 20 प्रतिशत उर्वरक का समय से उठान कराने तथा पीसीएफ की परिवहन व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। परिवहन व्यवस्था में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देने के निर्देश भी दिए गए।

अलग-अलग सड़क हादसों में महिला समेत दो घायल

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र में दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर शुक्रवार को अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में एक महिला समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पुलिस की सहायता से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। थाना क्षेत्र के गांव जसाला बस स्टैंड के निकट एक अज्ञात व्यक्ति सड़क पार कर रहा था, तभी शामली की ओर से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल भेज दिया गया।दूसरी और गांव भारसी के निकट गांव जसाला निवासी संजना पत्नी राधेश्याम बागपत से बाइक पर सवार होकर अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे संजना गंभीर रूप से घायल हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।पुलिस मामले की जांच कर अज्ञात वाहन चालकों की तलाश में जुटी है।

गंगेरू में अवैध आरा मशीनों पर उठे सवाल, हरे पेड़ों की कटाई से पर्यावरण को खतरा

समाज जागरण कांधला।

क्षेत्र के गांव गंगेरू में अवैध रूप से आरा मशीनों के संचालन और हरे-भरे पेड़ों की कटाई का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र में आम, शीशम समेत अन्य फलदार और छायादार पेड़ों की बड़े पैमाने पर कटाई कर लकड़ी की चिराई की जा रही है, जिससे पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि एक ओर प्रदेश सरकार द्वारा करोड़ों रुपये खर्च कर वृक्षारोपण अभियान चलाकर हरियाली बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अवैध कटान इन प्रयासों को नुकसान पहुंचा रहा है। आरोप है कि गंगेरू क्षेत्र में संचालित आरा मशीनों पर बिना किसी रोक-टोक के लकड़ियों की चिराई की जा रही है, लेकिन संबंधित विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही।ग्रामीणों ने जिलाधिकारी और वन विभाग के उच्च अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही अवैध रूप से संचालित आरा मशीनों को तत्काल सील करने की मांग उठाई है।मामले में वन विभाग के दरोगा सोनू कुमार का कहना है कि क्षेत्र में मशीनों को बंद करा दिया गया है। यदि इसके बावजूद कोई आरा मशीन संचालित करता पाया गया तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संसार एक सरोवर के समान है, संत बाल योगी पचौरी महाराज

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) शहर के सत्यनारायण मंदिर में श्रीराम सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित भक्तमाल कृपा सत्संग एवं कथा के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। संत आचार्य बाल योगी पचौरी महाराज ने भक्तों को आध्यात्मिक एवं धार्मिक संदेश देते हुए विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया।

कथा के दौरान संत बाल योगी पचौरी महाराज ने गजेन्द्र मोक्ष प्रसंग की व्याख्या करते हुए कहा कि इसकी भावना प्रत्येक जीव के जीवन से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि संसार एक सरोवर के समान है, जीव गजेन्द्र है और काल ग्राह के समान है। मनुष्य संसार के विषयों में इतना आसक्त हो जाता है कि उसे समय और मृत्यु का बोध ही नहीं रहता। ऐसे में भगवान का स्मरण ही जीवन का वास्तविक सहारा है। समुद्र मंथन प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि संसार रूपी समुद्र का मंथन प्रत्येक साधक को अपने जीवन में करना चाहिए। मन को मंदराचल और प्रेम को वासुकी नाग बताते हुए उन्होंने कहा कि जब मन संसार के मोह में डूबने लगे तो प्रभु नाम का आश्रय लेना चाहिए। ईश्वर का स्मरण मनुष्य को जीवन के संकटों से उबारने का कार्य करता है। उन्होंने वामन अवतार की कथा का भी विस्तार से वर्णन किया तथा श्रीराम कथा के प्रसंगों के माध्यम से मयार्दा, संयम और भक्ति का महत्व बताया। संत ने कहा कि जो व्यक्ति अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण रखकर जीवन को धर्म और भक्ति के मार्ग पर चलाता है, वही वास्तविक अर्थों में दशरथ कहलाने योग्य है। ऐसे पवित्र हृदय में ही प्रभु श्रीराम का वास होता है। कथा के दौरान श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर रहे। इस अवसर पर अखिल तायल, मोनू विपिन मित्तन, संजीव रेलपाल, नितिन बंसल, रजत, आकाश, सचिन मित्तल, योगेश मित्तल, अनिल गोयल, विपुल मित्तल, पल्लवी मित्तन, अनीता शर्मा आदि मौजूद रहे।

शहीद हवलदार रुपेंद्र तोमर की याद में एक दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन

समाज जागरण

शामली। (फुरकान जंग) जाट रेजिमेंट के शहीद हवलदार रुपेंद्र तोमर की स्मृति में पेंथर स्पोर्ट्स क्लब द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत गांव मंसूरा स्थित एआईपीएस स्कूल के खेल मैदान में एक दिवसीय विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। दंगल में प्रदेश और देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे पहलवानों ने दमखम दिखाया, जबकि महिला पहलवान की कुश्ती आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम में कैराना विधायक नाहिद हसन, रालोद प्रदेश महासचिव विजय कौशिक, कांग्रेस प्रदेश महासचिव अश्वनी शर्मा, पूर्व विधायक नवाजिश आलम तथा पूर्व चेयरमैन नौशाद कुरेशी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।विधायक नाहिद हसन ने कहा कि कुश्ती भारत का सबसे प्राचीन खेलों में से एक है और युवाओं को स्वस्थ रखने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने क्षेत्र में खेल सुविधाओं के विकास और खेल मैदान के आवंटन के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम संयोजक मुक्खा पहलवान ने बताया कि दंगल का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर कर खेलों की ओर प्रेरित करना है। दंगल में 51 हजार रुपये की सबसे बड़ी कुश्ती असमीर कैराना और राहुल झंझट हरियाणा के बीच हुई। 31 हजार रुपये की कुश्ती साबिर पहलवान मंसूरा और हैप्पी पहलवान पंजाब के बीच तथा 21 हजार रुपये की कुश्ती गौरव पहलवान रोहतक और अतुल पहलवान महाराष्ट्र के बीच संपन्न हुई। 11 हजार रुपये की कुश्ती जुनेद ममोर और विशाल पहलवान मेरठ के बीच आयोजित की गई। दंगल का मुख्य आकर्षण मेरठ की महिला पहलवान काजल रहीं, जिन्होंने सोनीपत के मोनू पहलवान को पटखनी देकर दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। इसके अलावा अर्जुन पहलवान मुजफ्फरनगर, काला पहलवान कैराना, जावेद गंगोह, तालिब गंगोह, शुभम मंगलौरा सहित अनेक पहलवानों ने भी अपने दांव-पेंच दिखाए।अंतरराष्ट्रीय पहलवान लड्डी ने रेफरी की भूमिका निभाई।इस अवसर पर अभिषेक राणा, कर्णजीत सिंह दभेड़ी, नासिर चौधरी, अंशुल कौशिक, सोनू प्रधान रामड़ा मौजूद रहे।

सुन्ना के ग्रामीण दूषित जलापूर्ति से परेशान, डीएम को सौंपा ज्ञापन

समाज जागरण

शामली। (फुरकान जंग) ब्लॉक कांधला के गांव सुन्ना में पेयजल संकट और दूषित जलापूर्ति से परेशान ग्रामीणों ने डीएम को शिकायत पत्र भेजकर समस्या के समाधान की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जन कल्याण कार्य समिति एवं सरपोशी फाउंडेशन अंजली की ओर से भेजे गए शिकायत पत्र में बताया गया कि गांव की मुख्य पानी की टंकी में भारी रिसाव है। इसके अलावा जलापूर्ति का कोई निश्चित समय निर्धारित नहीं है, जिससे ग्रामीणों को रोजाना पानी के लिए इंतजार करना पड़ता है।

ग्रामीणों के अनुसार गांव में लगे करीब 95 सरकारी हैंडपंपों में से लगभग 35 खराब होकर बंद पड़े हैं। जो हैंडपंप चालू हैं, उनमें से अधिकांश का पानी दूषित और बदबूदार है, जो पीने योग्य नहीं है। इससे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। बताया कि मुख्य पेयजल पाइपलाइन कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त और लीकेज की स्थिति में है। इसके कारण गंदा और कीटाणुयुक्त पानी घरों तक पहुंच रहा है, जिससे संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों ने बिजली आपूर्ति की समस्या का भी उल्लेख किया है। उनका कहना है कि जिस समय पानी की सप्लाई शुरू होती है, उसी दौरान बिजली कटौती कर दी जाती है, जिससे अधिकांश घरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पाता। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर भी समस्या के प्रति उदासीन रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीण महिलाओं ने डीएम से गांव में तत्काल स्वच्छ पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था कराने, खराब पड़े हैंडपंपों की मरम्मत कराने, पानी की टंकी और पाइपलाइन के लीकेज को ठीक कराने तथा जलापूर्ति के दौरान निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने की मांग की है। इस अवसर पर शमा, ममता, अंजलि, रेशमा, साजिदा, बबली, सलीम, संतोष, अमित कुमार आदि मौजूद रहे।

छत पर खेल रहे दो मासूम संदूक में बंद मिले, संदिग्ध महिला हिरासत में

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) शहर के जैन मोहल्ला स्थित लाल गली में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब छत पर खेल रहे दो मासूम बच्चे संदिग्ध परिस्थितियों में एक संदूक के अंदर बंद मिले। परिजनों ने आरोप लगाया कि एक अज्ञात युवक ने बच्चों का अपहरण करने के लिए बच्चों को संदूक में बंद किया है। मामले की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और एक संदिग्ध महिला को हिरासत में लिया गया है। शामली शहर के जैन मोहल्ला लाल गली निवासी अंकित के मकान की तीसरी मंजिल पर उनकी बहन प्रीति कपड़े धो रही थीं। उसी दौरान अंकित का पांच वर्षीय पुत्र हर्षित और प्रीति की सात वर्षीय पुत्री माहफी छत पर खेल रहे थे। कपड़े धोने के बाद प्रीति नीचे चली गईं, जबकि दोनों बच्चे छत पर ही मौजूद थे। काफी देर तक बच्चे नीचे नहीं आए तो परिजनों को चिंता हुई। बच्चों की तलाश करते हुए परिजन छत पर पहुंचे, लेकिन दोनों वहां नहीं मिले। इसके बाद कमरे में रखे एक संदूक की जांच की गई, जिसमें दोनों बच्चे अर्द्धबेहोशी की हालत में पड़े मिले। परिजनों ने तत्काल बच्चों को बाहर निकालकर पानी के छींटे मारे, जिसके बाद उन्हें होश आया। बच्ची माहफी ने बताया कि एक युवक छत पर आया था, जिसने काली टी-शर्ट और लोअर पहन रखा था तथा हाथ में कड़ा था। आरोप है कि युवक दोनों बच्चों को पड़ोस की छत पर ले जाने का प्रयास कर रहा था। बच्चों के शोर मचाने पर उसने उनका मुंह दबा दिया और बाद में कमरे में रखे संदूक में बंद कर फरार हो गया। परिजनों ने बच्चों के अपहरण करने के प्रयास करने का आरोप लगाया। घटना की जानकारी मिलते ही मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। इसी दौरान मोहल्ले वासियों ने गली में घूम रही एक संदिग्ध महिला को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई। वहीं घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है और परिजन बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। पुलिस ने संदिग्ध महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पटाखा फैक्ट्री में चोरी की सूचना निकली झूठी, पांच लोगों का चालान

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के मलकपुर मार्ग स्थित एक पटाखा फैक्ट्री में दिनदहाड़े चोरी की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लेकर मामले की जांच की। जांच में चोरी की सूचना झूठी पाए जाने पर पुलिस ने पांचों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनका चालान कर दिया शुक्रवार को कस्बा निवासी रिजवान ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी कि मलकपुर मार्ग स्थित उसकी पटाखा फैक्ट्री से कुछ लोग सामान चोरी कर ले जा रहे हैं। दिनदहाड़े चोरी की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच-पड़ताल की। पुलिस जांच के दौरान पता चला कि पटाखा फैक्ट्री का लाइसेंस कस्बा निवासी इरफान के नाम पर है। रिजवान और इरफान दोनों साझेदारी में फैक्ट्री का संचालन कर रहे थे। कुछ समय से दोनों के बीच विवाद चल रहा था, जिसके चलते फैक्ट्री से अपना सामान उठाया जा रहा था।मौके पर मौजूद रिजवान, अशरफ, अबूजर, इरफान और फरमान को पुलिस ने हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान पांचों लोग पुलिस के सामने आपस में विवाद करने लगे। इसके बाद पुलिस ने झूठी सूचना देने और शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में पांचों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए चालान कर दिया। थाना प्रभारी निरक्षर सतीश कुमार ने बताया कि एक व्यक्ति ने पुलिस को चोरी की झूठी सूचना दी थी पुलिस को गुमराह करने पर पांच लोगों का चालान किया गया है।

28 महीने से नहीं मिला वेतन, डीएम से लगाई वेतन दिलाए जाने की गुहार

समाज जागरण शामली।

जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत कार्यरत एक ऑपरेटर ने पिछले करीब 28 माह से वेतन न मिलने का आरोप लगाते हुए डीएम से बकाया वेतन दिलाने की मांग की है। ऊन क्षेत्र के ग्राम रेडा मजरा हरसाना निवासी ऋषिपाल उर्फ काला पुत्र मलखान ने डीएम को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत गांव में स्थापित पानी की टंकी पर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत है। उन्होंने बताया कि उन्हें फरवरी 2024 तक का वेतन प्राप्त हुआ था, लेकिन 25 फरवरी के बाद से अब तक वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। ऋषिपाल का कहना है कि लंबे समय से वेतन न मिलने के कारण उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और परिवार का भरण-पोषण करना कठिन हो रहा है। उन्होंने बताया कि कई बार संबंधित अधिकारियों से भी संपर्क किया गया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका। शिकायती पत्र में उन्होंने डीएम से हस्तक्षेप कर जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत रुका हुआ वेतन शीघ्र दिलाए जाने की मांग की है, ताकि उन्हें आर्थिक राहत मिल सके।

खरीदें गए मकान पर निर्माण कार्य करने से रोकें जाने का आरोप

समाज जागरण शामली

क्षेत्र के गांव काजीपुरा निवासी एक व्यक्ति ने अपने खरीदे हुए मकान पर निर्माण कार्य करने से रोके जाने और जान से मारने की धमकी दिए जाने का आरोप लगाते हुए डीएम से न्याय की गुहार लगाई है। गांव काजीपुरा निवासी धीर सिंह पुत्र शंकर लाल ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2006 में अपनी पत्नी राधा रानी के नाम से गांव में 411.51 वर्गमीटर क्षेत्रफल का एक मकान खरीदा था। उक्त संपत्ति की रजिस्ट्री 5 अक्टूबर 2006 को उप निबंधक कार्यालय शामली में विधिवत पंजीकृत कराई गई थी। मकान खरीदने के बाद विक्रेता पक्ष के कुछ लोगों ने संपत्ति को लेकर विवाद खड़ा कर दिया था, जिसके चलते मामला न्यायालय तक पहुंचा। उन्होंने बताया कि सिविल न्यायालय ने मामले की सुनवाई के बाद वाद को खारिज कर दिया था, जिससे उनका स्वामित्व बरकरार रहा। आरोप है कि अब जब वह उक्त भूमि पर निर्माण कार्य शुरू करना चाहते हैं तो विपक्षी पक्ष के कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य शुरू करने पर उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। उन्होने मामले में जांच कर कार्यवाही की मांग की है।

युवक की मौत के मामले में मुकदमा दर्ज

समाज जागरण

कैराना। सड़क हादसे में घायल युवक की मौत के मामले में कार चालक के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया। थानाभवन के गांव हिंड के मोहल्ला देवपुरा निवासी टिंकू ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि बुधवार रात करीब 11 बजे उसका भाई अर्जुन कुमार हरियाणा के सनौली ईंट भट्ठे से बाइक द्वारा अपने घर वापस आ रहा था। शामली रोड पर मन्नामाजरा के निकट एक कार ने लापरवाही से उसके भाई की बाइक में टक्कर मार दी, जिस कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का उपचार मेरठ मेडिकल कॉलेज में चल रहा था। जहां गुरुवार को उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

मारपीट और धमकी देने में रिपोर्ट दर्ज

समाज जागरण

कैराना। घर में घुसकर मारपीट व धमकी देने के मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। गांव मवी निवासी वकीला ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि बुधवार शाम वह अपने परिवार के साथ घर पर बैठी थी। इस दौरान गांव के ही अहसान, मेहरबान, वासिद और इस्तकार लाठी–डंडे लेकर उसके घर में घुस आए। आरोपियों ने गाली–गलौज करते हुए मारपीट की, जिस कारण वह, उसका पति और बेटी घायल हो गए। बाद में आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। मामले में कार्रवाइ शुरू कर दी है।

ट्यूबवेल से पानी चलाने के विवाद में मारपीट

समाज जागरण

कैराना। ट्यूबवेल से पानी चलाने को लेकर हुए विवाद के बाद मारपीट करने के मामले में मुकदमा दर्ज कराया गया है। गांव बुच्चाखेड़ी निवासी मिंटू ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया कि आठ जून को रात करीब साढ़े दस बजे वह अपने भाई राकेश के साथ घर पर बैठा था। इस दौरान गांव का ही अरविंद और उसका भाई नरेश उसके घर में घुस आए। आरोपियों ने ट्यूबवेल से पानी चलाने के विवाद में उनके साथ गाली गलौज की। विरोध करने पर दोनों भाइयों ने लाठी–डंडों से उनके ऊपर हमला कर दिया, जिससे वह और उसका भाई घायल हो गए। बाद में आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। मामले में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

खाकी में नेतृत्व : एसीपी उपासना पांडेय और गाज़ियाबाद पुलिस कमिश्नरेट का बदलता स्वरूप

लेखक : रविन्द्र आर्य/समाज जागरण

उत्तर प्रदेश का गाज़ियाबाद आज केवल एक तेजी से विकसित हो रहा शहरी जनपद नहीं है, बल्कि यह कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक सुधार और आधुनिक पुलिसिंग का भी एक महत्वपूर्ण उदाहरण बनकर उभरा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे होने के कारण गाज़ियाबाद की सामरिक, आर्थिक और सामाजिक महत्ता हमेशा से रही है। एक समय ऐसा था जब यह जनपद अपराध, गैंगवार, अवैध कब्जों और संगठित आपराधिक गतिविधियों के कारण चर्चा में रहता था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए किए गए प्रयासों ने इसकी पहचान को नई दिशा दी है।

पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था लागू होने के बाद गाज़ियाबाद में पुलिस प्रशासन को अधिक अधिकार और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता प्राप्त हुई। इसका प्रभाव अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था प्रबंधन, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध की रोकथाम और जनसुरक्षा के विभिन्न आयामों में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। आधुनिक तकनीक, डिजिटल निगरानी प्रणाली, सर्विलांस नेटवर्क और साइबर क्राइम इकाइयों ने पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाया है।

इसी परिवर्तनशील व्यवस्था में उत्तर प्रदेश पुलिस सेवा (पीपीएस) की अधिकारी एसीपी उपासना पांडेय का योगदान उल्लेखनीय माना जाता है। वर्ष 2016 बैच की अधिकारी उपासना पांडेय मूल रूप से गोंडा जनपद से हैं। सामान्य पृष्ठभूमि से निकलकर पुलिस सेवा के महत्वपूर्ण पद तक पहुंचना उनके संघर्ष, समर्पण और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचायक है।

उनकी उपलब्धि उन युवतियों के लिए भी प्रेरणा है जो प्रशासनिक एवं पुलिस सेवाओं में अपना भविष्य देखती हैं।

पुलिस सेवा को सामान्य नौकरी नहीं माना जाता। यह चौबीसों घंटे जिम्मेदारी, त्वरित निर्णय क्षमता, धैर्य, संवेदनशीलता और कानून के प्रति पूर्ण निष्ठा की मांग करती है। महिला अधिकारियों के लिए यह चुनौती और अधिक जटिल हो जाती है, क्योंकि उन्हें सामाजिक अपेक्षाओं, पारिवारिक दायित्वों और सेवा संबंधी चुनौतियों के बीच संतुलन स्थापित करना पड़ता है।

गाज़ियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में तैनाती के दौरान एसीपी उपासना पांडेय ने महिला पुलिस टीमों के साथ कई महत्वपूर्ण अभियानों का नेतृत्व किया। अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी, संगठित चोरी के मामलों का खुलासा तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में उनकी सक्रिय भूमिका रही है। विशेष रूप से महिला पुलिस टीमों द्वारा संचालित अभियानों ने यह संदेश दिया है कि आधुनिक पुलिसिंग में महिलाएं केवल सहभागी नहीं, बल्कि प्रभावी नेतृत्वकर्ता भी हैं।

आज अपराध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। साइबर ठगी, डिजिटल फ्रॉड, पहचान संबंधी अपराध, नशीले पदार्थों की तस्करी और अंतरराज्यीय आपराधिक नेटवर्क पुलिस के सामने नई चुनौतियां प्रस्तुत कर रहे हैं। इनसे निपटने के लिए गाज़ियाबाद पुलिस तकनीक आधारित जांच, डेटा विश्लेषण और विभिन्न एजेंसियों के समन्वय के साथ कार्य कर रही है। साइबर सुरक्षा और डिजिटल जागरूकता के क्षेत्र में भी पुलिस की भूमिका लगातार बढ़ी है।

नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियानों को भी विशेष महत्व दिया जा रहा है। युवाओं को नशे की लत से बचाने और अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए समय-समय पर विशेष अभियान संचालित किए जाते हैं। यह केवल कानून लागू करने का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा और भविष्य की पीढ़ियों को सुरक्षित रखने का प्रयास भी है।

खोड़ा कॉलोनी, साहिबाबाद, ट्रांस हिंडन और अन्य घनी आबादी वाले क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। संवेदनशील घटनाओं के दौरान पुलिस प्रशासन की भूमिका केवल अपराधियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सामाजिक विश्वास बहाल करना, अफवाहों पर नियंत्रण रखना और विभिन्न समुदायों के बीच संवाद स्थापित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में पुलिस की भूमिका अत्यंत संतुलित और जिम्मेदारीपूर्ण होती है। पुलिस को कानून का पालन सुनिश्चित करने के साथ-साथ नागरिक अधिकारों की रक्षा भी करनी होती है। अनेक बार उसे सामाजिक दबावों, जनभावनाओं और संवेदनशील परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाकर कार्य करना पड़ता है। इसके बावजूद अधिकांश पुलिस अधिकारी और कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास करते हैं।

प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और अन्य विशिष्ट व्यक्तियों के कार्यक्रमों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना भी पुलिस के लिए बड़ी जिम्मेदारी होती है। ऐसे अवसरों पर पुलिस, प्रशासन और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के बीच उच्च स्तर का समन्वय स्थापित किया जाता है, जो पुलिस की पेशेवर दक्षता को दर्शाता है।

आज गाज़ियाबाद पुलिस कमिश्नरेट केवल अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि सामुदायिक पुलिसिंग, महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, जनसहभागिता और त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली के माध्यम से आधुनिक पुलिस व्यवस्था का एक प्रभावी मॉडल बनने की दिशा में कार्य कर रहा है।

एसीपी उपासना पांडेय जैसी अधिकारी इस परिवर्तनशील व्यवस्था का प्रतीक हैं, जहां नेतृत्व, अनुशासन, सेवा और जनसुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता सर्वोपरि है। उनका सफर केवल एक पुलिस अधिकारी की सफलता की कहानी नहीं, बल्कि उस बदलते भारत का प्रतिबिंब भी है, जहां महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व की नई मिसाल कायम कर रही हैं। गाज़ियाबाद पुलिस कमिश्नरेट की बदलती कार्यसंस्कृति और महिला नेतृत्व की बढ़ती भागीदारी भविष्य की पुलिस व्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत मानी जा सकती है।

टीएमयू में एलएलबी के विद्यार्थियों को इस सत्र से पढ़ाए जाएंगे नए श्रम कानून

चार नई श्रम संहिताओं के अध्ययन से छात्रों को मिलेगा व्यावहारिक एवं समकालीन कानूनी ज्ञान

समाज जागरण

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय (टीएमयू) के विधि संकाय में अध्ययनरत एलएलबी एवं इंटीग्रेटेड लॉ कोर्स के विद्यार्थियों के लिए इस शैक्षणिक सत्र से नए श्रम कानूनों को पाठ्यक्रम में शामिल कर लिया गया है। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को देश में बदलते श्रम कानूनों की व्यापक जानकारी प्रदान करना तथा उन्हें व्यावसायिक रूप से अधिक सक्षम बनाना है।

विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर हरबंश दीक्षित ने बताया कि देश में लागू की गई चार प्रमुख श्रम संहिताएं– वेतन संहिता-2019, औद्योगिक संबंध संहिता-2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य परिस्थितियां संहिता-2020 को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है। अब विद्यार्थियों को इन सभी कानूनों का विस्तृत

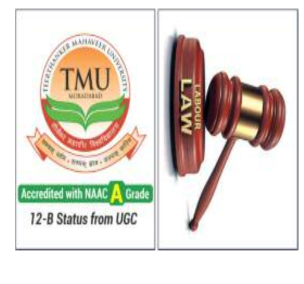

अध्ययन कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में एलएलबी के साथ-साथ बीबीए-एलएलबी, बीकॉम-एलएलबी, एलएलएम और पीएचडी की भी सुविधा उपलब्ध है। नए श्रम कानूनों के माध्यम से विद्यार्थियों को वर्तमान कानूनी व्यवस्था और श्रम क्षेत्र में हुए महत्वपूर्ण बदलावों की जानकारी मिलेगी।

प्रो. दीक्षित ने कहा कि नई श्रम संहिताओं के अंतर्गत वेतन की परिभाषा को एकरूप बनाया गया है, असंगठित क्षेत्र एवं गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा प्रदान की गई है तथा कार्यस्थलों पर सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी मानकों को मजबूत किया गया है। इसके अलावा 29 पुराने श्रम कानूनों को समेकित कर प्रक्रिया को अधिक सरल एवं पारदर्शी बनाया गया है।

विधि संकाय के प्राचार्य प्रोफेसर सुशील कुमार सिंह ने कहा कि टीएमयू सदैव आधुनिक, रोजगारोन्मुख एवं व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। नए श्रम कानूनों का अध्ययन छात्रों को न केवल सैद्धांतिक बल्कि व्यावहारिक रूप से भी दक्ष बनाएगा।

उन्होंने कहा कि इस पहल से विधि के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदलते श्रम कानूनों और औद्योगिक संबंधों की बेहतर समझ विकसित करने में सहायता मिलेगी, जिससे उनके करियर के नए अवसर भी खुलेंगे।

बरौला गांव में 'विकास' पर भारी गंदगी, स्कूल के पास सड़क बनी सीवर नाला

केडी पब्लिक स्कूल के निकट जलभराव से राहगीर परेशान, संक्रामक बीमारियों का बढ़ा खतरा

समाज जागरण

नोएडा, संवाददाता। नोएडा के सेक्टर-49 स्थित बरौला गांव में केडी पब्लिक स्कूल के निकट सड़क पर गंदे पानी और सीवर के जलभराव ने स्थानीय निवासियों की परेशानी बढ़ा दी है। क्षेत्र में कई दिनों से सड़क पर गंदा पानी जमा होने के कारण लोगों का पैदल निकलना तक मुश्किल हो गया है। वहीं स्कूल आने-जाने वाले बच्चों और अभिभावकों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सीवर व्यवस्था की बदहाली और जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण सड़क पर गंदगी की "नदी" बह रही है। सड़क पर जगह-जगह जलभराव, कीचड़ और कूड़े के ढेर जमा होने से क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है। खुले मैनहोल और गंदे पानी के कारण दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है।

निवासियों का कहना है कि कई बार संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया। बरसात के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है तथा मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है।

क्षेत्रवासियों ने नोएडा प्राधिकरण और संबंधित अधिकारियों से तत्काल संज्ञान लेकर सीवर लाइन की सफाई, जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त कराने तथा सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो उन्हें आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि स्मार्ट सिटी का दावा करने वाले नोएडा में आज भी कई क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

टोलकर्मी से मारपीट और बूम बैरियर तोड़ने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार, 4 लग्जरी कारें बरामद

दादरी पुलिस की त्वरित कार्रवाई, लुहारली टोल प्लाजा घटना का खुलासा

समाज जागरण संवाददाता नोएडा

थाना दादरी पुलिस ने लुहारली टोल प्लाजा पर टोलकर्मी के साथ मारपीट, अभद्रता और टोल बूम बैरियर तोड़ने की घटना में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चार कारें भी बरामद की हैं।

पुलिस के अनुसार लुहारली टोल प्लाजा के मैनेजर ने थाना दादरी में शिकायत दर्ज कराई थी कि काले रंग की स्कॉर्पियो कार में सवार कुछ युवकों ने टोल कर्मचारी के साथ गाली-गलौज की, मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपियों ने टोल बूम बैरियर तोड़ दिया और मौके से फरार हो गए। शिकायत मिलते ही थाना दादरी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष

टीमों का गठन किया। मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कोट गांव के पास से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी

करण यादव पुत्र धर्मवीर यादव, निवासी ग्राम बम्हैटा, थाना वेव सिटी, गाजियाबाद
सौरभ पुत्र विनोद, निवासी ग्राम बम्हैटा, थाना वेव सिटी, गाजियाबाद
आकाश पुत्र सतीश, निवासी ग्राम बम्हैटा, थाना वेव सिटी, गाजियाबाद

बरामद वाहन

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चार वाहन बरामद किए हैं–
काली स्कॉर्पियो कार (बिना नंबर प्लेट)
नई काली स्कॉर्पियो कार (बिना नंबर प्लेट)
नई काली थार कार (बिना नंबर प्लेट)
सफेद ब्रेजा कार (नंबरः UP14HA3750)

दर्ज मुकदमा

इस संबंध में थाना दादरी में मु0अ0सं0 256/2026 के तहत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

बंद मकानों में चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, दो शातिर चोर गिरफ्तार

चोरी के आभूषण, नकदी, पीतल की टोंटियां और अवैध चाकू बरामद

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, संवाददाता। थाना बीटा-2 पुलिस ने घरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले एक गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के आभूषण, नकदी, पीतल की टोंटियां, दरवाजों के हैंडल तथा दो अवैध चाकू बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार मैनुअल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सिटी पार्क के पास से सौरभ और अजय को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर बंद पड़े मकानों की रेकी करते थे और मौका पाकर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

आरोपियों ने बताया कि 28 मई

2026 की रात उन्होंने अल्फा-1 क्षेत्र स्थित एक बंद मकान में चोरी की थी। घटना से पहले मकान की रेकी की गई थी। चोरी के दौरान लाखों रुपये मूल्य के आभूषण और लगभग 35 हजार रुपये नकद चोरी किए गए थे। नकदी को आपस में बांट लिया गया था, जबकि आभूषणों को सिटी पार्क क्षेत्र में छिपाकर रखा गया था। बरामदगी के समय आरोपी चोरी का सामान बेचने की फिराक में थे।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सौरभ पुत्र भजन लाल, निवासी ग्राम नीरपुर नंगला, थाना हरदुआगंज, अलीगढ़ (वर्तमान पता ग्राम नवादा, थाना बीटा-2, गौतमबुद्धनगर) तथा अजय पुत्र किशन सिंह, निवासी ग्राम रामनगर, थाना बकेवर, इटावा (वर्तमान पता ग्राम नवादा, थाना बीटा-2, गौतमबुद्धनगर) के रूप में हुई है।

बरामद सामान

दो सोने की चेन (पीली धातु)
एक हार, कान के बूंदे, एक मोती माला, 5,000 रुपये नकद, पांच पीतल की टोंटियां, दो दरवाजों के हैंडल, दो अवैध चाकू

पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है तथा उनके अन्य साथियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

इकोटेक–3 पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध हथियारों के साथ चार शातिर अपराधी गिरफ्तार

दो पिस्टल, दो तमंचे, नौ जिंदा कारतूस और बिना नंबर प्लेट की फॉर्च्यूनर कार बरामद

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, संवाददाता। थाना इकोटेक-3 पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए चार शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अवैध पिस्टल, दो तमंचे, नौ जिंदा कारतूस तथा एक बिना नंबर प्लेट की फॉर्च्यूनर कार बरामद की है।

पुलिस के अनुसार मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए खैरपुर गोल चक्कर के पास सर्विस रोड से चारों आरोपियों को

गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राहुल यादव, यश नागर, अभिषेक उर्फ अन्नू तथा जोगेंद्र उर्फ हैप्पी के रूप में हुई है।

तलाशी के दौरान राहुल यादव के पास से .32 बोर की एक अवैध पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस, यश नागर के पास से .32 बोर की एक अवैध पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। वहीं अभिषेक उर्फ अन्नू और जोगेंद्र उर्फ हैप्पी के कब्जे से .315 बोर के एक-एक तमंचे तथा दो-दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक बिना नंबर प्लेट की फॉर्च्यूनर कार भी बरामद की है। जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी यश नागर थाना इकोटेक-3 का हिस्ट्रीशीटर अपराधी है और उसके खिलाफ कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अन्य आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है।

गिरफ्तार आरोपी

राहुल यादव पुत्र तेजपाल यादव, निवासी ग्राम होशियारपुर, थाना सेक्टर-49, गौतमबुद्धनगर
यश नागर पुत्र रविंद्र नागर, निवासी ग्राम सादुल्लापुर, थाना इकोटेक-3, गौतमबुद्धनगर
अभिषेक उर्फ अन्नू पुत्र हरेंद्र, निवासी ग्राम मिल्क लच्छी, थाना बिसरख, गौतमबुद्धनगर
जोगेंद्र उर्फ हैप्पी पुत्र बलराम सिंह नागर, निवासी ग्राम जलालपुर, थाना बिसरख, गौतमबुद्धनगर

बरामदगी

02 अवैध पिस्टल (.32 बोर)
05 जिंदा कारतूस (.32 बोर)
02 तमंचे (.315 बोर)
04 जिंदा कारतूस (.315 बोर)
बिना नंबर प्लेट की एक फॉर्च्यूनर कार

पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले में आगे की जांच और वैधानिक कार्रवाई जारी है।

आंधी-तूफान और वज्रपात से बचाव के लिए प्रशासन की एडवाइजरी जारी

'दामिनी' और 'सचेत' ऐप डाउनलोड कर समय रहते पाएं मौसम की चेतावनी

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा, संवाददाता। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव और आंधी-तूफान, वर्षा तथा वज्रपात की संभावनाओं को देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर ने जनहित में विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। प्रशासन ने नागरिकों से सतर्क रहने और मौसम संबंधी पूर्व चेतावनियों पर विशेष ध्यान देने की अपील की है।

प्राधिकरण ने लोगों से कहा है कि वे अपने मोबाइल फोन में 'दामिनी' और 'सचेत' ऐप अवश्य डाउनलोड करें। इन ऐप्स के माध्यम से आकाशीय बिजली, तेज आंधी, तूफान और खराब मौसम की पूर्व सूचना समय रहते प्राप्त की जा सकती है। इससे लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंचकर स्वयं और अपने परिवार को सुरक्षित रख सकते हैं।

जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि खराब मौसम के दौरान पेड़ों, मोबाइल टावरों, बिजली के खंभों और ऊंची इमारतों के पास खड़े होने से बचें। बच्चों को खुले मैदानों में खेलने न दें तथा लोहे की खिड़कियों, दरवाजों, हैंडपंप और विद्युत उपकरणों को छूने से परहेज करें। धातु से बने छाते का उपयोग न करें और खुले वाहनों में यात्रा करने से बचें। प्रशासन ने सलाह दी है कि वज्रपात के समय किसी पक्के भवन में शरण लें। यदि आसपास कोई सुरक्षित भवन उपलब्ध न हो तो दोनों कान बंद कर पैरों को साथ मिलाकर घुटनों के बल उकड़ू बैठ जाएं। खेतों में कार्य कर रहे किसान तुरंत सुरक्षित एवं सूखे स्थान पर पहुंच जाएं तथा तालाब, नदी, पोखर और तैराकी जैसी गतिविधियों से दूर रहें। इसके अलावा घरों में बिजली के उपकरणों को प्लग से अलग रखने तथा हाईटेंशन तारों एवं कंटीले तारों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने कहा कि "सचेत ऐप" के माध्यम से विभिन्न आपदाओं से संबंधित अलर्ट और सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश भी प्राप्त किए जा सकते हैं। जिला प्रशासन ने जनपदवासियों से अपील की है कि भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी मौसम पूवार्नुमान और अलर्ट पर नजर रखें तथा किसी भी आपात स्थिति में घबराने के बजाय निर्धारित सुरक्षा उपायों का पालन करें।

जेवर एयरपोर्ट तक इलेक्ट्रिक सिटी बस सेवा शुरू, ग्रेटर नोएडा को मिली नई रफ्तार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 25 बसों की दी सौगात, 15 जून तक 110 इलेक्ट्रिक बसें सड़कों पर दौड़ेंगी

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा/ग्रेटर नोएडा, संवाददाता। ग्रेटर नोएडा और जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बीच सार्वजनिक परिवहन को नई पहचान देते हुए शुक्रवार को इलेक्ट्रिक सिटी बस सेवा का शुभारंभ कर दिया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ से वर्चुअल माध्यम से बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ग्रेटर नोएडा में आयोजित कार्यक्रम में दादरी विधायक तेजपाल नागर, विधान परिषद सदस्य श्रीचंद शर्मा तथा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एन.जी. रविकुमार ने बसों को रवाना किया।

इस योजना के तहत ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 25 इलेक्ट्रिक बसों की सौगात दी गई है। प्रथम चरण में 11 आधुनिक

वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू किया गया है, जो विभिन्न सेक्टरों और गांवों को जोड़ते हुए नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक पहुंचेंगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ग्रीन मोबिलिटी और सतत विकास के विजन को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश सरकार पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा दे रही है। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से प्रदूषण कम होगा और लोगों को सुरक्षित, आरामदायक तथा किफायती यात्रा सुविधा उपलब्ध होगी।

एयरपोर्ट तक आसान होगी पहुंच

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रेरणा सिंह ने बताया कि 15 जून से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए प्रत्येक घंटे बस सेवा उपलब्ध रहेगी। यात्रियों के लिए न्यूनतम किराया 20 रुपये और अधिकतम 50 रुपये निर्धारित किया गया है। इससे निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी और लास्ट माइल कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी।

आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं बसें

इन इलेक्ट्रिक बसों में यात्रियों की सुविधा के लिए वातानुकूलित व्यवस्था, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट, सीसीटीवी कैमरे और अन्य आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। बसों का ट्रायल पूर्व में सफलतापूर्वक किया जा चुका है।

चार प्रमुख रूटों पर होगा संचालन

बस सेवा चार प्रमुख रूटों पर संचालित की जाएगी, जिनके माध्यम से ग्रेटर नोएडा, दनकौर, कासना, गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय, गलगोटिया विश्वविद्यालय, यमुना सिटी, रबूपुरा, दयानतपुर और जेवर क्षेत्र के हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

विधायक ने जताया आभार

दादरी विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि ग्रेटर नोएडा के नागरिक लंबे समय से सिटी बस सेवा की मांग कर रहे थे, जिसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरा कर दिया है। उन्होंने कहा कि तीनों प्राधिकरणों और परिवहन विभाग के संयुक्त प्रयासों से यह परियोजना साकार हो सकी है। कार्यक्रम में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एन.जी. रविकुमार, एसीईओ एस.के. सिंह, एसीईओ प्रेरणा सिंह, एसीईओ लक्ष्मी वी.एस., वरिष्ठ अधिकारी सनी यादव सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दैनिक समाज जागरण नेशनल अखबार में विज्ञापन देने के लिए संपर्क

बेलवरिया गाँव मे जल निगम के पुरानी टँकी का निरीक्षण कर जनचौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी नोडल अधिकारी डॉ0 राजशेखर

- हरहुआ ब्लाक के विकास कार्यो पर नोडल अधिकारी ने जताया सन्तोष।
- अपूर्ण कार्यो को तथा ब्लाक चौपाल की समस्या का समय से करें निस्तारण।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। हरहुआ विकास खण्ड के बेलवरिया ग्राम पंचायत में जनपद के नोडल अधिकारी तथा प्रबंध निदेशक ,उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) डॉ0 राजशेखर ने जल निगम की पांच सौ किलो लीटर क्षमता की पुरानी टँकी का निरीक्षण किया।इस बाबत जल निगम के अधिकारियों से जगह जगह लीकेज,टूटे पाइपों को ठीक करने सहित नये गांवों में पाइप लाइन विस्तार करते हुए जीर्णोद्धार पर जोर दिया। गर्मी में गाँवो में पानी के नियमित प्रेसर के साथ अधिक समय तक आपूर्ति किये जाने के निर्देश जल निगम अधिकारी को दिया।

प्रधान बेलवरिया अशोक पटेल के अनुसार तीन ग्राम पंचायतों के सात गाँवो में जल आपूर्ति की जाती है जिसमे से आदमपुर ,लालपुर ,ऐढे व चांदमारी में पानी आपूर्ति बाधित है। दूरी अधिक होने के कारण पुराने पाइप खराब हो चुके हैं। आपूर्ति कितने घण्टे होती है जानकारी ली। हर घर जल पहुंचाने के लिए पाइप लाइन डालना जरूरी है।

निरीक्षण के पश्चात बेलवरिया ग्राम पंचायत के बगीचे में आयोजित चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और फीड बैक लिया। वहीं ग्रामीणों ने राशन कार्ड कटने,राशन कभी कभी न मिलने, विधवा, बृद्धा व दिव्यांग पेंशन कुछ लोगो के न आने ,नए लोगों के बनाने ,गरीबों ने आवास की मांग की ,आर आर सी सेंटर के प्रयोग यानि कूड़ा निस्तारण ,समूह की महिलाओं के आय बढ़ाने सहित छोटी -छोटी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही उपस्थित जिले व ब्लाक के अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निस्तारण किये जाने का निर्देश दिया। बीडीओ हरहुआ बी0पी0 वर्मा ने बुकलेट के माध्यम से विकास कार्यो से अवगत कराया। वही हस्ताक्षर न किये जाने पर पूछताछ किया।

चौपाल में प्रमुख रूप से एसडीएम सदर नितिन कुमार सिंह,, पीड़ी, डीसी मनरेगा ,जिला समाज कल्याण अधिकारी ,डीपीआरओ आलोक सिन्हा,जिला कृषि अधिकारी संगम सिंह मौर्य, समेत प्रधान बेलवरिया अशोक पटेल ,ब्लाक के बीडीओ बी0पी0 वर्मा ,एडीओ पंचायत कमलेश सिंह ,सचिव रवि सिंह प्राविधिक सहायक के0 के0 मौर्य और अन्य ब्लाक स्तरीय कर्मचारी ,सफाई कर्मी ,पंचायत सहायक ,रोजगार सेवक उपस्थित रहे।

हरहुआ ब्लाक के राजापुर ,भैठौली में लगा ग्राम चौपाल, किया गया निस्तारण

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी।विकास खण्ड हरहुआ के राजापुर एवं भैठौली में शुक्रवार को आयोजित ग्राम चौपाल में राजापुर में 21 शिकायतों में सभी शिकायत का निस्तारण मौके पर ही सम्पन्न कर दिया गया।

भैठौली में 15 शिकायत का निस्तारण सचिव के माध्यम से आपसी समझौते पर समाधान किया गया।

बीडीओ हरहुआ बद्री प्रसाद वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीणों को लाभान्वित करने और समस्याओं के निस्तारण के लिए हर गांव में शुक्रवार को ग्राम चौपाल का आयोजन करने का निर्देश है।जिस क्रम में राजापुर ग्राम पंचायत में 21 शिकायतों का निस्तारण सचिव के माध्यम से किया गया इसी प्रकार भैठौली में 15 शिकायत का निस्तारण किया गया। चौपाल में सहायक विकास अधिकारी सांख्यिकी शैलेंद्र सिंह सहायक विकास अधिकारी पंचायत कमलेश सिंह ,सहायक विकास अधिकारी ग्राम विकास धनंजय सिंह ,सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण शशांक सिन्हा, ग्राम विकास अधिकारी संजय सोनकर सहित ब्लॉक स्तरीयअधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधानाचार्य बंसराज सिंह पटेल का 98 वर्ष की आयु में निधन, क्षेत्र में शोक की लहर।

समाज जागरण शिव तिवारी

बड़ागांव वाराणसी बड़ागांव। शिक्षा जगत के लिए दुखद समाचार है। बलदेव इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य बंसराज सिंह पटेल का शुक्रवार को 98 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

बंसराज सिंह पटेल वर्ष 1990 से 2000 तक बलदेव इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत रहे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने विद्यालय में अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को विशेष प्राथमिकता दी। उनके नेतृत्व में विद्यालय ने शैक्षणिक एवं सामाजिक क्षेत्र में नई पहचान बनाई।

उनके निधन पर शिक्षकों, पूर्व विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। सभी ने उनके शिक्षा क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

परिजनों के अनुसार उनका अंतिम संस्कार शनिवार को पूरे धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ किया जाएगा। क्षेत्रवासियों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर विधान परिषद सदस्य श्याम नारायण विनीत सिंह ने गिनाई उपलब्धियां

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया विकासखंड के क्षेत्र के बाजार में आज केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शुक्रवार को हलिया बाजार में आयोजित कार्यक्रम में मिजार्पुर / सोनभद्र विधान परिषद सदस्य श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत सिंह ने प्रेस वार्ता कर सरकार की उपलब्धियों को जनता के सामने रखा।विधान परिषद सदस्य ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार ने गरीब कल्याण, किसान सशक्तिकरण, महिला सशक्तिकरण और बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने देश के करोड़ों लोगों के जीवन में बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि सड़क, रेल और हवाई संपर्क के विस्तार से देश की कनेक्टिविटी मजबूत हुई है, वहीं आत्मनिर्भर भारत अभियान ने स्थानीय उद्योगों और रोजगार को बढ़ावा दिया है।

विधान परिषद सदस्य ने कार्यकताओं से इन उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की अपील की।इस दौरान विधान परिषद सदस्य ने प्रबुद्ध जनो को माल्यार्पण कर स्वागत किया है इस दौरान मंडल अध्यक्ष दिनेश अग्रहरी, ताराचंद, सहित अन्य लोग मौजूद रहे

निशुल्क दोना मेकिंग मशीन एवं पॉपकॉर्न मेकिंग मशीन वितरण के चयन हेतु 14 जून तक आवेदन आमंत्रित

समाज जागरण

मीरजापुर /जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अमितेश कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया है कि उ0प्र0खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा टूलकिट्स वितरण योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष में निःशुल्क दोना मेकिंग मशीन एवं पॉपकार्न मेकिंग मशीन वितरण के चयन हेतु आवेदन पत्र दिनांक 14.06.2026 तक आमंत्रित किये जाते हैं। जनपद में दोना बनाने वाले एवं पॉपकार्न बनाने वाले परम्परागत कारीगर एवं इस उद्योग में रूचि रखनें वाले अन्य व्यक्ति वेबसाईट- http://www.upkvib.gov.in/ पर आनलाईन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र की एक प्रति समस्त प्रपत्रों सहित जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, पथरहिया रोड, मीरजापुर में जमा कर दें। उक्त दिनांक के उपरान्त कोई आवेदन पत्र स्वीकार नही होगा। आवेदको का चयन उनके द्वारा ऑनलाईन भरे गये स्कोर कार्ड के सत्यापन उपरान्त किया जायेगा। अधिक जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस में पथरहिया रोड स्थित जिला ग्रामोद्योग कार्यालय मे सम्पर्क कर सकते हैं।

आवेदन पत्र में लगने वाले प्रपत्र- आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, जाति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड / परिवार रजिस्टर, निवास प्रमाण पत्र, शैक्षिक प्रमाण पत्र, बैंक पास बुक इत्यादि ।

भारतीय लोकतंत्र दिवस पर गोष्ठी का आयोजन

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी।। डॉ. राम मनोहर लोहिया पी.जी. कॉलेज, भैरव तालाब, में 12 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र का ऐतिहासिक दिन विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए लोक बंधु राजनारायण के पौत्र तोयज सिंह ने कहा कि यह दिन भारतीय लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण है। यह आम जनमानस के लिए संघर्ष और लोकतंत्र को स्थायित्व और मजबूत बनाने वाला दिन है।तोयज सिंह ने कहा कि 12 जून 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के निर्वाचन को अवैध घोषित करते हुए एक ऐतिहासिक निर्णय दिया था। यह निर्णय भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका की स्वतंत्रता, संविधान की सर्वोच्चता तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का महत्वपूर्ण उदाहरण माना जाता है। उन्होंने कहाकी राजनारायण जी ने 1971 के रायबरेली लोकसभा चुनाव में अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। उनके द्वारा दायर याचिका के आधार पर दिया गया यह निर्णय भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध हुआ।

हिंदू महासभा के जिला अध्यक्ष एडवोकेट विशाल नारायण सिंह ने कहा

कि 12 जून 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा श्रीमती इंदिरा गांधी के निर्वाचन को निरस्त किए जाने के बाद देश में राजनीतिक अस्थिरता और विरोध प्रदर्शनों का दौर तेज हो गयाथा। लोकनायक लोकबंधु राजनारायण के नेतृत्व में इंदिरा गांधी से इस्तीफे की मांग जोर पकड़ने लगी। इस राजनीतिक संकट और बढ़ते जनदबाव के बीच 25 जून 1975 की मध्यरात्रि को देश में आंतरिक अशांति का हवाला देते हुए आपातकाल (इमरजेंसी) घोषित कर दिया गया था। आपातकाल के दौरान नागरिक स्वतंत्रताओं पर प्रतिबंध लगाए गए, अनेक विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार किया गया तथा प्रेस की स्वतंत्रता पर भी नियंत्रण किया गया। संगोष्ठी में उपस्थित वक्ताओं ने लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती और नागरिक उत्तरदायित्व पर अपने विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी को संबोधित करने वालों में प्रदीप कुमार सिंह, प्रोफेसर सुमन लता, प्रोफेसर एन एन राय,डॉक्टर के एस पाठक,रवि कुमार, एडवोकेट सुशील सिंह आदि रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आशुतोष कुमार ने संगोष्ठी में आए वक्ताओं के प्रति धन्यवाद व्यापित किया।

सड़को के निर्माण कार्य में कोई कोताही न बरती जाए : योगी आदित्यनाथ

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को वाराणसी पहुंचे। उन्होंने सर्किट हाउस सभागार में अधिकारियों एवं विभागीय अभियंताओं के साथ लोक निर्माण विभाग के कार्यों की विस्तार से समीक्षा किया। मंडल में लोक निर्माण विभाग द्वारा कराये जा रहे पुराने एवं गतिमान परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा के दौरान उन्होंने युद्धस्तर पर अभियान चलाकर मानक के अनुरूप गुणवत्ता के साथ समय से कार्य पूरा करायें जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने विशेष रूप से बरसात से पूर्व पूर्ण होने वाली परियोजनाओं पर विशेष ध्यान देकर पूरा कराए जाने हेतु निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग द्वारा मंडल में कराये जाने वाले नए कार्यों से संबंधित परियोजनाओं की भी विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बताया गया कि वाराणसी क्षेत्र में 7175 करोड़ की 2630 परियोजनाएं चालू है। जिसमें से 687 कार्य शत प्रतिशत पूर्ण हो चुके है, 542 कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुके है। इस प्रकार वाराणसी जिले में 3223 करोड़ रुपए के 421 कार्य गतिमान हैं। जिसमें 85 कार्य शत प्रतिशत पूर्ण तथा 158 कार्य 90 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुका है।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीडब्ल्यूडी के गत वर्ष के कार्यों के प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्य योजना तत्काल उपलब्ध कराए तथा कार्य योजना तैयार करते समय धनराशि स्वीकृत हो एवं टेंडर प्रक्रिया भी साथ में हो, कोई वेटिंग नहीं होनी चाहिए। कार्यों में गति लाये जाने हेतु कमिश्नर एवं जिलाधिकारी अपने-अपने स्तर पर बैठक कर समीक्षा करे, ताकि निर्माण कार्यों में हर हालत में प्रगति सुनिश्चित हो सके। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि जिन सड़को का मरम्मत कराया जाना हो, उनका पहले सर्वे अवश्य करा लिया जाए। नगर निगम नगरीय क्षेत्र के सड़को का मरम्मत कराना सुनिश्चित करें। जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों को अवश्य शामिल किया जाय। सभी आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करके ही कार्य शुरू कराए, ताकि हर हालत में कार्य समय से पूर्ण हो और आमजनमानस को सहूलियत हो। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान चंदौली में बनने वाले इंटीग्रेटेड कोर्ट कॉम्प्लेक्स के कार्यों के प्रगति की जानकारी ली। पीडब्ल्यूडी के अभियंताओं ने बताया कि 18 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका हैं। उन्होंने कार्य में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखते हुए हर हालत में समय से कार्य पूर्ण कराए जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने वाराणसी में लोक निर्माण विभाग द्वारा बनने वाले यूनिटी मॉल के निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया।

इससे पूर्व प्रमुख सचिव, पीडब्ल्यूडी अजय चौहान द्वारा वाराणसी परिक्षेत्र के लोक निर्माण विभाग के कार्यों की विस्तृत जानकारी पीपीटी के माध्यम से मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

बैठक में प्रदेश के पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर, स्टाम्प एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ दयाशंकर मिश्र 'दयालु', खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, एमएलसी धर्मेंद्र राय, पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, विधायक डॉ अवधेश सिंह, विधायक टी राम, विधायक सुनील पटेल, जौनपुर से विधायक रमेश मिश्रा, रमेश सिंह, आर के पटेल, जगदीश नारायण, राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंशु, चंदौली से विधायक सुशील सिंह, रमेश जायसवाल एवं कैलाश आचार्य तथा गाजीपुर से विधायक बेदी राम, मंडलायुक्त एस. राजलिंगम, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल सहित पीडब्ल्यूडी के अधिकारी एवं अभियंता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विश्व दिव्यांगता दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले दिव्यांगजन एवं संस्थाएं होंगी सम्मानित

समाज जागरण

मीरजापुर / जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया है कि जनपद के समस्त जन साधारण को सूचित किया जाता है कि उत्तर प्रदेश राज्य सरकार एवं भारत सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष 03 दिसम्बर ह्लविश्व दिव्यांगता दिवसह्व के अवसर पर दिव्यांगजन व्यक्तियों एवं दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छिक संस्थाओं/सेवायोजकों को उत्कृष्ट कार्य करने पर राज्य स्तरीय/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है। दक्ष दिव्यांग कर्मचारी/स्वनियोजित दिव्यांगजन के लिए राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन हेतु सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता तथा सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेन्ट अधिकारी या एजेंसी के लिए सेवायोजकों को राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के निमित्त कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति तथा सर्वश्रेष्ठ संस्था के लिये राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार, प्रेरणास्श्रोत हेतु राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के जीवन सुधारने के निमित्त सर्वश्रेष्ठ नवीन अनुसंधान या उत्पाद विकास के लिये राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन हेतु बाधामुक्त वातावरण के सृजन हेतु सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिला के लिए राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग वयस्क व्यक्तियों एवं सर्वश्रेष्ठ बालक/बालिका हेतु राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ ब्रेल प्रेस के लिये राज्य/राष्ट्रीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के लिए सर्वोत्तम अनुकल बेबसाइट हेतु राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिये राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के सशक्तीकरण हेतु कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी के लिए राज्य/राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार है। राज्य पुरस्कार से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी तथा आवेदन पत्रों के निर्धारित प्रारूप विभाग की वेबसाईट http://uphwd.gov.in पर उपलब्ध है। उक्त पुरस्कार हेतु इच्छुक पात्र दिव्यांग व्यक्तियों/दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छिक संगठनों/सस्थाओं एवं सेवायोजकों को सूचित किया जाता है कि वे अपने आवेदन पत्र की समस्त औपचारिकता पूर्ण कर तीन प्रतियों में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग में यथाशीघ्र जमा करायें ताकि नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही कर पत्रावली निदेशालय को प्रेषित किया जा सके।

खर्चों पर रखें नियंत्रण, पार्टनर को दें समय... वृषभ राशि वालों के लिए चुनौतीभरा रहेगा शनिवार

समाज जागरण

धर्म डेस्क। वैदिक ज्योतिष के अनुसार ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि और शनिवार का दिन वृषभ राशि के जातकों के लिए मिश्रित फल देने वाला रहेगा। आज जहां एक ओर कारोबार में महत्वपूर्ण फैसले लाभदायक साबित हो सकते हैं, वहीं दूसरी ओर अनावश्यक खर्च और लापरवाही आर्थिक एवं मानसिक परेशानी का कारण बन सकती है। काशी के ज्योतिषाचार्य पंडित विकास पांडेय के अनुसार, शनिवार को वृषभ राशि के जातकों को अपने खर्चों पर विशेष नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। बिना सोचे-समझे किया गया खर्च भविष्य में आर्थिक असंतुलन पैदा कर सकता है। इसलिए धन संबंधी मामलों में सोच-समझकर निर्णय लेना ही बेहतर होगा।

व्यापार और करियर

व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए दिन सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रह सकता है। आज आप अपने कारोबार से जुड़े बड़े और महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं, जिनका भविष्य में लाभ मिलने की संभावना है। वहीं नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर अपने वरिष्ठ अधिकारियों की बातों को गंभीरता से लेना चाहिए। बॉस की सलाह की अनदेखी करना नुकसानदायक हो सकता है। यदि आप नई नौकरी की तलाश में हैं तो आज प्रयास शुरू करने के लिए भी अनुकूल समय माना जा सकता है।

अपर जिला सहकारी अधिकारी अवधेश सिंह ने वाराणसी मे योगदान किया

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी।। सोनभद्र से स्थानांतरित होकर आये अपर जिला सहकारी अधिकारी अवधेश सिंह ने शुक्रवार को वाराणसी मे योगदान कर लिया।

अवधेश सिंह ने सहायक आयुक्त एवंसहायकनिबंधक वाराणसी सुरेंद्र मौर्य के समक्ष अपनी योगदान आख्या प्रस्तुत की। उल्लेखनीय है कि अवधेश सिंह पूर्व मे वाराणसी के हरहुआ,पिंडरा एवं आराजीलाईन ब्लाको मे कार्यरत रह चुके है तथा होलसेल सेंट्रल कोआपरेटिव कंज्यूमर स्टोर और जिलासहकारीफेडरेशन के सचिव का भी कार्य कर चुके हैं।

अवधेश सिंह के वाराणसी आगमन पर एडीसीओ लालजी, विजय कुमार ,संगीता वर्मा,कन्हैयालाल मौर्य, बृजेश पटेल, सचिव ऋषिकुमार सिह,अशोक यादव इत्यादि ने स्वागत करते हुए बधाई दी।

विशिष्ट जनसम्पर्क अभियान पर विधायक पहुंचे पूर्व ब्लाक प्रमुख के आवास, ली हालचाल

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पार्टी शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर अपने विधानसभा क्षेत्र अजगरा के अंतर्गत 'विशिष्ट जनसंपर्क अभियान' के अंतर्गत पूर्व ब्लॉक प्रमुख, चोलापुर सुभाष यादव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख लालबहादुर सिंह एवं वरिष्ठ भाजपा नेता पंचम राम से शिष्टाचार भेंट किया।

भेंट के दौरान केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं ,उपलब्धियों पर सकारात्मक सार्थक विचार -विमर्श किया गया। मोदी के वैश्विक स्तर पर देश की शान ,आन ,शान को लेकर डिजिटल भारत ,समर्थ व विकसित भारत पर दिन ब दिन बढ़ती पहचान को लेकर कई विन्दुओ पर चर्चा हुई।

प्रख्यात समाजसेवी व शिवपुर रामलीला समिति के पूर्व मंत्री श्रवण सिंह का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। काशी के जाने-माने समाजसेवी, शिवपुर रामलीला समिति के लगातार 27 वर्षों तक मंत्री रहे और स्थानीय व्यापार मंडल के संस्थापक मंत्री श्रवण सिंह का शुक्रवार दोपहर अचानक हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वह लगभग 75 वर्ष के थे। उनके निधन की खबर से स्थानीय व्यापार जगत,पत्रकारिता जगत, सामाजिक संगठनों और समूचे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार दोपहर अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन उन्हें तत्काल सारंग तालाब स्थित न्यूरो सिटी अस्पताल ले गए। अस्पताल के चिकित्सकों ने आपातकालीन चिकित्सा शुरू की, लेकिन काफी प्रयासों के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका और उन्होंने अस्पताल में ही अंतिम सांस ली।

श्रवण सिंह का जीवन समाजसेवा,पत्रकारिता और जनहित के कार्यों को समर्पित रहा। इसमें लगभग 40 वर्षों तक अपनी सेवाएं दीं। वे पोस्ट वार्डन के साथ-साथ डिविजनल वार्डन के पद से सेवानिवृत्त हुए थे।शिवपुर रामलीला समिति के 27 वर्षों तक मंत्री रहकर उन्होंने सांस्कृतिक विरासत को सहेजा, साथ ही स्थानीय व्यापार मंडल के संस्थापक मंत्री के रूप में व्यापारियों के हितों की लड़ाई लड़ी। वे लंबे समय तक पत्रकारिता जगत से भी जुड़े रहे और निष्पक्षता से क्षेत्र की आवाज बुलंद की। निधन के बाद उनके पार्थिव शरीर को शिवपुर स्थित पैतृक आवास पर लाया गया। जैसे ही उनके निधन की खबर फैली, उनके अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने के लिए स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों, राजनेताओं और सामाजिक कार्यकताओं का तांता लग गया। श्रवण सिंह अपने पीछे पत्नी, दो पुत्रों (बड़े पुत्र अजय सिंह, जो एक उद्यमी हैं और छोटे पुत्र राजीव सिंह 'रानू', जो वाराणसी कुश्ती संघ के अध्यक्ष हैं) व एक पुत्री समेत हरा-भरा परिवार छोड़ गए हैं।

आज सुबह अघोरेश्वर घाट पर होगा अंतिम संस्कार पारिवारिक निर्णय के अनुसार, स्वर्गीय श्रवण सिंह का अंतिम संस्कार औघड़ पद्धति से शनिवार प्रातः 6:00 बजे पड़ाव स्थित अघोरेश्वर भगवान राम घाट पर किया जाएगा। क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने उनके निधन को वाराणसी के सामाजिक और व्यापारिक जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया है।

ट्रैक्टर से गिरकर युवक की हुई मौत पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया थाना क्षेत्र के मतवार गांव में गुरुवार की दोपहर ट्रैक्टर सवार युवक की ट्रैक्टर से गिरकर मौत हो गई मौके पर पहुँचे युवक के स्वजनों ने युवक को उपचार के लिए स्थानीय स्तर पर लेकर गए जंहा पर चिकित्सक ने युवक को मृत घोषित कर दिया है युवक के मौत पर स्वजन रोने बिलखने लगे सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है थाना क्षेत्र के मतवार गांव निवासी लवलेश गिरि का 22 वर्षीय पुत्र शुभम गिरि गांव के ट्रैक्टर पर बैठकर गांव में जा रहा था की ट्रैक्टर से युवक नीचे गिर गया जिससे युवक के सिर में चोट लगने से युवक की मौत हो गई मौके पर पहुँचे युवक के स्वजनों ने युवक को उपचार के लिए स्थानीय स्तर पर लेकर गए जंहा पर चिकित्सक ने युवक को मृत घोषित कर दिया युवक के मौत की सूचना पर युवक के स्वजन रोने बिलखने लगे मृत युवक तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था ट्रैक्टर गांव निवासी एक युवक का बताया जा रहा है सूचना पर पहुँचे थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव व एसआई शिवजी यादव व रमाशंकर ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया ट्रैक्टर सवार युवक की ट्रैक्टर से नीचे गिरने से मौत हो गई है शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है मामले की जांच पड़ताल किया जा रहा है

युवक की संदिग्ध स्थिति में हुई मौत, पुलिस जांच शुरु

समाज जागरण

मीरजापुर /लालगंज थाना क्षेत्र के रजई गांव में 38 वर्षीय रामरक्षा पुत्र स्व0 दरबारी लाल की बीती गुरुवार की रात संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई इस घटना के बाद घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच शुरू किया।

लालगंज थाना क्षेत्र के रजई गांव निवासी 38 वर्षीय रामरक्षा संदिग्ध स्थिति में फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मौत के कारण का जांच पड़ताल करते हुए स्वजनों से पुछ ताछ किया।

लालगंज थाना क्षेत्र के रजई गांव निवासी मृतक के भाई रामजी द्वारा मिले तहरीर के आधार पर सूचना दर्ज कर शव का पंचायतनामा की कार्यवाही के बाद पोस्टमार्टम हेतु मर्चरी हाउस मीरजापुर भेजा गया।

कियोस्क स्वीकृति के बदले 10 हजार रुपये रिश्वत लेते सेंट्रल बैंक के सहायक प्रबंधक को सीबीआई ने रंगे हाथों दबोचा

समाज जागरण

शहडोल। भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जबलपुर इकाई ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय में पदस्थ सहायक प्रबंधक अभ्यंकर शर्मा को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुरुवार को शहडोल शहर में की गई, जिससे बैंकिंग क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार शहडोल निवासी दीपेंद्र सिंह ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के अंतर्गत चार बैंकिंग कियोस्क संचालित करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। आरोप है कि आवेदन की स्वीकृति एवं आवश्यक अनुमति जारी करने के एवज में बैंक के सहायक प्रबंधक अभ्यंकर शर्मा ने 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। बार-बार रिश्वत की मांग किए जाने से परेशान होकर दीपेंद्र सिंह ने मामले की शिकायत सीबीआई जबलपुर इकाई के पुलिस अधीक्षक एस.के. राठी से की। शिकायत प्राप्त होने के बाद सीबीआई ने मामले का सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने की शिकायत प्रथम दृष्टया सही पाई गई। इसके बाद सीबीआई की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई की तैयारी की। तय योजना के अनुसार सहायक प्रबंधक अभ्यंकर शर्मा ने शिकायतकर्ता दीपेंद्र सिंह को बैंक के बाहर गुरुद्वारे के पास बुलाया और वहां 10 हजार रुपये की रिश्वत ली। जैसे ही आरोपी अधिकारी ने रिश्वत की रकम अपने कब्जे में ली, पहले से आसपास मौजूद सीबीआई टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान रिश्वत की राशि भी बरामद कर ली गई। गिरफ्तारी के बाद सीबीआई अधिकारियों ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी और मामले से जुड़े दस्तावेजों की जांच भी की जा रही है। सूत्रों के अनुसार सीबीआई द्वारा आरोपी के कार्यालय और अन्य संबंधित स्थानों पर भी जांच की कार्रवाई की जा सकती है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के विरुद्ध सीबीआई की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। वहीं बैंकिंग सेवाओं से जुड़े लोगों का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई से आम नागरिकों में विश्वास बढ़ेगा और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी

अवैध शराब के विरूद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई, 102 पाव देशी मदिरा जब्त

समाज जागरण

कटनी - जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर आबकारी विभाग द्वारा कार्रवाई का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में आबकारी वृत्त बड़वारा की टीम द्वारा ग्राम कोटेश्वर, थाना बरही क्षेत्र में दबिश दी गई। दबिश के दौरान पुरषोत्तम यादव के रिहायशी मकान के समक्ष विधिवत पंचनामा बनाकर तलाशी ली गई। तलाशी में 102 पाव देशी प्लेन मदिरा बरामद हुई, जिसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया। इस प्रकरण में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) (क) के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। साथ ही संबंधित व्यक्ति को भविष्य में अवैध रूप से शराब विक्रय न करने की सख्त हिदायत दी गई।

विकसित भारत संकल्प सम्मेलन का अटल निलय जिला भाजपा कार्यालय में होगा आयोजन

म.प्र लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष सत्येंद्र भूषण सिंह व ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार कार्यक्रम में होंगे शामिल

समाज जागरण

शहडोल - माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण एवं राष्ट्र निर्माण के गौरवशाली 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कमला नगर स्थित ह्यअटल निलयह्न जिला भाजपा कार्यालय में विकसित भारत संकल्प सम्मेलन का आयोजन दिनांक 13 जून 2026 दिन शनिवार को शाम 5:30 बजे आयोजित होने जा रहा है शुक्रवार को भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट ने जानकारी देते हुए बताया है कि विकसित भारत संकल्प सम्मेलन के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वक्त के रूप में मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड के प्रदेश अध्यक्ष श्री सत्येंद्र भूषण सिंह जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में बीजेपी मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री पवन पाटीदार जी कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा करेगी। पार्टी नेतृत्व द्वारा सम्मेलन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए टोली गठन किया गया है संयोजक श्री राजेश्वर उदानियां श्री मनोज गुप्ता श्री अमित गुप्ता बंटी को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंप गई है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों की ऐतिहासिक उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकसित भारत के संकल्प पर आयोजित इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में आप सभी प्रबुद्धजन एवं व्यवसायिक व व्यापारी बंधुओ एवं पदाधिकारीयों, महिला शक्तियों, कार्यकर्ता गण विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपनी सहभागिता निभाएं।

दमोह में पुलिस का फ्लैग मार्च, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन अलर्ट

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह। जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं आमजन में सुरक्षा का भाव मजबूत करने के उद्देश्य से दमोह पुलिस द्वारा व्यापक फ्लैग मार्च निकाला गया। पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी के नेतृत्व में आयोजित इस फ्लैग मार्च में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी एवं बड़ी संख्या में पुलिस बल शामिल हुआ। फ्लैग मार्च के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदोरिया भी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों और जवानों ने शहर के प्रमुख मार्गों, बाजार क्षेत्रों तथा संवेदनशील स्थानों पर पैदल मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान नागरिकों से शांति, सौहार्द एवं कानून का पालन करने की अपील भी की गई। पुलिस

अधीक्षक आनंद कलादगी ने कहा कि जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि, अफवाह या कानून व्यवस्था भंग करने के प्रयासों पर पुलिस की सतत निगरानी है तथा ऐसे तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। फ्लैग मार्च का उद्देश्य आमजन में सुरक्षा का विश्वास बढ़ाना, अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों में कानून का भय स्थापित करना तथा जिले में शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना है। मार्च के दौरान पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद नजर आया और नागरिकों ने भी पुलिस की इस पहल का स्वागत किया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने तथा शांति एवं भाईचारे की परंपरा बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। जिलेभर में पुलिस की सक्रिय मौजूदगी से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन की गंभीरता स्पष्ट दिखाई दी।

उपभोक्ताओं को गैस रिफिल वितरण में न हो परेशानी, कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह। जिले के उपभोक्ताओं को घरेलू गैस रिफिल की बुकिंग और वितरण में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने जिले की सभी गैस एजेंसियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन का उद्देश्य गैस वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित और उपभोक्ता हितैषी बनाना है। जारी निर्देशों के अनुसार गैस एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि होम डिलीवरी के दौरान हॉकर्स या डिलीवरी कर्मियों द्वारा उपभोक्ताओं से किसी प्रकार की अतिरिक्त राशि की मांग न की जाए। उपभोक्ताओं को केवल ऑनलाइन बुकिंग के बाद ही गैस रिफिल उपलब्ध कराया जाए तथा बिना बुकिंग किसी भी स्थिति में गैस सिलेंडर का वितरण न किया जाए। कलेक्टर द्वारा यह भी निर्देशित किया

गया है कि होम डिलीवरी के समय उपभोक्ताओं को अनिवार्य रूप से कम्प्यूटरीकृत रसीद प्रदान की जाए, ताकि भुगतान और वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। साथ ही केवल पात्र और पंजीकृत उपभोक्ताओं को ही गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए। प्रशासन ने अनाधिकृत स्थानों पर गैस सिलेंडरों के भंडारण एवं विक्रय पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए हैं। एजेंसियों को सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए निर्धारित स्थानों से ही वितरण सुनिश्चित करना होगा। उपभोक्ताओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए गैस एजेंसियों को ई-केवाईसी (E-KYC), मोबाइल नंबर परिवर्तन, उपभोक्ता विवरण संशोधन तथा अन्य शिकायतों के त्वरित निराकरण के निर्देश भी दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गैस एजेंसियां उपभोक्ताओं की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करें ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

कलेक्टर श्री यादव ने कहा कि उपभोक्ता हितों की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है और गैस वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता या शिकायत पाए जाने पर संबंधित एजेंसी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इन निर्देशों से जिले के हजारों गैस उपभोक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद है तथा गैस वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता : राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह/तेंदूखेड़ा आमजन तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से तेंदूखेड़ा में लोककल्याणकारी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने उपस्थित नागरिकों एवं हितग्राहियों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी तथा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करते हुए प्रमाण-पत्र एवं स्वीकृति पत्र वितरित किए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में धर्मेन्द्र सिंह लोधी, प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक

वर्ग के कल्याण और विकास के लिए अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित कर रही है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे और कोई भी पात्र नागरिक शासन की सुविधाओं से वंचित न रहे।

राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के संयुक्त प्रयासों से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें और पात्रता अनुसार उनका लाभ लें। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं और योजनाओं की जानकारी उपलब्ध हो रही है, जिससे उन्हें अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा जानकारीपरक स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नागरिकों को मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजनाएं, पेंशन योजनाएं, स्वरोजगार योजनाएं तथा अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही पात्र हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त कर उनकी समस्याओं के निराकरण की प्रक्रिया भी प्रारंभ की गई।

इस अवसर पर कई हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृति पत्र, प्रमाण-पत्र एवं लाभ वितरण किया गया। लाभान्वित हितग्राहियों ने शासन एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से उन्हें योजनाओं की जानकारी और लाभ प्राप्त करने में काफी सुविधा मिलती है।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। शिविर के माध्यम से शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और पात्र व्यक्तियों को समय पर लाभ उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

सोनभद्र खनन टेंडर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई रोक, 3 अगस्त को अगली सुनवाई

विजय कुमार अग्रहरी/ ब्यूरो चीफ, समाज जागरण

सोनभद्र। सुप्रीम कोर्ट ने सोनभद्र के खनन टेंडर मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश पर रोक लगा दी है। जिससे पीड़ित पक्ष को बहुत बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने अधिक बोली लगाने वाली कंपनियों को लेटर ऑफ इंटेंट (LOI) जारी करने का निर्देश दिया था, जिसे अब सुप्रीम कोर्ट ने अगली सुनवाई तक स्थगित कर दिया है। मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त 2026 को होगी। यह मामला 12 जनवरी 2026 को सोनभद्र-बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र के भूमिधरी पट्टों के लिए हुई ई-नीलामी से जुड़ा है। इस नीलामी में कांत कंस्ट्रक्शन ने एक पट्टे के लिए 1051 रुपये प्रति घन मीटर की उच्चतम बोली लगाई थी, जबकि इसका आधार मूल्य 165 रुपये तय किया गया था। हालांकि, कांत कंस्ट्रक्शन की बोली यह कहते हुए रद्द कर दी गई कि उसने एफिडेविट, डिमांड ड्राफ्ट और चालान की हार्ड कॉपी जमा नहीं की थी। इसके बाद, यही पट्टा मां दुर्गा माइनिंग वर्क्स को 207 रुपये प्रति घन मीटर की कम बोली पर दे दिया गया। इसी तरह, दो अन्य पट्टों के लिए 333-333 रुपये की बोलियां भी रद्द कर दी गईं और ठेके 201 तथा 202 रुपये की बोली लगाने वाली कंपनियों को दिए गए।मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचा, जहां जस्टिस अरिंदम सिन्हा और सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने इसे नीलामी प्रक्रिया में हेराफेरी माना। हाईकोर्ट ने जिलाधिकारी द्वारा जारी छडकको रद्द कर दिया और प्रशासन को 8 मई 2026 तक याचिकाकर्ता कांत कंस्ट्रक्शन कंपनी और रुद्रा एंटरप्राइजेज के पक्ष में नया छडकजारी करने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के इस आदेश को मां दुर्गा माइनिंग वर्क्स ने

सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर कर चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया और इलाहाबाद हाईकोर्ट के 8 मई के छडकआदेश को अगली सुनवाई तक स्थगित कर दिया।

गौरतलब हो कि, सुप्रीम कोर्ट ने 11 जून 2026 को एक महत्वपूर्ण सुनवाई के दौरान विशेष अनुमति याचिका (SLP) दाखिल करने की अनुमति देते हुए सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया है। न्यायालय ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के 8 मई 2026 के उस आदेश पर अंतरिम रोक भी लगा दी है, जिसमें लेटर ऑफ इंटेंट (LOI) जारी करने का निर्देश दिया गया था। इस मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त 2026 को होगी। सुनवाई के दौरान एम/एस कांत कंस्ट्रक्शन कंपनी के अधिवक्ताओं ने नोटिस स्वीकार किया। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें चार सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामा (काउंटर एफिडेविट) दाखिल करने की अनुमति दी है। अन्य प्रतिवादियों को भी नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता को उत्तर प्रदेश राज्य की ओर से उपस्थित अधिवक्ताओं को नोटिस की सेवा कराने की अनुमति भी दी गई है। न्यायालय ने प्रतिवादियों को दो सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का समय दिया है, जिसके बाद याचिकाकर्ता को एक सप्ताह के भीतर प्रत्युत्तर (रिजॉइंडर) दाखिल करने की छूट प्रदान की गई है। मामले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के 8 मई 2026 के आदेश के उस हिस्से पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसमें संबंधित पक्ष के पक्ष में लेटर ऑफ इंटेंट (LOI) जारी करने का निर्देश दिया गया था। यह अंतरिम रोक अगली सुनवाई तक प्रभावी रहेगी। सभी पक्षों के जवाब दाखिल होने के बाद, इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 3 अगस्त 2026 को होगी। यह सुनवाई खनन क्षेत्र और संबंधित पक्षों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

जमुना कॉलोनी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था चरमराई

समाज जागरण विजय तिवारी

अनूपपुर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड जमुना कोतमा क्षेत्र के अंतर्गत जमुना कॉलरी में साफ सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। बताया जाता है कि सिविल विभाग द्वारा जिस ठेकेदार को साफ सफाई का कार्य ठेके के माध्यम से प्रदत्त किया गया है उसके द्वारा अपने कर्तव्यों का निर्माण ईमानदारी से नहीं किया जा रहा है साफ सफाई व्यवस्था पूरी तरह से थप्प पड़ी है, राजनीति क्षेत्र से जुड़े होने के कारण यूनियन नेता राजनीतिक दल के लोगों के घरों के आसपास एवं अधिकारियों के घर के आसपास साफ सफाई कर दी जाती है लेकिन कर्मचारी एवं श्रमिकों के आवास के सामने पीछे साफ सफाई ठीक ढंग से नहीं कराई जा रही है। महज औपचारिकता ही निभाया जा रहा है

प्री-मानसून तैयारियों पर भी उठे सवाल

बरसात का मौसम शुरू होने वाला है, लेकिन अभी तक प्री-मानसून तैयारियों के नाम पर कोई ठोस कार्य नहीं किया गया है।

कॉलोनियों की नालियों की सफाई नहीं हुई है, जल निकासी व्यवस्था अव्यवस्थित है और कई स्थानों पर कचरे के ढेर लगे हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सफाई और जल निकासी की व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो बारिश के दौरान जलभराव और संक्रामक बीमारियों की समस्या गंभीर रूप ले सकती है।

जयसिंहनगर के प्रभारी तहसीलदार सुषमा धुर्वे के प्रताड़ना से तंग होकर रमेश पटेल पटवारी ने दिया स्तीफा।

16 जून तक अगर कारवाई नहीं हुई तो भोपाल सी एम हाउस के सामने आत्मदाह करने की दी चेतावनी।

समाज जागरण

शहडोल जिले तहसील जयसिंह नगर से भस्टाचार का अनोखा मामला आया है जैयसिहनगर तहसील में पदस्थ रमेश पटेल पटवारी ने कमिश्नर शहडोल को अपने पद से इस्तीफा दे दिया जिसने पूरे प्रशासनिक हल्के में हड़कंप मच गया,। रमेश पटेल पटवारी ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि प्रभारी तहसीलदार ने नव नियुक्त एस डी एम काजोल सिंह के व्यावस्था के नाम पर प्रभारी तहसीलदार सुषमा धुर्वे ने चालिस हजार रुपए की मांग की गई तो पीड़ित पटवारी ने पांच हजार रुपए नकद एवं फोन पे पर पांच हजार रुपए दिए गए लेकिन खेद की बात है कि इसके बाद भी पैसे की मांग की जातीं रही और जब चालिस हजार रुपए नहीं मिले तो रमेश पटेल पटवारी का स्थानांतरण एवं निर्लंबित कर दिया गया और निलंबन अवधि का गुजारा भत्ता भी बंद कर दिया इस आर्थिक प्रताड़ना से तंग आकर कमिश्नर कार्यालय शहडोल पहुंच कर अपने पद से इस्तीफा दे

दिया और पांच दिवस के अंदर कारवाई न होने पर आगामी सोलह जून मुख्यमंत्री निवास भोपाल पहुंचकर निवास के सामने आत्मदाह करने की बात कही गई है अब इस मामले में कमिश्नर एवं कलेक्टर शहडोल व्दारा क्या कार्रवाई होती है देखने वाली बात होगी।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सांसद राहुल सिंह लोधी ने किया पौधारोपण

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह। पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत शुक्रवार सुबह आनंद धाम परिसर में राहुल सिंह लोधी ने पौधारोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर आंवला, जामुन सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, वन विभाग के अधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पौधारोपण किया। सांसद राहुल सिंह लोधी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित करने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है, ताकि वे भविष्य में विशाल वृक्ष बनकर पर्यावरण

संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अपनी मां के नाम अवश्य लगाए और उसकी जिम्मेदारी भी निभाए। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए समाज के हर वर्ग की सहभागिता जरूरी है।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन, जैव विविधता के संरक्षण एवं हरित क्षेत्र बढ़ाने की दिशा में सामूहिक प्रयासों पर भी जोर दिया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने पौधारोपण के महत्व और पौधों के संरक्षण के उपायों की जानकारी दी। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं ने अभियान को सफल बनाने तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पौधारोपण तक सीमित न रहकर जन-जन में पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करना और हरित भविष्य की नींव मजबूत करना रहा।

बांदकपुर में भगवती मानव कल्याण संगठन का स्वच्छता अभियान, प्रशासन की लापरवाही पर जताई नाराजगी

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी रोड

बांदकपुर (दमोह)। धर्मक्षेत्र जागेश्वर नाथ बाबा भोलेनाथ की नगरी बांदकपुर में रविवार को भगवती मानव कल्याण संगठन एवं भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के कार्यकताओं द्वारा व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान मंदिर परिसर, समाधि क्षेत्र, कुआं परिसर, बांदकपुर चौकी, मुख्य मार्गों एवं बाजार क्षेत्र में सफाई कर श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यकताओं ने कहा कि बांदकपुर प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है, जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इसके बावजूद तीर्थ क्षेत्र में साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन और अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है। कई स्थानों पर गंदगी और अव्यवस्थाएं देखने को मिल रही हैं, जिससे श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना करना पड़ता

है। संगठन के पदाधिकारियों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि धार्मिक महत्व के इस क्षेत्र में नियमित सफाई और व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन अपनी जिम्मेदारियों का पूरी तरह निर्वहन करे तो बांदकपुर को स्वच्छ, सुंदर और आदर्श तीर्थ क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। स्वच्छता अभियान में संगठन के प्रांतीय, संभागीय, जिला एवं ब्लॉक स्तरीय पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने सहभागिता निभाई। सभी ने लोगों से स्वच्छता बनाए रखने और सार्वजनिक स्थलों को साफ रखने में सहयोग करने की अपील की। अंत में भगवती मानव कल्याण संगठन एवं भारतीय शक्ति चेतना पार्टी ने प्रशासन से मांग की कि बांदकपुर तीर्थ क्षेत्र में नियमित साफ-सफाई, कचरा निष्पादन, पेयजल, शौचालय एवं अन्य आवशयक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध हो सके।

जिला पंचायत सदस्य नीरज प्रताप सिंह के जन्मदिन पर सियासी महाजुटान

विवेक कुमार दैनिक समाज जागरण संवाददाता

प्रचंड गर्मी में भी उमड़ी हजारों की भीड़, 'भावी विधायक' के रूप में मिली बधाइयाँ उ0प्र अंबेडकरनगर की राजनीति में मजबूत पकड़ रखने वाले बहुजन समाज पार्टी के कद्दावर नेता एवं वर्तमान जिला पंचायत सदस्य नीरज प्रताप सिंह का जन्मदिन काफी जज्बे धूमधाम के साथ मनाया गया। भीषण गर्मी के बावजूद हजारों की संख्या में कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और आमजन जन्मदिन समारोह में शामिल हुए। पूरा माहौल भावी विधायक जिंदाबाद के नारों से गूंजता रहा। सियासी दिग्गजों ने नीरज प्रताप सिंह जी के जनसेवा के कार्यों की सराहना

की और उनके उज्जवल राजनीतिक भविष्य की कामना की।

लखनऊ आवास पर रात 12 बजे भव्य जश्न

कल रात ठीक 12 बजे केक काटकर और जोरदार आतिशबाजी के साथ जन्मदिन की शुरूआत हुई भीड़ गर्मी के बावजूद भारी संख्या में समर्थकों की मौजूदगी रही। पूरा आवास नीरज प्रताप सिंह जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा। जिला पंचायत सदस्य के रूप में उनके जमीनी कार्यों को देखते हुए हर तरफ से उन्हें 'भावी विधायक' के रूप में बधाइयाँ और आशीर्वाद मिल रहे हैं।

इं0 निखिल चतुर्वेदी ने संभाला महाप्रबंधक (प्रशासन) का कार्यभार, कर्मचारी संघ ने किया स्वागत

विजय कुमार अग्रहरी/ ब्यूरो चीफ, समाज जागरण

सोनभद्र। ओबरा तापीय परियोजना में इं. निखिल चतुर्वेदी ने महाप्रबंधक (प्रशासन) का कार्यभार ग्रहण किया है। उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ ने उनका स्वागत किया और शुभ कामनाएं दीं। संघ की ओबरा शाखा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में श्री चतुर्वेदी का अभिनंदन किया गया। क्षेत्रीय मंत्री प्रदीप कुमार कनौ जिया और क्षेत्रीय अध्यक्ष अजीत कुमार साहू ने संयुक्त बधाई संदेश जारी किया। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि महाप्रबंधक (प्रशासन) के रूप में उनका कार्यभार ग्रहण करना परियो जना और कर्मचारियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभवी नेतृत्व, प्रशासनिक दक्षता और दूरदर्शी सोच से परियोजना की कार्य क्षमता बढ़ेगी और विद्युत उत्पादन में नई उपलब्धियां हासिल होंगी। पदाधिकारियों ने यह भी कहा कि उनके कुशल प्रशासन, नेतृत्व क्षमता और तकनीकी अनुभव से ओबरा तापीय परियोजना को नई दिशा और गति मिलेगी। इससे कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा, जिससे परियोजना के विकास को मजबूती मिलेगी। उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ ने महाप्रबंधक (प्रशासन) के सफल कार्यकाल की कामना की। इस अवसर पर अजीत कुमार साहू, प्रदीप कुमार कनौजिया के साथ यशपाल सिंह, विनोद यादव, शिवम सिंह और सौम्या चक्रवर्ती भी उपस्थित रहे।

डीएम ने डीएमएफ व राज्य योजना के कार्यों की समीक्षा की, पुल-सेतु परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

विजय कुमार अग्रहरी/ ब्यूरो चीफ समाज जागरण

सोनभद्र। जनपद में विकास परियोजनाओं को गति देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) और राज्य योजना ग्रामीण के तहत निमार्णाधीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं को सभी कार्य निर्धारित समयसीमा और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने पटवध-बसुहारी मार्ग पर घाघर नदी के ऊपर बन रहे सेतु और पहुंच मार्ग की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्यों में तेजी लाने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। यह सेतु क्षेत्र के हजारों लोगों के लिए सुरक्षित और सुगम आवागमन का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। इसके अतिरिक्त, ग्राम मारकुंडी-घुरमा मार्ग पर घाघर नदी पर स्थित पुराने और जर्जर पुल के स्थान पर बनाए जा रहे 8-सेल बॉक्स कल्वर्ट तथा सुरक्षात्मक कार्यों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने वर्षाकाल को ध्यान में रखते हुए इन कार्यों को प्राथमिकता से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्रीय जनता को आवागमन में कोई असुविधा न हो। बैठक के दौरान कलवारी-राबर्ट्सगंज राज्य मार्ग के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कार्य की प्रगति पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने जोर दिया कि बेहतर सड़क अवसंरचना से यातायात व्यवस्था मजबूत होगी और क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को नई गति मिलेगी।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को नियमित स्थलीय निरीक्षण कर परियोजनाओं की निगरानी करने और कार्यों की प्रगति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की प्राथमिकता वाली इन परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता में कमी स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इन सभी विकास कार्यों के पूर्ण होने के बाद क्षेत्रीय जनता को बेहतर संपर्क मार्ग, सुरक्षित आवागमन और अन्य आधारभूत सुविधाओं का लाभ मिलेगा। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी और कार्य दायी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

न्यायालय के आदेश की अवहेलना: 11 महीने बाद भी नहीं हुई जमीन की पत्थरगड्डी

कानूनगो व लेखपाल द्वारा दबंग व्यक्ति के प्रभाव में आकर की जा रही हीलाहवाली

पीड़ित व्यक्ति ने डीएम सोनभद्र व डिबाए सोनभद्र को प्रार्थना पत्र देकर लगाई गुहार

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। न्यायालय के आदेश के 11 महीने बाद भी जमीन की पथरगड्डी नहीं हुई। सिर्फ कानूनगो व लेखपाल द्वारा दबंग व्यक्ति के प्रभाव में आकर हीलाहवाली की जा रही है। पीड़ित व्यक्ति ने डीएम सोनभद्र व डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।

पीड़ित व्यक्ति मुल्ला खान पुत्र स्वर्गीय अरमान खान निवासी ग्राम बनौरा प्रथम, थाना पन्नूगंज, जिला सोनभद्र ने आरोप लगाया है कि डिप्टी कलेक्टर रॉबर्ट्सगंज के न्यायालय ने 25 जून 2025 को आराजी नम्बर 198 मि की पथरगड्डी का स्पष्ट आदेश पारित किया गया है। जिसमें राजस्व निरीक्षक व लेखपाल को टीम के साथ मौके पर जाकर सीमांकन करने को कहा गया था। बावजूद इसके 11 महीने बीत जाने के बाद भी कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं किया जा रहा है, बल्कि कानूनगो व लेखपाल द्वारा आदेश की अवहेलना की जा रही है।इतना ही नहीं कभी धान की फसल तो कभी गेहूं की फसल का बहाना बनाकर लगातार हीलाहवाली की जा रही है। यह कार्य जमीन के बगल के दबंग के प्रभाव में हो रहा है, क्योंकि दबंग ने जमीन के कुछ हिस्से पर अवैध कब्जा कर रखा है। दबंग व्यक्ति द्वारा जान मारने की धमकी भी दी जा रही है।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र मे पीड़ित व्यक्ति मुल्ला खान अपने अधिवक्ता पुत्र शाहनवाज आलम खान के साथ एक शिकायत पत्र डीबीए कार्यालय में देकर कोर्ट के आदेश का अनुपालन कराए जाने की मांग की है।

अदिति यादव पर आपत्तिजनक पोस्ट के विरोध में सपा कार्यकर्ता पहुंचे कोतवाली

विजय कुमार अग्रहरी/ ब्यूरो चीफ, समाज जागरण

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की बेटी अदिति यादव के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित रूप से की गई अभद्र टिप्पणियों के विरोध में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने सोनभद्र कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पार्टी नेताओं ने इस मामले में दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। सपा जिला सचिव प्रमोद यादव के नेतृत्व में कार्यकताओं ने प्रभारी निरीक्षक से मुलाकात कर तहरीर सौंपी। शिकायत में कहा गया कि सोशल मीडिया पर अदिति यादव के खिलाफ लगातार आपत्तिजनक और अमर्यादित भाषा का प्रयोग

किया जा रहा है, जो सामाजिक मयार्दाओं के विपरीत है और समाज में गलत संदेश देता है। प्रमोद यादव ने कहा कि राजनीति में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन किसी नेता के परिवार, बहन-बेटियों को निशाना बनाना निंदनीय है। उन्होंने कहा कि किसी भी जाति, धर्म या वर्ग की बेटी का अपमान स्वीकार नहीं किया जा सकता और ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले तीन-चार दिनों से सोशल मीडिया पर लगातार अदिति यादव के खिलाफ अनर्गल व अमर्यादित टिप्पणियां की जा रही हैं। ऐसे लोगों की तुलना कंश-दुर्योधन और समाज के लिए घातक राक्षस तत्वों से करते हुए कहा कि इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी सजा दिलाई जानी चाहिए। सपा नेताओं ने कहा कि महिलाओं और बेटियों के सम्मान की रक्षा समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की मांग की। इस दौरान कई समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महुआ बीनने निकली युवती का शव पेड़ से लटका मिला, सुसाइड नोट और युवक की तस्वीर बरामद

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। बभनी थाना क्षेत्र के बरवाटोला ग्राम पंचायत अंतर्गत सेवड़ी टोला में शुक्रवार सुबह एक 19 वर्षीय युवती का शव महुआ के पेड़ से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सेवड़ी टोला निवासी फूलमती पुत्री सोनशाय शुक्रवार भोर में महुआ के फल (डोरी) बीनने के लिए घर से निकली थी। सुबह करीब छह बजे महुआ बीनने पहुंचे कुछ बच्चों ने घर से लगभग 500 मीटर दूर एक महुआ के पेड़ पर युवती का शव लटकता देखा। बच्चों के शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी परिजनों व पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक मक्खन लाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर जांच शुरू की। घटनास्थल पर पेड़ के नीचे युवती का मोबाइल फोन मिला, जिसकी बैटरी निकली हुई थी और सिम कार्ड टूटा हुआ था। इसके अलावा चप्पल और गुल की एक डिब्बी भी बरामद हुई। पुलिस को पेड़ की डाल में बंधे दुपट्टे में एक सुसाइड नोट और एक युवक की तस्वीर भी मिली है। पुलिस ने सभी सामान को कब्जे में लेकर जांच के लिए सुरक्षित कर लिया है। प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। पंचनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भेज दिया गया। प्रभारी निरीक्षक दीन्नू प्रसाद यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट व अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बहन की शादी से पहले घर में मातम, भाई ने फांसी लगाकर दी जान

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के सलखन ग्राम पंचायत के भठवां टोला स्थित प्राथमिक विद्यालय के समीप रहने वाले बिजय पुत्र तेजबली (28) ने गुरुवार रात कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार, बिजय गुरुवार रात अपने कमरे में सोने के लिए गए थे। काफी देर तक बाहर न आने पर परिजनों को संदेह हुआ। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे जब कमरे का दरवाजा खोला गया तो उनका शव पंखे से फंदे के सहारे लटका मिला। यह दृश्य देखकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना तत्काल चोपन पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया। परिजनों के अनुसार, बिजय दो बच्चों के पिता थे और पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवादों के कारण मानसिक तनाव में चल रहे थे। बताया जा रहा है कि उनकी पत्नी मायके में रह रही थी, जिससे वह काफी परेशान रहते थे। घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। खास बात यह है कि बिजय की बहन उर्मिला की शादी आगामी 21 जून को तय थी और घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं। लेकिन इस हादसे के बाद खुशियों का माहौल मातम में बदल गया। चोपन पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग से दुष्कर्म व धमकी के आरोपी को ओबरा पुलिस ने किया गिरफ्तार

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

ओबरा/ सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा महिला अपराध पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत ओबरा पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की है। थाना ओबरा पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी शिवम प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी शिवम प्रजापति, पुत्र सुशील प्रजापति, निवासी सेक्टर 8 ओबरा, सोनभद्र का रहने वाला है। उसे 12 जून 2026 को सुबह 10:45 बजे चड्ढा मार्केट ओबरा से गिरफ्तार किया गया। यह गिरफ्तारी थाना ओबरा पर पंजीकृत मु.अ.सं. 129/26 से संबंधित है। इस मामले में 12 अगस्त 2026 को एक व्यक्ति ने ओबरा थाने में लिखित सूचना दी थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि शिवम प्रजापति लगभग एक वर्ष से उसकी 17 वर्षीय पुत्री का पीछा कर रहा था। उसने धीरे-धीरे पीड़िता से मित्रता स्थापित कर ली और उसे बहला-फुसलाकर होटल ले जाता था। भय और संकोच के कारण पीड़िता ने इन बातों की जानकारी अपने परिजनों को नहीं दी थी। शिकायत के अनुसार, 7 जून 2026 को शाम करीब 6:00 बजे जब पीड़िता कोचिंग से पढ़कर घर वापस आ रही थी, तभी शिवम प्रजापति ने उसे रोक लिया। उसने पीड़िता को गाली-गलौज करते हुए पूछा कि वह उससे मिलने क्यों नहीं आती। साथ ही, उसने धमकी दी कि यदि वह उससे मिलने नहीं आएगी तो उसके फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा और उसके भाई व पिता को जान से मार देगा। घटना के संबंध में पीड़िता ने घर पहुंचकर अपने परिजनों को पूरी जानकारी दी। इस घटना से नाबालिग पीड़िता अत्यंत भयभीत और मानसिक रूप से व्यथित थी। उक्त तहरीर के आधार पर थाना ओबरा में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 65(1), 64(2)M, 352, 351 (3), 127(2)बीएनएस और एससी/ एसटी एक्ट की धारा 3(1) द, 3(1)ध, 3(2)V के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक नगर अनिल कुमार के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक ओबरा सदानंद राय के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तार अभियुक्त शिवम प्रजापति की उम्र 21 वर्ष है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सदानंद राय और कांस्टेबल प्रवीण कुमार राय शामिल थे। मामले में आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जिलाधिकारी के नेतृत्व में सोनभद्र ने रचा नया कीर्तिमान, मात्र 7 दिनों में 80 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर प्रदेश में हासिल किया दूसरा स्थान

संपत्तियों के वैज्ञानिक एवं पारदर्शी मूल्यांकन की दिशा में सोनभद्र की बड़ी छलांग

मूल्यांकन सूची पुनरीक्षण अभियान को मिली ऐतिहासिक सफलता, 4 दिनों में 45 प्रतिशत तथा 7 दिनों में 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण

विजय कुमार अग्रहरी/ ब्यूरो चीफ, समाज जागरण

सोनभद्र। जनपद में आगामी जुलाई माह से लागू होने वाली नई मूल्यांकन सूची (सर्किल रेट) के निर्धारण हेतु जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। जिलाधिकारी के सतत अनुश्रवण, प्रभावी रणनीति एवं सभी संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप जनपद ने प्रदेश स्तर पर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विशेष खसरा फीडिंग अभियान के अंतर्गत मात्र 4 दिनों में लगभग 45 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया तथा केवल 7 दिनों में ही 80 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करते हुए सोनभद्र ने प्रदेशीय रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार दर्ज कर प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त कर लिया है। यह उपलब्धि जनपद प्रशासन की कार्यकुशलता एवं अधिकारियों- कर्मचारियों की प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। संपत्तियों के यथार्थ एवं वैज्ञानिक मूल्यांकन में खसरा संख्याओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इन्हीं के आधार पर भूमि की वास्तविक स्थिति, उपयोगिता तथा मूल्य को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों का सटीक आकलन किया जाता है। जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार जनपद की सभी तहसीलों में युद्धस्तर पर अभियान चलाकर खसरा संख्याओं की ऑनलाइन फीडिंग सुनिश्चित की जा रही है। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक भूमि की अवस्थिति का विस्तृत विवरण भी संकलित किया जा रहा है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि भूमि राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग अथवा अन्य मार्गों से किस प्रकार जुड़ी हुई है। साथ ही भूमि के आसपास उपलब्ध आवासीय, व्यावसायिक एवं अन्य विकासात्मक गतिविधियों का भी विवरण दर्ज किया जा रहा है। इससे संपत्तियों का बाजार मूल्य अधिक पारदर्शी, तर्कसंगत एवं वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप निर्धारित किया जा सकेगा। जनपद स्तर पर उपनिबंधक, राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा अन्य संबंधित विभागों के संयुक्त प्रयासों से यह कार्य निरंतर प्रगति पर है। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने निर्देशित किया है कि मूल्यांकन सूची का निर्माण स्थानीय परिस्थितियों, भूमि की वास्तविक उपयोगिता तथा बाजार की वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए किया जाए, जिससे आमजन को पारदर्शी, न्यायसंगत एवं व्यवहारिक व्यवस्था का लाभ प्राप्त हो सके। सोनभद्र की यह उपलब्धि न केवल प्रदेश में जनपद की कार्यक्षमता का परिचायक है, बल्कि भविष्य में अधिक सटीक एवं पारदर्शी सर्किल रेट निर्धारण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी सिद्ध होगी।

ओबरा इंटर कॉलेज को डीएवी को सौंपे जाने के तीन वर्ष पूरे, महंगी फीस व व्यवस्थाओं पर उठे सवाल

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

ओबरा/ सोनभद्र । ओबरा इंटर मीडिएट कॉलेज को डीएवी प्रबंधन के अधीन किए जाने के तीन वर्ष पूरे हो गए हैं। इस अवधि में विद्यालय की वर्तमान स्थिति को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। सामाजिक कार्यकर्ता और पूर्व छात्र विकास कुमार 'हलचल' ने दावा किया है कि डीएवी को विद्यालय सौंपने का निर्णय क्षेत्र के गरीब, आदिवासी और वनवासी छात्रों के हित में नहीं रहा, जिससे शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित हुई है। इस मुद्दे पर उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड ने भी अपनी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि जब से ओबरा इंटर कॉलेज सीबीएसई पैटर्न पर चला गया है, उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, शिक्षा मंत्री और जनपद के जिलाधिकारियों को कई बार इस समस्या से अवगत कराया है। मंत्री के अनुसार, यह क्षेत्र दूरस्थ है और यहां के गरीब बच्चे कम फीस में पढ़ते थे, लेकिन सीबीएसई होने के कारण फीस अधिक हो गई है, जिससे उन्हें परेशानी हो रही है। संजीव कुमार गोंड ने बताया कि जिलाधिकारी के साथ हुई एक बैठक में यह मुद्दा उठाया गया था। उस बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक (DIOS) को निर्देश दिया गया है कि वे जल्द से जल्द एक योजना बनाकर यह सुनिश्चित करें कि ओबरा इंटर कॉलेज पहले की तरह ही चले, ताकि गरीब छात्रों को सहूलियत मिल सके। राज्यमंत्री ने यह भी कहा कि वर्ष 2022 में ओबरा इंटर कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया बंद किए जाने के बाद विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिसके बाद कुछ समय के लिए प्रवेश दोबारा शुरू कराया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि बाद में विद्यालय को डीएवी के हवाले कर दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप छात्र संख्या में भारी गिरावट आई है। उनके दावे के अनुसार, जहां पहले विद्यालय में 1500 से अधिक छात्र अध्ययनरत थे, वहीं वर्तमान में यह संख्या 50 से भी कम रह गई है। विकास कुमार 'हलचल' ने विद्यालय में शिक्षकों की कमी, विषय विशेषज्ञों के अभाव, पेयजल व्यवस्था की खराब स्थिति और साफ-सफाई की कमी जैसे आरोप भी लगाए हैं। उनका कहना है कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही है और कई विषयों की पढ़ाई नियमित रूप से नहीं हो रही है। उन्होंने कुछ छात्रों को नियमों के विपरीत उत्तीर्ण किए जाने तथा फीस व टीसी से जुड़े मामलों पर भी सवाल उठाए हैं। बयान में यह भी कहा गया कि वर्ष 2021 से लेकर अब तक विद्यालय की स्थिति को लेकर कई स्तरों पर आंदोलन, धरना-प्रदर्शन, जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन और ऑनलाइन शिकायतें की गईं, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका।

उन्होंने सरकार और संबंधित विभागों से विद्यालय की स्थिति की निष्पक्ष जांच कराने तथा क्षेत्र के गरीब विद्यार्थियों के हित में आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया एफपीओ एवं स्वयं सहायता समूह आधारित जनपद विकास मॉडल प्रस्ताव

* "वोकल फॉर लोकल", "आत्मनिर्भर भारत" एवं "लखपति दीदी" जैसे राष्ट्रीय अभियानों के उद्देश्यों को भी प्रदान करेगी मजबूती

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। तेजस्वी संगठन न्यास के संस्थापक एवं अध्यक्ष इं.प्रकाश पाण्डेय ने सोनभद्र केजिलाधिकारी चर्चित गौड़ से शिष्टाचार भेंट कर संस्था का परिचयात्मक पत्र सौंपा तथा किसानों, महिला स्वयं सहायता समूहों (एसए चजी), किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ /एफपीसी) एवं युवाओं के आर्थिक सशक्ति करण हेतु तैयार एक व्यापक जनपद विकास मॉडल प्रस्ताव प्रस्तुत किया। भेंट के दौरान इंजी. प्रकाश पाण्डेय ने बताया कि तेजस्वी संगठन न्यास ग्रामीण विकास, कृषि उन्नयन, महिला उद्यमिता, स्वरोजगार, कौशल विकास एवं आजीविका संवर्धन के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। संस्था की प्रमुख पहल "तेजस्वी किसान मार्ट" किसानों, एफपीओ, स्वयं सहायता समूहों एवं ग्रामीण उद्यमियों को बाजार, ब्रांडिंग, पैकेजिंग एवं विपणन से जोड़ने का कार्य कर रही है।जिलाधिकारी को प्रस्तुत मॉडल प्रस्ताव में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरए लएम) के अंतर्गत संचालित स्वयं सहायता समूहों तथा किसान उत्पादक संगठनों के सहयोग से जनपद के प्रत्येक विकासखंड में तेजस्वी किसान मार्ट स्टोर स्थापित करने की कार्ययोजना रखी गई। इस मॉडल का उद्देश्य स्थानीय कृषि एवं ग्रामीण उत्पादों के लिए स्थायी विपणन व्यवस्था विकसित करना, महिला समूहों की आय में वृद्धि करना तथा ग्रामीण युवाओं को रोजगार एवं उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराना है।प्रस्ताव में बताया गया कि प्रत्येक विकासखंड में स्थापित होने वाले स्टोर किसानों, स्वयं सहायता समूहों एवं एफपीओ द्वारा उत्पादित आटा, दाल, चावल, श्रीअन्न, मसाले, सरसों तेल, गुड़, अचार, मुरब्बा, खाद्य प्रसंस्कृत उत्पाद एवं अन्य स्थानीय उत्पादों के विपणन केंद्र के रूप में कार्य करेंगे। इससे स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार मिलेगा तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्राप्त होगी। इंजी. प्रकाश पाण्डेय ने बताया कि इस मॉडल की व्यवहारिक सफलता का उदाहरण विकासखंड करमा की ग्राम पंचायत खुटहनिया में स्थापित लक्ष्मी गणेश आजीविका स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित तेजस्वी किसान मार्ट के 9वें स्टोर के रूप में देखा जा सकता है, जहां महिला समूह स्थानीय उत्पादों के विपणन एवं संचालन में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।उन्होंने कहा कि यह मॉडल केवल व्यापारिक गतिविधि तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण उद्यमिता एवं आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में एक समग्र प्रयास है।

यह पहल "वोकल फॉर लोकल", "आत्मनिर्भर भारत" एवं "लखपति दीदी" जैसे राष्ट्रीय अभियानों के उद्देश्यों को भी मजबूती प्रदान करेगी।इस अवसर पर तेजस्वी न्यूज लाइव के ब्यूरो चीफ कमलेश पाण्डेय भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जनपद के किसानों, महिलाओं एवं युवाओं के आर्थिक उत्थान तथा ग्रामीण विकास की संभावनाओं पर सकारात्मक चर्चा हुई। संस्था ने आशा व्यक्त की कि जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के सहयोग से यह मॉडल सोनभद्र के प्रत्येक विकासखंड में लागू होकर किसानों, महिला समूहों एवं युवाओं के लिए आर्थिक समृद्धि का नया मार्ग प्रशस्त करेगा।

रहस्यमयी मौत या हत्या? पुलिया के नीचे मिला युवक का शव, सघन जांच में जुटी पुलिस

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

चोपन/ सोनभद्र। जिले के चोपन थाना क्षेत्र के डाला पुलिस चौकी अंतर्गत गोरादह में एक पुलिया के नीचे संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव मिला है। रहस्यमयी परिस्थिति में मिले शव से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और हत्या की आशंका जताई जा रही है। मृतक की पहचान डाला बारी वैष्णो मंदिर के पीछे निवासी रवि धयिकार (लगभग 30 वर्ष) पुत्र राम गरीब के रूप में हुई है। रवि पिछले दो दिनों से अपने घर नहीं लौटा था, और परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। बताया जा रहा है कि गोरादह स्थित पुलिया के पास गाय चराने वाले एक चरवाहे को दुर्गंध महसूस हुई। उसने पुलिया के नीचे जाकर देखा तो वहां एक व्यक्ति का शव पड़ा था। शव मिलने की खबर तेजी से पूरे क्षेत्र में फैल गई, जिससे मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर रवि के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। शव देखते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना की जानकारी डायल 112 और डाला पुलिस को दी गई। डाला चौकी इंचार्ज घनश्याम तिवारी अपनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

जैप -7, पदमा में अलंकरण समारोह आयोजित, नवपदोन्नत आयुधिक निरीक्षक को किया गया सम्मानित

पंकज कुमार पाठक, समाज जागरण

पदमा, हजारीबाग। झारखंड सशस्त्र पुलिस-07, पदमा स्थित समादेष्टा कार्यालय में शुक्रवार को अलंकरण समारोह (पिपिंग सेरेमनी) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयुधिक अवर निरीक्षक (सशस्त्र) से पदोन्नत होकर आयुधिक निरीक्षक (सशस्त्र) बने सुनील कुमार यादव को बैज एवं स्टार लगाकर सम्मानित किया गया।

समारोह की अध्यक्षता समादेष्टा अविनाश कुमार ने की। उन्होंने नवपदोन्नत आयुधिक निरीक्षक सुनील कुमार यादव को पदोन्नति की बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान जैप-07 के पुलिस उपाधीक्षक राजेन्द्र कुमार दुबे, अमिता लकड़ा सहित अन्य वरीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में समादेष्टा अविनाश कुमार ने कहा कि पदोन्नति के साथ किसी भी पदाधिकारी की जिम्मेदारियां और जवाबदेही पहले से अधिक बढ़ जाती हैं। उन्होंने कहा कि एक कुशल पदाधिकारी वही होता है, जो अपने अधीनस्थ कर्मियों के बीच अनुशासन बनाए रखते हुए कर्तव्यों का निर्वहन करे तथा राष्ट्रहित और विभागीय प्रतिष्ठा के साथ-साथ कर्मियों के हितों का भी ध्यान रखे। उन्होंने उपस्थित सभी पदाधिकारियों को निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण भाव से अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

समारोह के अंत में समादेष्टा ने नवपदोन्नत आयुधिक निरीक्षक सुनील कुमार यादव को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल एवं गौरवपूर्ण कार्यकाल की कामना की।

विधायक सरयू राय ने सोनारी-कदमा का किया दौरा, लोगों की समस्याएं सुनीं, समाधान का दिया आश्वासन

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयु राय ने शुक्रवार को सोनारी और कदमा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों का दौरा कर स्थानीय लोगों से मुलाकात की तथा उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया और नागरिकों की शिकायतों के समाधान का आश्वासन दिया। दौरे के दौरान कई स्थानों पर लोगों ने उनका स्वागत एवं सम्मान भी किया।

विधायक सरयू राय सबसे पहले सोनारी स्थित जॉगर्स पार्क पहुंचे, जहां स्थानीय नागरिकों ने उनका शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने पार्क में मौजूद लोगों से बातचीत की और क्षेत्र की समस्याओं एवं विकास कार्यों को लेकर चर्चा की। स्थानीय निवासियों ने पार्क और आसपास के क्षेत्रों में आवश्यक सुविधाओं से संबंधित मुद्दों को उनके समक्ष रखा, जिस पर विधायक ने सकारात्मक पहल का भरोसा दिलाया।

इसके बाद सरयू राय सोनारी के निर्मल बस्ती, पंचवटी नगर और जाहिरा बस्ती पहुंचे। निर्मल बस्ती में स्थानीय लोगों ने उन्हें लंबे समय से जमा कचरे का ढेर दिखाया। बस्तीवासियों ने बताया कि कई दिनों से कूड़े का उठाव नहीं हुआ है, जिससे क्षेत्र में गंदगी फैल रही है और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विधायक ने संबंधित विभाग से इस समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया। जाहिरा बस्ती में लोगों ने विधायक को क्षेत्र में बिछाए जा रहे पेवर्स ब्लॉक निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर शिकायत की। स्थानीय निवासियों का कहना था कि पेवर्स ब्लॉक सही तरीके से नहीं लगाए जा रहे हैं और उन पर चलने के दौरान वे हिलते हैं तथा ऊपर-नीचे हो जाते हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में निर्धारित मात्रा से कम बालू का उपयोग किया जा रहा है, जिसके कारण कार्य की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। विधायक ने मौके पर शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित एजेंसी से जांच कराने की बात कही।

इसके उपरांत विधायक पंचवटी नगर पहुंचे, जहां नाली निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढों को लंबे समय से खुला छोड़ देने की शिकायत सामने आई। स्थानीय लोगों ने बताया कि अधूरे निर्माण कार्य के कारण राहगीरों और क्षेत्रवासियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा निवासियों ने यह भी बताया कि कई इलाकों में नियमित रूप से पेयजल आपूर्ति नहीं हो रही है और टाटा स्टील यूआईएसएल (पूर्व में जुस्को) द्वारा पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। विधायक ने इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से बात कर समाधान कराने का भरोसा दिलाया।

पंचवटी नगर में ही बलराम भट्ठा क्षेत्र की कई महिलाएं भी विधायक से मिलने पहुंचीं। उन्होंने अपने मोहल्ले की विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। महिलाओं ने क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी परेशानियों को सामने रखते हुए शीघ्र समाधान की मांग की। विधायक ने उनकी समस्याओं को भी ध्यानपूर्वक सुना और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

दौरे के अंतिम चरण में सरयू राय कदमा के शास्त्री नगर क्षेत्र पहुंचे। यहां संतोषी माता मंदिर क्षेत्र तथा आसपास के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों ने उन्हें बताया कि चापाकलों से गंदा और दूषित पानी निकल रहा है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। स्थानीय नागरिकों ने यह भी शिकायत की कि क्षेत्र के छठ घाट का निर्माण कार्य संतोषजनक नहीं है। लोगों के अनुसार घाट की सीढ़ियों के बीच अत्यधिक अंतर होने के कारण श्रद्धालुओं को चढ़ने-उतरने में कठिनाई होती है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

इस दौरान विधायक सरयू राय ने बस्तीवासियों को बताया कि हाल ही में उन्होंने उपायुक्त से मुलाकात कर बस्तियों में पानी और बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराने में आ रही बाधाओं का मुद्दा उठाया है। उन्होंने उपायुक्त से आग्रह किया है कि टाटा स्टील यूआईएसएल और जेएनएसी की संयुक्त बैठक बुलाकर इन समस्याओं का स्थायी समाधान निकाला जाए। विधायक के अनुसार उपायुक्त ने शीघ्र बैठक आयोजित करने का आश्वासन दिया है।

दौरे के दौरान जनसुविधा प्रतिनिधि मुकुल मिश्रा, उत्तम कुमार, बाबू सिंह, नरेश बागती, प्रदीप सिंह, अजीत सिंह, भीम सिंह, मनोज सिंह, तारक मुखर्जी, केपी सिंह, संदीप सिंह सहित अन्य स्थानीय कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित थे। विधायक ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है और क्षेत्र के विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

विश्व बाल मजदूर निषेध दिवस पर BBIC फाउंडेशन की जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक से दिया बाल श्रम उन्मूलन का संदेश

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर विश्व बाल मजदूर निषेध दिवस के अवसर पर गुरुवार को ब्रिंग बैक इंडियन कल्चर (BBIC) फाउंडेशन द्वारा बाल मजदूरी के खिलाफ व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर लोगों को बाल श्रम के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया तथा बच्चों के शिक्षा के अधिकार और उनके बेहतर भविष्य के प्रति समाज को संवेदनशील बनाने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम में फाउंडेशन से जुड़े बच्चों एवं युवा स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जागरूकता रैली शहर के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरी, जहां प्रतिभागियों ने बाल मजदूरी के खिलाफ संदेश लिखी तख्तियां और बैनर लेकर लोगों को जागरूक किया। रैली के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि बाल मजदूरी बच्चों के अधिकारों का हनन है और इसके उन्मूलन के लिए समाज के हर वर्ग को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

रैली के बाद विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए। इन नाटकों के माध्यम से बाल श्रम की समस्या, इसके सामाजिक और मानसिक प्रभावों तथा शिक्षा से वंचित बच्चों की चुनौतियों को प्रभावशाली ढंग से दशार्या गया। कलाकारों ने यह भी दिखाया कि शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का आधार है और बाल मजदूरी उनके विकास के अवसरों को सीमित कर देती है। नुक्कड़ नाटक को लोगों ने काफी सराहा और बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम को ध्यानपूर्वक देखा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लेबर सुपरिटेंडेंट सत्येंद्र कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि बाल मजदूरी केवल कानूनी अपराध ही नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक बुराई भी है। उन्होंने कहा कि किसी भी बच्चे का बचपन मजदूरी में नहीं, बल्कि शिक्षा और संस्कारों के वातावरण में बीतना चाहिए। उन्होंने समाज, अभिभावकों, शिक्षकों और सामाजिक संगठनों से मिलकर बाल मजदूरी के खिलाफ अभियान चलाने और बच्चों को विद्यालयों से जोड़ने की अपील की। साथ ही उन्होंने बाल अधिकारों की रक्षा को समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बताया।

BBIC फाउंडेशन के सह-संस्थापक कृष्णकांत राय ने कहा कि प्रत्येक बच्चे का स्थान विद्यालय में है, कार्यस्थल पर नहीं। उन्होंने कहा कि बाल मजदूरी बच्चों के सपनों और संभावनाओं को कुचल देती है। इसलिए आवश्यक है कि समाज बाल श्रम के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाए और जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने में सहयोग करे।

कार्यक्रम में संस्था की संस्थापक सदस्य पम्मी राय, संतोष राय, कोऑर्डिनेटर अमित राम, रायमनी टुडू, संजय पिगुआ, शिक्षिका शांति पिगुआ, पानो, रिंकी देवगम सहित संस्था के अनेक सदस्य, स्वयंसेवक और बच्चे उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने बाल मजदूरी के खिलाफ निरंतर जागरूकता अभियान चलाने तथा अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का संकल्प लिया। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में जागरूकता बढ़ाने और बाल अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार प्रयास जारी रहेंगे।

रामजनम नगर फायरिंग कांड का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार; देसी पिस्टल और कारतूस बरामद

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर कदमा थाना क्षेत्र के रामजनम नगर में हाल ही में हुई फायरिंग की घटना का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक देसी पिस्टल, चार जिंदा कारतूस तथा घटनास्थल से दो फायर किए गए खोखे बरामद किए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई को शहर में अपराध नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में सिटी एसपी ललित मीणा ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि 10 जून को रामजनम नगर निवासी ऋषि नाग ने कदमा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया था कि पुरानी रंजिश को लेकर आयु कर्मकार और उसके साथियों ने उनके साथ मारपीट की थी। इतना ही नहीं, आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग भी की थी, जिससे इलाके में दहशत फैल गई थी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए कदमा थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। मामले की जांच के लिए विशेष टीम गठित की गई और विभिन्न स्थानों पर छापेमारी अभियान चलाया गया। तकनीकी साक्ष्यों, स्थानीय सूचना तंत्र तथा गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी आयु कर्मकार (20 वर्ष) और राजेश लोहार (35 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। बाद में मामले में शामिल दो अन्य आरोपियों को भी हिरासत में लिया गया।

पुलिस पूछताछ के दौरान दोनों मुख्य आरोपियों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने आयु कर्मकार के कब्जे से एक देसी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया। वहीं राजेश लोहार के पास से तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए। इसके अतिरिक्त पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर वहां से दो फायर किए गए खोखे भी बरामद किए, जिन्हें जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है।

सिटी एसपी ललित मीणा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि घटना के पीछे पुरानी आपसी रंजिश प्रमुख कारण थी। इसी विवाद को लेकर आरोपियों ने पीड़ित पक्ष के साथ मारपीट की और बाद में फायरिंग की घटना को अंजाम दिया। हालांकि पुलिस अभी मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि घटना में और कौन-कौन लोग शामिल थे तथा इसके पीछे कोई अन्य कारण तो नहीं था।

उन्होंने कहा कि शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि, अवैध हथियारों के प्रयोग या समाज में भय का माहौल पैदा करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस लगातार अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान चला रही है और ऐसे मामलों में किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है। उनके आपराधिक इतिहास और अन्य संभावित कनेक्शनों की भी जांच की जा रही है। बरामद हथियार और कारतूस को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है ताकि यह पुष्टि की जा सके कि घटना में इस्तेमाल हथियार वही है या नहीं।

फिलहाल पुलिस ने चारों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मामले की जांच जारी है और पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान यदि किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है और पुलिस की तत्परता की सराहना की है।

पलामू में पानी पीने पहुंचे जानवरों पर रखी गई नजर, जंगल में 14 घंटे डटी रही टीम

भीषण गर्मी में वाटरहोल सेंसस से हुई वन्यजीवों की निगरानी, जुटाया गया अहम डेटा

समाज जागरण पलामू

पलामू। भीषण गर्मी के मौसम में जब जंगलों के अधिकांश जलस्त्रोत सूखने लगते हैं, तब वन्यजीव पानी की तलाश में सीमित जलस्त्रोतों की ओर पहुंचते हैं। इसी अवसर का लाभ उठाकर पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) में वन्यजीवों की निगरानी और उनकी संख्या के आकलन के लिए पारंपरिक "वाटरहोल सेंसस-2026" का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष अभियान के तहत वनकर्मियों और स्वयंसेवकों की टीम लगातार 14 घंटे तक जंगल के विभिन्न जलस्त्रोतों पर नजर बनाए रही।

पलामू टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर प्रजेश कांत जैना ने बताया कि पलामू का देश के वन्यजीव संरक्षण के इतिहास में विशेष स्थान है। भारत में बाघों की गणना की शुरूआत भी इसी क्षेत्र से हुई थी। वन्यजीवों के अध्ययन और संरक्षण के क्षेत्र में पलामू टाइगर रिजर्व लंबे समय से महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है।

उन्होंने बताया कि वाटरहोल सेंसस वन्यजीवों की निगरानी का एक पारंपरिक होने के साथ-साथ वैज्ञानिक तरीका भी है, जिसका उपयोग आज भी प्रभावी रूप से किया जाता है। यह गतिविधि मुख्य रूप से गर्मी के मौसम में आयोजित की जाती है, जब जंगल के जानवर पानी पीने के लिए निर्धारित जलस्त्रोतों पर पहुंचते हैं।

इस दौरान वन विभाग के कर्मचारी और प्रशिक्षित स्वयंसेवक मचानों एवं छिपे हुए स्थानों पर तैनात रहकर वन्यजीवों की गतिविधियों का सूक्ष्म अवलोकन करते हैं। वे यह दर्ज करते हैं कि कौन-कौन से वन्यजीव किस जलस्त्रोत पर पहुंचे, उनकी संख्या कितनी थी और वे किस समय पानी पीने आए।

वन विभाग के अनुसार, इस प्रक्रिया से प्राप्त आंकड़े वन्यजीवों की वास्तविक स्थिति को समझने, उनके व्यवहार का अध्ययन करने और भविष्य की संरक्षण रणनीतियां तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे जंगल में मौजूद जैव विविधता का आकलन करने के साथ-साथ वन्यजीव संरक्षण के प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलती है।

भीषण गर्मी के बीच 14 घंटे तक जंगल में डटी टीम की यह मेहनत वन्यजीव संरक्षण के प्रति विभाग की गंभीरता और प्रतिबद्धता को भी दशार्ती है।

टाटा स्टील UISL की JUC यूटिलिटीज का रक्तदान शिविर सफल, 207 यूनिट रक्त संग्रहित

जमशेदपुर: टाटा स्टील UISL की खवउ यूटिलिटीज द्वारा

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर ब्लड सेंटर में एक सफल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस सामाजिक पहल के माध्यम से संगठन ने सामुदायिक कल्याण, स्वास्थ्य सेवाओं और मानवीय मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर मजबूती से प्रदर्शित किया। शिविर में कर्मचारियों, वरिष्ठ नेतृत्व, यूनियन प्रतिनिधियों तथा अन्य स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया।

रक्तदान शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा समाज में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सामाजिक दायित्व के निर्वहन में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। शिविर में मौजूद चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने रक्तदाताओं के स्वास्थ्य परीक्षण के बाद सुरक्षित तरीके से रक्त संग्रहण की प्रक्रिया पूरी की।

इस आयोजन की विशेष उपलब्धि यह रही कि रक्तदान शिविर के दौरान कुल 207 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। यह रक्त विभिन्न अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों में उपचाररत मरीजों के लिए जीवनदायी साबित होगा। विशेष रूप से दुर्घटना पीड़ितों, गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों तथा आपातकालीन चिकित्सा जरूरतों के दौरान इस रक्त का उपयोग किया जा सकेगा।

कार्यक्रम में शामिल वरिष्ठ अधिकारियों ने रक्तदाताओं और स्वयंसेवकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का सबसे श्रेष्ठ माध्यमों में से एक है। एक यूनिट रक्त कई लोगों के जीवन को बचाने में सहायक हो सकता है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

टाटा स्टील UISL की JUC यूटिलिटीज लंबे समय से सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों का संचालन करती रही है। संगठन न केवल अपनी परिचालन जिम्मेदारियों का निर्वहन करता है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में भी निरंतर योगदान देता है। रक्तदान शिविर उसी प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

शिविर की सफलता में रक्तदाताओं, स्वयंसेवकों, चिकित्सकीय टीम तथा आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस पहल ने यह संदेश दिया कि सामूहिक प्रयासों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए हर व्यक्ति अपना योगदान दे सकता है।

5 साल की मेहनत लाई रंग, टीम इंडिया अंडर-19 में चुनी गई रांची की पलक सिंह

समाज जागरण रांची

रांची। झारखंड की राजधानी रांची की युवा क्रिकेटर पलक सिंह ने अपनी प्रतिभा और अथक मेहनत के दम पर भारतीय महिला अंडर-19 क्रिकेट टीम में जगह बनाकर पूरे राज्य का मान बढ़ाया है। 17 वर्षीय पलक का चयन श्रीलंका के खिलाफ होने वाली आगामी श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में किया गया है। उनकी इस उपलब्धि से झारखंड के खेल जगत में खुशी और गर्व का माहौल है।

बाएं हाथ की बल्लेबाज और तेज गेंदबाज पलक सिंह ने महज 12 वर्ष की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया था। केवल पांच वर्षों की लगातार मेहनत, अनुशासन और समर्पण ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया। पलक एक बेहतरीन ऑलराउंडर खिलाड़ी हैं, हालांकि उनकी पहली पसंद गेंदबाजी है।

पलक ने अपनी सफलता का श्रेय कठिन परिश्रम और नियमित अभ्यास को दिया। उन्होंने बताया कि वह सुबह और रात दोनों समय अभ्यास करती थीं। उनका मानना है कि क्रिकेट में आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रैक्टिस और आत्मविश्वास सबसे जरूरी होता है।

बल्लेबाजी में पलक भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना को अपना आदर्श मानती हैं, जबकि पुरुष क्रिकेट में उन्हें विराट कोहली की बल्लेबाजी शैली और उनके शॉट्स बेहद पसंद हैं। पलक के लिए यह भी सौभाग्य की बात रही कि उन्हें कई अवसरों पर भारत के पूर्व कप्तान और झारखंड के गौरव महेंद्र सिंह धोनी से मार्गदर्शन और सलाह प्राप्त हुई, जिससे उनके खेल में और निखार आया।

पलक सिंह का भारतीय अंडर-19 टीम में चयन झारखंड क्रिकेट के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। झारखंड पहले ही हॉकी, तीरंदाजी और अन्य खेलों में अपनी पहचान बना चुका है, वहीं अब राज्य की बेटियां क्रिकेट के मैदान पर भी देश का नाम रोशन कर रही हैं।

पलक की इस उपलब्धि ने राज्य की युवा खिलाड़ियों, विशेषकर बेटियों को यह संदेश दिया है कि दृढ़ संकल्प, कठिन मेहनत और लगन के बल पर कोई भी सपना साकार किया जा सकता है।

10 जिलों में बारिश का अलर्ट, 60 किमी की रफ्तार से चल सकती हैं तेज हवाएं

झारखंड में बदला मौसम का मिजाज, कई जिलों में भारी बारिश और वज्रपात की चेतावनी

समाज जागरण रांची

रांची। झारखंड में मौसम का मिजाज बदल गया है और लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश, तेज आंधी और वज्रपात की संभावना जताई है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के झारखंड की ओर तेजी से बढ़ने के कारण मौसम में यह बदलाव देखने को मिल रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के दुमका, जामताड़ा, देवघर, धनबाद, गिरिडीह, बोकारो, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां समेत कई जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। इन क्षेत्रों में बादलों की सक्रियता बढ़ने के साथ तेज वर्षा होने की संभावना व्यक्त की गई है।

वहीं धनबाद, बोकारो, कोडरमा सहित कुछ जिलों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का भी अलर्ट जारी किया गया है। गरज-चमक के साथ वज्रपात की आशंका को देखते हुए मौसम विभाग ने लोगों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है।

मौसम वैज्ञानिकों ने सलाह दी है कि खराब मौसम के दौरान खुले मैदानों, पेड़ों के नीचे तथा बिजली के खंभों के आसपास खड़े होने से बचें। किसान भाइयों को भी चेतावनी दी गई है कि तेज बारिश और आंधी-तूफान की संभावना को देखते हुए खेतों में काम करने से परहेज करें और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

राजधानी रांची समेत राज्य के कई हिस्सों में आसमान में बादलों की आवाजाही बनी हुई है। मौसम विभाग का मानना है कि अगले कुछ दिनों तक झारखंड में प्री-मानसून गतिविधियां जारी रह सकती हैं, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज होने और लोगों को गर्मी से राहत मिलने की संभावना है।

प्रशासन ने भी लोगों से मौसम विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने और किसी भी आपात स्थिति में स्थानीय प्रशासन से संपर्क करने की अपील की है।

हाइट सिर्फ 4 फीट, लेकिन हौसले आसमान से ऊंचे... सोशल मीडिया पर छाए झारखंडी छोटू दादा

कॉमेडी वीडियो से बिखेर रहे मुस्कान, मेहनत और आत्मविश्वास से लिखी सफलता की कहानी

समाज जागरण कोडरमा

कोडरमा। जिले के जयनगर प्रखंड स्थित कन्द्रापड़ी गांव के 26 वर्षीय शिव शंकर मंडल आज हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। महज 4 फीट की हाइट होने के बावजूद उन्होंने कभी अपनी शारीरिक बनावट को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और कड़ी मेहनत के दम पर उन्होंने सोशल मीडिया की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। आज लोग उन्हें प्यार से 'झारखंडी छोटू दादा' के नाम से जानते हैं।

पारिवारिक कॉमेडी वीडियो के माध्यम से लोगों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरने वाले शिव शंकर मंडल सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रिय हुए हैं। उनकी सहज अभिनय शैली और घरेलू परिवेश से जुड़ी हास्य प्रस्तुतियों को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है।

विशेष बातचीत में शिव शंकर मंडल ने बताया कि सोशल मीडिया और शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म ने युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोले हैं। शुरूआत में गांव के लोगों ने उनकी कम हाइट को देखते हुए उन्हें कंटेंट क्रिएशन के क्षेत्र में हाथ आजमाने की सलाह दी। लोगों के प्रोत्साहन और अपने आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने इस क्षेत्र में कदम रखा और पीछे मुड़कर नहीं देखा।

उन्होंने बरही स्थित रघुवीर स्टूडियो एंड रिकॉर्डिंग से अपने सफर की शुरूआत की। इसके बाद चर्चित कंटेंट क्रिएटर महेंद्रा कॉमेडी के साथ मिलकर पारिवारिक कॉमेडी वीडियो बनाने लगे। धीरे-धीरे उनकी प्रतिभा को पहचान मिली और उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती गई।

शिव शंकर मंडल केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वह इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकान भी संचालित करते हैं। वह अपने व्यवसाय और कंटेंट क्रिएशन दोनों को समान जिम्मेदारी और समर्पण के साथ आगे बढ़ा रहे हैं।

उनकी कहानी यह संदेश देती है कि जीवन में सफलता पाने के लिए शारीरिक सीमाएं नहीं, बल्कि मजबूत इरादे, मेहनत और खुद पर विश्वास सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। आज 'झारखंडी छोटू दादा' अपनी प्रतिभा के दम पर न सिर्फ लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं, बल्कि समाज को यह प्रेरणा भी दे रहे हैं कि कोई भी चुनौती इंसान के सपनों से बड़ी नहीं होती।

एसडीएम के आदेश के बावजूद नहीं हटाया गया अतिक्रमण, डीएम से हस्तक्षेप की मांग

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो, किशनगंज।

12 जून। अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) किशनगंज द्वारा जारी संयुक्त आदेश के बावजूद निर्धारित तिथि को सरकारी भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता एवं राष्ट्रीय आरटीआई कार्यकर्ता हसीबुर रहमान ने जिला पदाधिकारी (डीएम) किशनगंज को आवेदन देकर तत्काल हस्तक्षेप एवं आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अपर समाहर्ता, किशनगंज द्वारा जमाबंदी रद्दीकरण वाद संख्या 11/2022-23 में पारित आदेश के आलोक में मौजा काशीपुर, थाना संख्या-04, खाता संख्या-174 एवं खेसरा संख्या-808 की जमाबंदी रद्द कर दी गई थी। प्रशासनिक अभिलेखों के अनुसार उक्त भूमि पर कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से चाय की खेती कर अतिक्रमण किया जा रहा है।

अंचल कार्यालय की ओर से अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए जाने तथा उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराए जाने के बावजूद भूमि को अतिक्रमणमुक्त नहीं कराया जा सका। इसके बाद अनुमंडल प्रशासन ने 12 जून 2026 को अतिक्रमण हटाने के लिए दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी तथा 50 महिला एवं 50 पुरुष पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति करते हुए संयुक्त आदेश जारी किया था।

इसके बावजूद निर्धारित तिथि को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं हो सकी, जिससे अनुमंडल पदाधिकारी के आदेश का अनुपालन अधूरा रह गया। हसीबुर रहमान ने कहा कि सक्षम प्रशासनिक आदेश के बावजूद कार्रवाई नहीं होना गंभीर चिंता का विषय है। इससे सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा यथावत बना हुआ है तथा प्रशासनिक आदेशों की प्रभावशीलता पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा होता है। उन्होंने जिला पदाधिकारी से मामले की जांच कर कार्रवाई नहीं होने के कारणों का पता लगाने, संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने तथा भूमि को शीघ्र अतिक्रमणमुक्त कराने की मांग की है।यह संस्करण समाचार-पत्रों में प्रकाशित होने वाली पेशेवर रिपोर्टिंग शैली के अधिक निकट है।

रिशु श्री टेंडर घोटाला: मुख्य आरोपी की न्यायिक हिरासत 25 जून तक बढ़ी, बढ़ सकती हैं कई रसूखदारों की मुश्किलें

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार के बहुचर्चित रिशु श्री टेंडर घोटाला मामले में आज एक महत्वपूर्ण मोड़ आया। निगरानी की विशेष अदालत ने मामले के मुख्य आरोपी और चर्चित ठेकेदार रिशु श्री की न्यायिक हिरासत की अवधि को 14 दिनों के लिए और बढ़ा दिया है। अदालत के इस सख्त रुख के बाद आरोपी को अब आगामी 25 जून तक पटना की बेउर जेल में ही रहना होगा। गिरफ्तारी के बाद रिशु श्री को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था, जिसकी अवधि आज समाप्त हो रही थी। भारी सुरक्षा के बीच उन्हें निगरानी कोर्ट में पेश किया गया। मामले की गंभीरता और जांच एजेंसियों द्वारा पेश किए गए ठोस तर्कों को देखते हुए अदालत ने उनकी जमानत याचिका पर कोई राहत न देते हुए हिरासत अवधि को बढ़ा दिया है। बिहार में करोड़ों रुपये का यह टेंडर घोटाला सियासी और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। रिशु श्री पर आरोप है कि उन्होंने सरकारी टेंडरों को हासिल करने के लिए नियमों की धज्जियां उड़ाईं और बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ियां कीं। यह घोटाला कई प्रभावशाली लोगों और विभागों से जुड़ा माना जा रहा है। राज्य सरकार ने भी इस मामले में 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई के संकेत दिए हैं। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी स्पष्ट कर दिया है कि दोषी चाहे कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। सूत्रों की मानें तो रिशु श्री की हिरासत बढ़ने के बाद अब निगरानी विभाग जेल में उनसे गहन पूछताछ की तैयारी कर रहा है। जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि इस पूछताछ से घोटाले में शामिल अन्य रसूखदारों के नाम भी सामने आ सकते हैं। फिलहाल, रिशु श्री के अधिवक्ता जमानत के लिए कानूनी प्रयास कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल उन्हें अदालत से कोई राहत मिलती नहीं दिख रही है। मामले की आगामी सुनवाई पर सबकी नजरें टिकी हैं।

पटना से प्रशिक्षण लेकर लौट रहे मधेपुरा के तीन थानाध्यक्षों समेत चार की मौत, पुलिस महकमे में शोक की लहर

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार पुलिस के लिए गुरुवार की रात एक ऐसा काला अध्याय लेकर आई, जिसने चार परिवारों को ताउम्र न भरने वाला जख्म दे दिया। पटना से प्रशिक्षण लेकर मधेपुरा लौट रहे जिले के तीन थानाध्यक्षों और एक निजी चालक की दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए और चारों लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मिली जानकारी के अनुसार, राज्य पुलिस मुख्यालय में NCRB और NIC के विशेषज्ञों द्वारा थानाध्यक्षों को सीसीटीएनएस (CCTNS) का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा था। इस प्रशिक्षण में भाग लेने के बाद मधेपुरा जिले के अरार थानाध्यक्ष ज्ञानेंद्र अमरेंद्र, रतवारा थानाध्यक्ष साजन कुमार पासवान और बेलारी थानाध्यक्ष नीरज कुमार गुरुवार शाम करीब साढ़े छह बजे एक कार से मधेपुरा के लिए निकले। गाड़ी को उदाकिशुनगंज के रहने वाले निजी चालक ज्योतिष कुमार चला रहे थे।

देर रात करीब एक बजे जब उनकी गाड़ी बेगूसराय के साहेबपुरकमाल थाना क्षेत्र से गुजर रही थी, तभी राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े एक ट्रक में उनकी कार अनियंत्रित होकर जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि किसी को भी संभलने का मौका नहीं मिला। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक चारों की सांसें थम चुकी थीं। इस हादसे ने पुलिस विभाग के तीन होनहार अधिकारियों को छीन लिया। मृतकों में कटिहार जिले के मनिहारी निवासी ज्ञानेंद्र 2009 बैच के दारोगा थे। सितंबर 2025 से वे अरार थाने की कमान संभाल रहे थे। उनकी गिनती विभाग के शांत और मृदुभाषी अधिकारियों में होती थी। जबकि कैमूर जिले के भभुआ निवासी साजन 2018 बैच के अधिकारी थे। अगस्त 2025 से वे रतवारा थाने में पदस्थापित थे। उनके घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन एक झटके में खुशियां मातम में बदल गईं। वही गया के रहने वाले नीरज 2018 बैच के ही दारोगा थे। उन्हें बेलारी थाने की जिम्मेदारी संभाले महज एक सप्ताह ही हुए थे। वे अपने पीछे एक साल का मासूम बेटा और पत्नी छोड़ गए हैं। इसके अलावे हादसे में जान गंवाने वाले चौथे व्यक्ति निजी चालक ज्योतिष कुमार थे, जो उदाकिशुनगंज थाना के चालक मनोज पासवान के पुत्र थे। हादसे की खबर जैसे ही संबंधित परिवारों तक पहुंची, कोहराम मच गया। किसी के सिर से पिता का साया उठ गया, तो किसी बूढ़े माता-पिता के बुढ़ापे का सहारा छिन गया। पुलिस मुख्यालय और मधेपुरा पुलिस महकमे में भी गहरा शोक व्याप्त है। अधिकारियों ने इस घटना को एक अपूरणीय क्षति बताया है। इस हादसे ने सुरक्षा मानकों और सड़क हादसों की भयावहता पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एनटीपीसी खैरा थाना पुलिस ने सुरार गांव से अंग्रेजी शराब के साथ 1 तस्कर को किया गिरफ्तार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नवीनगर प्रखंड के एनटीपीसी खैरा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 18 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है। वहीं मौके से एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान पटना जिले के लालबाबू चौधरी के रूप में की गई है।थानाध्यक्ष परमजीत कुमार मंडल ने बताया कि पुलिस को गुप्त आसूचना मिली थी कि नवीनगर प्रखंड अंतर्गत ग्राम सुरार में अवैध अंग्रेजी शराब की खेप छिपाकर रखी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत छापेमारी की।छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से कुल 18 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद कर ली। इस कार्रवाई में पुलिस ने मौके से एक अभियुक्त को भी दबोच लिया। गिरफ्तार तस्कर पर प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

आरबीएसके ने छह माह की अनीशा को दिया नया जीवन

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो, किशनगंज।

12 जून। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) की पहल से एक गरीब टोटो चालक की छह माह की बेटी अनीशा कुमारी को नया जीवन मिला है। किशनगंज प्रखंड के कचरिया गांव निवासी रोनित बसाक और राखी देवी की बेटी जन्म से ही क्लेफ्ट लिप एवं पैलेट (कटे होंठ और कटे तालू) की समस्या से पीड़ित थी।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए बच्ची का इलाज कराना संभव नहीं था। इसी बीच आरबीएसके टीम ने आंगनबाड़ी केंद्र पर नियमित स्वास्थ्य जांच के दौरान अनीशा की पहचान की और उसके निःशुल्क इलाज की व्यवस्था कराई। इसके बाद बच्ची को आईजीआईएमएस, पटना रेफर किया गया, जहां 10 जून को उसका सफल ऑपरेशन किया गया।

बच्ची की मां राखी देवी ने बताया कि आरबीएसके टीम के सहयोग से उनकी बेटी का इलाज संभव हो सका। वहीं पिता रोनित बसाक ने इसे परिवार के लिए किसी वरदान से कम नहीं बताया।

सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने कहा कि क्लेफ्ट लिप एवं पैलेट का समय पर उपचार बच्चों के बेहतर शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आरबीएसके के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

अनीशा की मुस्कान की वापसी न केवल एक सफल सर्जरी की कहानी है, बल्कि यह सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की सफलता और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंच रही स्वास्थ्य सेवाओं का भी सशक्त उदाहरण है।

पटना के दुल्हिन बाजार-भरतपुरा सड़क पहली बारिश में हुआ बदहाल, निर्माण कार्य पर उठे सवाल

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के दुल्हिन बाजार प्रखंड में करोड़ों की लागत से बनी मुख्य बाजार-बड़की खंडवा-भरतपुरा सड़क पहली ही हल्की बारिश में बदहाल हो गई है। निर्माण कार्य पूरा होने के महज नौ महीने के भीतर सड़क के कई हिस्सों में गड्ढे बन गए हैं और जलजमाव की समस्या उत्पन्न हो गई है। इस स्थिति ने विभागीय निगरानी और निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। ग्रामीण कार्य विभाग, पालीगंज प्रमंडल द्वारा 'ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण कार्यक्रम' के तहत इस 3.610 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण लगभग 289.018 लाख रुपये (करीब 2.89 करोड़) की लागत से कराया गया था। शिलापट्ट के अनुसार, कार्य 12 सितंबर 2025 को पूर्ण हुआ था। हालांकि, पहली बारिश ने ही निर्माण में प्रयुक्त सामग्री और तकनीकी मानकों की पोल खोल दी है। स्थानीय निवासी मिठू कुमार, रमेश चंद्र और कमल किशोर शर्मा का कहना है कि भारी खर्च के बावजूद सड़क टिकाऊ नहीं बनी। ग्रामीणों का आरोप है कि जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं की गई और निर्माण में केवल खानापूर्ति की गई है। सड़क पर गिट्टी और राख डालकर काम निपटाने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने उच्चस्तरीय जांच और दोषी अधिकारियों व संवेदकों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि जिस सड़क से बेहतर आवागमन की उम्मीद थी, वह अब दुर्घटना को आमंत्रण दे रही है। 2.89 करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी चंद महीनों में सड़क का यह हाल प्रशासन की कार्यशैली और जवाबदेही पर बड़े सवाल खड़े कर रहा है।

पटना के फुलवारी शरीफ में स्थायी ऑटो स्टैंड का अभाव बना मुसीबत, रोजाना हो रही मारपीट और जाम से बेहाल लोग

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी पटना का फुलवारी शरीफ इलाका इन दिनों भीषण यातायात अव्यवस्था और प्रशासनिक अनदेखी की मार झेल रहा है। चनौती कुआं, थाना मोड़ और मिशन रोड जैसे व्यस्त इलाकों में स्थायी ऑटो-टेंपो स्टैंड न होने के कारण यहां रोजाना जाम, विवाद और मारपीट की घटनाएं आम हो गई हैं। क्षेत्र में स्टैंड की कमी के कारण ऑटो चालक सड़क किनारे या दुकानों के सामने वाहन खड़ा करने को मजबूर हैं। इससे न केवल सड़कों पर जाम लगता है, बल्कि स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों के साथ चालकों का टकराव भी बढ़ गया है। चालकों का आरोप है कि जगह के अभाव में सवारी बैठाना मजबूरी है, लेकिन इसका खामियाजा उन्हें अक्सर गाली-गलौज और मारपीट के रूप में भुगतना पड़ता है। कई चालकों ने आपबीती सुनाते हुए कहा कि वे पेट की खातिर अपमान सहकर भी काम करने को विवश हैं। इस समस्या से ईसापुर, एम्स, जयप्रकाश नगर और गोविंदपुरा समेत दर्जनों कॉलोनियों के हजारों लोग प्रभावित हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जनप्रतिनिधि सिर्फ चुनाव के समय वोट मांगने आते हैं और जीतने के बाद जनता की मूलभूत समस्याओं से किनारा कर लेते हैं। जदयू नेता महेश पासवान समेत कई बुद्धिजीवियों ने इसे प्रशासनिक विफलता करार दिया है। उन्होंने कहा कि सांसद से लेकर विधायक तक कोई भी इस समस्या के स्थायी समाधान के प्रति गंभीर नहीं है, जिसके कारण आम जनता नारकीय स्थिति में जीने को मजबूर है। फुलवारी शरीफ का यह इलाका तेजी से विकसित हो रहा है, जहां ऑटो और ई-रिक्शा ही परिवहन का मुख्य साधन हैं। सामाजिक कार्यकताओं का मानना है कि यदि जल्द ही नगर परिषद और जिला प्रशासन ने स्थायी स्टैंड का निर्माण नहीं कराया, तो यह समस्या किसी बड़े संघर्ष का रूप ले सकती है। निवासियों ने सरकार से मांग की है कि यातायात को सुगम बनाने और सार्वजनिक विवादों को रोकने के लिए अविलंब एक व्यवस्थित ऑटो स्टैंड की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि नागरिकों को जाम और बदसलूकी से निजात मिल सके।

कांडी गांव में मां गजेन्द्रेश्वरी का वार्षिक श्रृंगार पूजन, हजारों भक्तों ने लगाई हाजरी

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नवीनगर (बिहार)आस्था और उत्साह का संगम। नबीनगर प्रखंड के कांडी गांव में शुक्रवार 12 जून 2026 को भक्ति का माहौल पूरी तरह बदल गया। सदियों पुराना मां गजेन्द्रेश्वरी देवी मंदिर फूलों, बेलपत्र और दीपों से सजकर दुल्हन की तरह चमक उठा। हर साल 12 जून को मनाया जाने वाला स्थापना दिवस इस बार भी पूरे उल्लास के साथ मनाया गया।सूरज निकलने से पहले ही मंदिर परिसर जयकारों से गूंजने लगा। विद्वान पंडित ब्रजेश तिवारी के मुखारविंद से वैदिक मंत्रोच्चारण शुरू हुआ। श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मंदिर की परिक्रमा करती रहीं। बेलपत्र, फूल-माला और विविध सामग्री से मां गजेन्द्रेश्वरी का भव्य श्रृंगार किया गया। श्रृंगार के बाद माता की छटा ऐसी थी कि भक्त पलकें झपकाना भूल गए।विधि-पूर्वक पूजन के बाद माता को भोग लगाया गया। इसके बाद आए हुए सभी भक्तों के बीच महाप्रसाद वितरित किया गया। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर माता का आशीर्वाद लिया।मंदिर के प्रधान सेवक गजेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि ये मंदिर सैकड़ों साल पुराना है। आधुनिक शैली में जीर्णोद्धार के बाद से हर साल 12 जून को ही मां की स्थापना तिथि श्रद्धा और उत्साह से मनाई जाती है।कांडी और आसपास के गांवों के लोगों की गहरी आस्था है कि मां गजेन्द्रेश्वरी के दरबार में जो भी सच्चे मन से हाजरी लगाता है, उसकी मुराद जरूर पूरी होती है। इसी विश्वास के कारण हर साल श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती जा रही है।पूरे दिन मंदिर में भजन-कीर्तन का दौर चलता रहा और गांव का माहौल भक्तिमय बना रहा।

सरकारी स्कूल के शिक्षक कोचिंग-ट्यूशन पढ़ाते मिले तो होगी कड़ी कार्रवाई

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)बिहार सरकार ने सरकारी स्कूल के शिक्षकों के कोचिंग-ट्यूशन पढ़ाने पर सख्त रुख अपनाया है। शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को आदेश दिया है कि यदि कोई सरकारी शिक्षक स्कूल परिसर या अन्य जगहों पर कोचिंग/निजी ट्यूशन और व्यावसायिक संस्थान में पढ़ाते पकड़ा गया तो उसके खिलाफ कड़ी अनुशासनिक कार्रवाई होगी।बिहार

सरकार, शिक्षा विभाग, पटन द्वारा 11 जून 2026 को सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश भेजा गया है।पत्र में कहा गया है कि इढरउ के माध्यम से प्रारंभिक से उच्च माध्यमिक स्कूलों तक पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति हो चुकी है। समय-समय पर शिक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता बनी रहे।लेकिन कई शिक्षक स्कूल परिसर या अन्य स्थानों पर कोचिंग/निजी ट्यूशन और व्यावसायिक संस्थान चला रहे हैं। इससे उनके पदस्थापित स्कूल के बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है कि शिक्षक स्कूल में ही पूरी निष्ठा से पढ़ाएं।शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि उनके जिले में कोई भी सरकारी शिक्षक कोचिंग-ट्यूशन में संलिप्त न हो। इसके लिए औचक निरीक्षण और जांच की जाएगी।

इस आदेश के बाद शिक्षक संघों में हलचल तेज हो गई है।वहीं अभिभावकों का मानना है कि अगर स्कूल में ही बेहतर पढ़ाई होगी तो कोचिंग की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।अब देखना होगा कि शिक्षा विभाग इस आदेश को जमीनी स्तर पर कितनी सख्ती से लागू कर पाता है।

11 साल पुराने मामले में फरार वारंटी को किया गिरफ्तार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

पौथू (औरंगाबाद) न्यायालय द्वारा वारंट निर्गत के बाद फरार चल रहे एक अभियुक्त को पौथू थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्त 2014 के एक पुराने कांड में वांछित था और उसके विरुद्ध औरंगाबाद न्यायालय से वारंट निर्गत था।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अरविंद यादव उर्फ अरविंद कुमार, उम्र करीब 41 वर्ष, पिता स्व. बेचू यादव, ग्राम पौथू टोला पोखर बिगहा, थाना पौथू, जिला औरंगाबाद के रूप में हुई है।अरविंद यादव पौथू थाना कांड संख्या 56/2014 में नामजद अभियुक्त था। कांड दर्ज होने के बाद से ही वह फरार चल रहा था।थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि पौथू थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि वारंटी अरविंद यादव अपने घर पोखर बिगहा गांव में छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने छापेमारी कर उसे उसके घर से ही गिरफ्तार कर लिया।थानाध्यक्ष ने बताया कि अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

अलग अलग थाना क्षेत्रों से 78.75 लीटर अंग्रेजी और देशी शराब बरामद तस्कर फरार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)बिहार में पूर्ण शराबबंदी के बावजूद शराब तस्करी करने वालों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। नबीनगर प्रखंड के 3 अलग-अलग थानों की पुलिस ने छापेमारी कर कुल 78.75 लीटर विदेशी और देशी शराब बरामद की है। सभी मामलों में बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम 2022 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

टण्डवा थाना क्षेत्र के ढ़ेबला गांव से गुप्त सूचना पर 50.75 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया जबकि तस्कर पुलिस को आने की भनक लगते ही फरार हो गया।इधर बड़ेम थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर करवाई करते हुए न्यू नगर माझियावां गांव में छापेमारी के दौरान 10 लीटर देशी शराब बरामद की। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर तस्करों की तलाश शुरू कर दी गई है।वहीं नवीनगर थाना पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के शिवसागर गांव में की गई कार्रवाई में 18 लीटर देशी शराब जब्त की गई। सभी मामलों में पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कारवाई शुरू कर दी है।

हत्या के प्रयास एवं मारपीट के 5 आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर थाना पुलिस ने नगर पंचायत क्षेत्र के बूढ़ी बांध गांव से हत्या करने का प्रयास और मारपीट करने के पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।गिरफ्तार किए गए अभियुक्त बीरबल पासवान, पंकज पासवान, लव कुमार, अंगद कुमार और कुश कुमार है। अपर थानाध्यक्ष सुमित कुमार ने बताया कि गांव के ही रामप्रीत पासवान द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।गौरतलब है कि एक दिन पूर्व शुक्रवार को गांव में ही जमीनी और रास्ता के विवाद में आपस के दो पक्षों के बीच जमकर चले लाठी डंडे और लोहे के रॉड से हमले मे एक पक्ष के तीन महिला समेत सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिसे नबीनगर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल औरंगाबाद रेफर कर दिया गया था।

फुलवारी शरीफ में गैस सिलेंडर के लिए सुबह 4 बजे से कतार, 'सुलभ इंडेन' के बाहर घंटों हंगामा

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ फुलवारी शरीफ के नवादा स्थित वाल्मी गोदाम के पास संचालित 'सुलभ इंडेन सेवा' गैस एजेंसी पर शुक्रवार को कुप्रबंधन और गैस सिलेंडर की भारी किल्लत के कारण उपभोक्ताओं का आक्रोश फूट पड़ा। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि मौके पर पहुंची पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा। गैस सिलेंडर पाने की जद्दोजहद में सैकड़ों उपभोक्ता तड़के सुबह 4 बजे से ही एजेंसी के बाहर कतार में लग गए थे। सुबह 10 बजे तक स्थिति अनियंत्रित हो गई और आक्रोशित लोगों ने एजेंसी के गेट पर जमकर हंगामा किया। उपभोक्ताओं का आरोप है कि एजेंसी प्रबंधन उनकी समस्याओं को सुनने के बजाय अक्सर गेट बंद कर लेता है और वितरण के संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं देता।एजेंसी पर हो रहे हंगामे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पहले भीड़ को शांत कराया, फिर कतारबद्ध तरीके से उपभोक्ताओं को सिलेंडर वितरित करवाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुलभ इंडेन सेवा के पास क्षेत्र के सबसे अधिक उपभोक्ता हैं, लेकिन वितरण प्रणाली पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उपभोक्ताओं का कहना है कि एक सिलेंडर के लिए उन्हें कई दिनों तक एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ते हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि यह कोई पहली बार नहीं है जब उन्हें गैस के लिए सड़क पर उतरना पड़ा हो। आए दिन एजेंसी के बाहर हंगामा और प्रदर्शन आम बात हो गई है। लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि गैस वितरण व्यवस्था में तत्काल सुधार किया जाए ताकि आम लोगों को बार-बार अपमान और परेशानी का सामना न करना पड़े। उपभोक्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही गैस वितरण व्यवस्था सुचारु नहीं की गई, तो वे उग्र आंदोलन करने पर मजबूर होंगे। घरेलू गैस जैसी बुनियादी जरूरत के लिए आम जनता का घंटों लाइन में लगना प्रशासनिक व्यवस्था पर एक बड़ा सवाल खड़ा करता है।

आरक्षण रोस्टर के इंतजार में थमी बिहार पंचायत चुनाव, 15 जून के बाद तस्वीर होने की उम्मीद

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार में आगामी पंचायत चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं, लेकिन आरक्षण रोस्टर जारी न होने के कारण संभावित उम्मीदवारों और मतदाताओं के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। आरक्षण सूची के अभाव में अधिकांश दावेदार खुलकर मैदान में नहीं उतर पा रहे हैं, जिससे ग्रामीण इलाकों में अभी चुनावी गर्मी वैसी नहीं दिख रही है, जैसी अमूमन चुनाव से पहले होती है। सूत्रों के अनुसार, राज्य स्तर पर आरक्षण को लेकर गाइडलाइन तैयार की जा रही है, जिसके 15 जून तक जारी होने की प्रबल संभावना है। इसके बाद पंचायतवार आरक्षण सूची तैयार करने की प्रक्रिया में तेजी आएगी। फिलहाल, राज्य निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर वर्ष 2006 और 2016 के पुराने रोस्टरों को अपलोड कर दिया गया है। विभागीय अधिकारी इन्हीं आंकड़ों का अध्ययन कर नए आरक्षण प्रारूप को अंतिम रूप दे रहे हैं। 2016 का रोस्टर 2011 की जनगणना पर आधारित था, जबकि 2006 का रोस्टर उससे पूर्व की व्यवस्था पर। इन दोनों का तुलनात्मक अध्ययन कर नई आरक्षण सूची तैयार की जा रही है। चुनाव की निष्पक्ष और सुचारु व्यवस्था के लिए प्रखंड से लेकर जिला स्तर तक तैयारियां जोरों पर हैं। ईवीएम के रख-रखाव के लिए सुरक्षित स्टोर और मतदान केंद्रों के चयन का कार्य भी प्रगति पर है। जिला प्रशासन ने दावा-आपत्ति से जुड़े अधिकांश मामलों का निपटारा कर लिया है, ताकि रोस्टर जारी होने के बाद किसी भी तरह के विवाद की गुंजाइश न रहे। आरक्षण रोस्टर स्पष्ट होने के बाद ही मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य और जिला परिषद के संभावित उम्मीदवार अपनी चुनावी रणनीति को अंतिम रूप दे पाएंगे। राजनीतिक रूप से सक्रिय लोगों का मानना है कि आरक्षण गाइडलाइन जारी होते ही गांवों में चुनावी गतिविधियां एकाएक तेज हो जाएंगी। फिलहाल, उम्मीदवार राज्य सरकार और निर्वाचन आयोग की आगामी घोषणाओं का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कुल मिलाकर, पंचायत चुनाव की प्रशासनिक औपचारिकताएं लगभग पूरी हो चुकी हैं। अब बस राज्य निर्वाचन आयोग की हरी झंडी का इंतजार है, जिसके बाद बिहार के गांवों में चुनावी शंखनाद हो जाएगा।